हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

यूएस ओपनः कार्लोस अल्कराज ने टॉमी ...

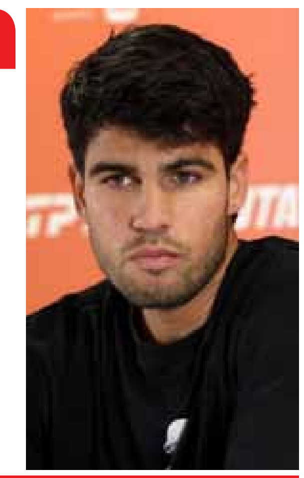

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 08 सितंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 195, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी का आज गुजरात और महाराष्ट्र दौरा, 35 हजार करोड़ से अधिक की सौगात देंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

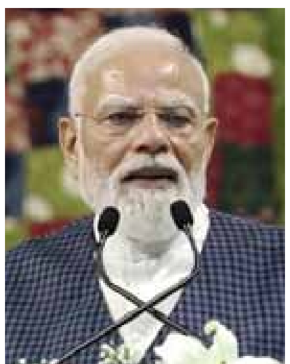

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को गुजरात और महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह गुजरात के वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री 8 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे वडोदरा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इनमें पश्चिमी समर्पित माल गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) के तीन महत्वपूर्ण खंडों का राष्ट्र को समर्पण प्रमुख है। इन 326 किलोमीटर लंबे खंडों के निर्माण पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इनमें साणंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगांव-न्यू सफाले और न्यू सफाले-जेएनपीटी खंड शामिल हैं।

इन खंडों के शुरू होने के साथ ही समर्पित माल गलियारा नेटवर्क अपनी पूरी लंबाई में परिचालन के लिए तैयार हो जाएगा। जेएनपीए से सीधी रेल कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात माल की तेज आवाजाही संभव होगी। इससे औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों के बीच संपर्क मजबूत होने, लॉजिस्टिक्स लागत घटने और मुंबई के रेल नेटवर्क पर दबाव कम होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री न्यू साणंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव और न्यू जेएनपीटी, मुंबई से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा वडोदरा से टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी रवाना करेंगे, जिससे वडोदरा, छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जिलों के लोगों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री छोटा उदयपुर-धार परियोजना के तहत निर्मित जोबाट-टांडा रोड नई रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह रेल लाइन अलीराजपुर के दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री 329 किलोमीटर लंबी और 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली तीन रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन, मियागाम करजन-चोरंदा-मलसार आमान परिवर्तन तथा विश्वामित्री-डभोई दोहरीकरण परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यात्री और माल परिवहन क्षमता बढ़ाने, रेल मार्गों पर भीड़ कम करने तथा गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क मजबूत करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री करीब 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड को छह लेन का बनाना, वडोदरा-सूरत खंड पर तापी और नर्मदा नदियों पर प्रमुख पुलों समेत अतिरिक्त ढांचों का निर्माण तथा एनएच-53 पर अभावा, मिंडहोला और खजोड़ जंक्शन पर ग्रेड सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री एनएच-48 के वडोदरा-सूरत सेक्शन पर सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित जगहों) की समस्या को दूर करने के लिए कंडारी चौकड़ी और लुवारा पाटिया पर छह-लेन वाले फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री गुजरात सरकार की करीब 2,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण रिंग रोड फेज-2, कडाना बांध में 110 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना और वडोदरा नगर निगम के नए कार्यालय भवन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास परियोजनाओं तथा पूर्वी वडोदरा के 11 गांवों के लिए जलापूर्ति परियोजना का भी उद्घाटन किया जाएगा। प्रधानमंत्री शाम करीब 5:45 बजे मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।

भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे

एजेंसी, नई दिल्ली । पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए भी खास है, क्योंकि ये हमारे पुराने सांस्कृतिक-राजनैतिक संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। पेरिस में स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि पेरिस में बना यह भव्य मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और अवसरों के प्रतीक के रूप में खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। मेरे मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर दोनों देश विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी, एआई, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में भारत और फ्रांस नई गति और नई ऊर्जा के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में भी मना रहे हैं। यह रणनीतिक साझेदारी इसलिए खास है क्योंकि यह हमारे लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की मजबूत नींव पर आधारित है। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह है कि फ्रांस में भारतीय सैनिकों के बलिदान की याद आज भी लोगों के दिलों में जीवित है। उन्होंने कहा कि भाषा प्रेमी यह भी जानते हैं कि संस्कृत को लोकप्रिय बनाने में फ्रांसीसी विद्वानों ने अहम भूमिका निभाई थी। रोमां रोलां के रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पर लिखे गए कार्यों ने हमारे समाजों को और करीब लाने का काम किया। मोदी ने कहा कि पेरिस से पुडुचेरी स्थित श्री अरविंद आश्रम तक 'द मदर' की आध्यात्मिक यात्रा ने भारत और फ्रांस के असंख्य साधकों को प्रेरित किया है।

सत्य निकेतन हादसा : 7वां शव निकला, आरोपी मकान मालिक की तलाश में जुटी टीमें

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए इमारत हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पेइंग गेस्ट (पीजी) के तौर पर इस्तेमाल हो रही बहुमंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई थी। मोती बाग स्थित इमारत में हुए इस हादसे के बाद अब तक 11 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। हालांकि, मलबे में अभी भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। इनमें कई छात्र भी शामिल बताए जा रहे हैं। मौके पर एनडीआरएफ और प्रशासन की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। फरार मकान मालिक हरिराम बंसल को पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस ने 10 टीमें गठित की हैं। साउथ कैंपस थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और स्पेशल स्टाफ की टीमें दिल्ली के अलावा गुरुग्राम और दिल्ली-एनसीआर के अन्य इलाकों में छापेमारी कर रही हैं। पुलिस हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। उसके रिश्तेदारों और करीबियों से भी पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद अब इसका खौफनाक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें इमारत के ढहने से पहले और बाद का मंजर दिखाई दे रहा है। फुटेज में देखा जा सकता है कि इमारत के ठीक नीचे एक बुजुर्ग अपनी छोटी-सी स्टॉल लगाकर बैठे थे। अचानक ऊपर से मलबा और धूल गिरने लगी। खतरा भांपते ही बुजुर्ग तेजी से वहां से दूर भागे। इसके कुछ ही सेकेंड बाद पूरी इमारत जमींदोज हो गई और आसपास धूल का घना गुबार छा गया।

संक्षिप्त समाचार

सत्य निकेतन हादसाः राहुल गांधी ने जवाबदेही नहीं होने का लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे को लेकर सरकार पर जवाबदेही नहीं तय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हादसों की रोकथाम में विफल रहने के बाद सरकार केवल बयानबाजी करती है और असली दोषी जवाबदेही से बच जाते हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सत्य निकेतन में छात्रों से भरी इमारत का गिरना कोई अकेली त्रासदी नहीं है। पिछले चार महीनों में सैदुलाजाब और हौजरानी में भी ऐसी घटनाओं में कई लोगों की जान गई लेकिन कार्रवाई दिखाई नहीं देती। उन्होंने आरोप लगाया कि जवाबदेही मांगने वालों को अपमानजनक विशेषण देकर चुप कराने का प्रयास किया जाता है। सवाल उठाने वालों को शर्मिंदा और बदनाम करने की कोशिश की जाती है। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए लेकिन मूल मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। दिल्ली में ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद ऐसी घटनाओं पर प्रभावी जवाबदेही दिखाई नहीं दे रही है।

मध्य प्रदेश में सरकार निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी : मोहन यादव

एजेंसी, भोपाल । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है और मजबूत कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान दुनिया भर के निवेशकों को मध्य प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्हों ने एआईएम कांग्रेस-2026 के आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह मंच पारंपरिक निवेश से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार, आर्थिक साझेदारी और नए अवसरों का सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक परिस्थितियां, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित विकास आज निवेश की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में सतत और समावेशी भविष्य के लिए वैश्विक समृद्धि के नए निवेश मार्ग इस आयोजन की थीम बेहद प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध आज अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के शीर्ष नेतृत्व के बीच बने गहरे विश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को नई रणनीतिक और आर्थिक ऊर्जा दी है। वर्ष 2022 में लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते सीईपीए ने व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सहयोग के लिए नए अवसर खोले हैं।

सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में पांचवीं मंजिल वाले भवनों को फौरन सील करने के निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था एवं चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तत्काल सील करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा हादसे के जिम्मेदार पाए जाने वाले एमसीडी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने आसपास के पीजी एवं भवनों की भी सघन जांच, नियमों का उल्लंघन मिलने पर सीलिंग करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा, लापरवाही पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। हादसे में मरने वालों की संख्या छह हो गई है और बचाव व राहत कार्य जारी है।

मप्र के सागर में जहरीली शराब पीने से चार और ग्रामीणों की मौत, मृतकों की संख्या 22 हुई

एजेंसी, भोपाल

100 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती

मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंड़ा तहसील में जहरीली शराब से रविवार देर से लेकर सोमवार दोपहर तक 4 और ग्रामीणों की मौत हो गई। इसके बाद मृतकों का आंकड़ा 22 पहुंच गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत करीब 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि शनिवार की रात बंड़ा तहसील के ग्राम घूघर, नौराज, गूगरा खुर्द, बराज और आसपास के क्षेत्रों में कुछ लोगों ने शराब का सेवन किया था। इसके बाद कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां जांच के बाद कुछ लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि कई मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर किया गया।

रविवार शाम तक कुल 18 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 100 से ज्यादा लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किया गया था। इनमें से सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। इन चार लोगों की मौत के बाद जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में गोलू उर्फ चमन लोधी पुत्र साहब सिंह (45), ग्राम गूगरा खुर्द, दिग्विजय लोधी पुत्र देवेन्द्र लोधी (28), ग्राम नौराज, करतार सिंह लोधी पुत्र जोधन लोधी (30), ग्राम नौराज, उजियार सिंह लोधी पुत्र विजय सिंह लोधी (56), ग्राम गूगरा खुर्द, रोशन लोधी पुत्र जगन्नाथ (30), ग्राम पाटन थाना विनायका और राजेंद्र पुत्र मूरत लोधी (32), ग्राम नौराज, गूगरा, हरनाम पुत्र घनश्याम राय (42) ग्राम चौका, उत्तम नत्थू नायक (42) ग्राम दलपतपुर, सुमेर सिंह दांगी (47) पुत्र पूरन ग्राम बमूरा, राजकुमार लोधी (47) पुत्र नन्नई लोधी, ग्राम बमूरा, सुरेन्द्र अहिरवार (35) पुत्र सुखलाल ग्राम लिधौरा के अलावा सचिन (25), कुलदीप दांगी (20), महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50), भगवान सिंह (35), गोपाल आदिवासी (40), देश कुमार लोधी, गोविंद सिंह (62), कम्मू (50), रामप्रसाद सिंह लोधी और कृष्ण कुमार लोधी शामिल हैं।

डेढ़ दशक पुराने फर्जी पासपोर्ट केस में आचार्य बालकृष्ण बरी

एजेंसी, हरिद्वार

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री और योगगुरु बाबा रामदेव के करीबी सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने के करीब 15 साल पुराने मामले में देहरादून की सीबीआई अदालत ने बरी कर दिया है। आचार्य बालकृष्ण पर आरोप था कि उन्होंने पासपोर्ट बनवाने के लिए बरेली स्थित पासपोर्ट कार्यालय में खुर्जा के एक संस्कृत महाविद्यालय से संबंधित कथित फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए थे। इसी आधार पर उनके खिलाफ आपराधिक धाराओं के साथ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। 2011 से विचाराधीन इस मामले में करीब डेढ़ दशक तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने आचार्य बालकृष्ण को आरोपों से बरी कर दिया। फैसले के बाद आचार्य बालकृष्ण ने इसे बड़ी राहत बताते हुए कहा कि इस लंबे दौर में उन्हें कई तरह की मानसिक प्रताड़नाओं से गुजरना पड़ा, लेकिन अंततः सत्य की विजय हुई।

महाराष्ट्र में डॉक्टरों पर हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों की पिटाई की बढ़ती घटनाओं पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। जस्टिस विक्रमनाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने महाराष्ट्र में डॉक्टर की पिटाई के मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि एक ही विचारधारा के लोग डॉक्टरों पर हमले में शामिल हैं।

उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी शिवसेना के पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। उन्होंने कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों के साथ मारपीट के मामले में मिली जमानत की शर्तों को चुनौती दी थी।

कोर्ट ने कहा कि ऐसे नेताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाना चाहिए। ऐसे लोगों को खुलेआम सड़कों पर घूमने नहीं दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों के चैंबर में जाकर उन्हें बुरी तरह पीटने को किसी भी हालत में सामान्य नहीं माना जा सकता। डॉक्टरों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि दूसरे भी ऐसी हरकत करने से डरें।

नागपुर में होगा आयुर्वेद दिवस का मुख्य आयोजन; थीम होगी-'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद'

एजेंसी, नई दिल्ली

इस वर्ष 23 सितंबर को महाराष्ट्र के नागपुर में आयुर्वेद दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा। इस बार की थीम "स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद" रखी गई है, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा को भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं से जोड़ना है।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में 11वें आयुर्वेद दिवस के लिए कर्टेन रेज़र प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस आयुर्वेद दिवस के लिए देशव्यापी जनजागरूकता अभियान की औपचारिक शुरुआत के करते हुए युवाओं में इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। प्रतापराव जाधव ने कहा कि आज पूरी दुनिया रोगों की रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली, पोषण, वेलनेस और समग्र स्वास्थ्य की ओर बढ़ रही है और इन क्षेत्रों में भारत के पास आयुर्वेद के रूप में समृद्ध ज्ञान और अनुभव है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद दिवस केवल भारत की परंपरा का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप स्वास्थ्य व्यवस्था केवल बीमारी के इलाज तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्वस्थ दिनचर्या, संतुलित आहार, मानसिक संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य को भी बढ़ावा देना चाहिए। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष का अभियान तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित रहेगा- 1. बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए समेकित स्वास्थ्य सेवा, 2. आयुर्वेद में शोध, साक्ष्य और नवाचार, सामुदायिक कल्याण, 3. सतत जीवनशैली के लिए आयुर्वेद।

तीनों सेनाओं के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों को केंद्र की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लिए लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे भारतीय सेना के लिए केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल, हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद की जाएगी। मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी। रक्षा बलों के अलग-अलग अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक एडमिनिस्ट्रेटिव मंजूरी मिलने से तीनों सेनाओं को नए हथियार मिलने से युद्धक क्षमता मजबूत होगी। सेना के लिए खरीदे जाने वाले केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल प्रभावित क्षेत्र का पता लगाने, पहचानने, मॉनिटर करने और मार्किंग करने में सक्षम होंगे। हाई मोबिलिटी व्हीकल मुश्किल इलाकों में ऑपरेशनल क्षमता, लॉजिस्टिक सपोर्ट और मोबिलिटी को बढ़ाएंगे। इसी तरह सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स मुश्किल इलाकों में तेज और रिस्पॉन्सिव माइनलेइंग के मामले में जरूरी ऑपरेशनल क्षमता हासिल करेंगे। एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायु सेना के लिए खरीदे जाएंगे, जो सभी इलाकों और ऑपरेशनल हालात में मुश्किल मिशन पूरे करेंगे। ट्रॉल टैंक और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में ऑपरेशन के दौरान लड़ने वाली टीमों को कम्पोजिट क्रॉसिंग देने के लिए किया जाएगा। नौसेना के लिए अरुधरा रडार, डिजाइन और डेवलपमेंट किया जायेगा। उसके बाद मरीन गैस टरबाइन खरीदने के लिए एओएन दिया गया। अरुधरा रडार अलग-अलग नेवल एयर स्टेशन पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेगा और वॉरशिप प्रोपल्शन सिस्टम मैकेनिकल माइन लेयर्स विदेशी वेंडर पर निर्भरता कम करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने की प्रार्थना- 'वायु, सूर्य और वरुण देव रहें कल्याणकारी'

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह हमेशा की तरह एक्स पर सुभाषितम् के रूप में ''शं नो वातः पवतां शं नस्तपतु सूर्यः। शं नः कनिक्रदद् देवः पर्जन्योऽभिवर्षतु॥'' श्लोक साझा किया। उन्होंने वायु, सूर्य और वरुण देव से कल्याण की प्रार्थना की। यह श्लोक शुक्ल यजुर्वेद संहिता के 36वें अध्याय का 10वां मंत्र है। इस श्लोक में प्रकृति के विभिन्न तत्वों से मानव जाति और ब्रह्मांड के कल्याण की प्रार्थना की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जुड़ाव दर्शाते हुए इसे साझा किया। इसका भावार्थ है, "हमारे लिए वायु कल्याणकारी, सुखद और शुद्ध होकर बहे। सूर्य देव हमारे लिए मंगलमय होकर तपे, अर्थात उनका ताप और प्रकाश हमें जीवन व ऊर्जा दे, विनाश न करे। दिव्य गर्जना करने वाले मेघ (पर्जन्य देव) हमारे ऊपर जीवनदायी व कल्याणकारी जल की वर्षा करें।" इस मंत्र का महत्व यह दर्शाता है कि हमारे ऋषियों का दृष्टिकोण कितना वैज्ञानिक और प्रकृति-केंद्रित था। मानव जीवन पूरी तरह से स्वच्छ हवा, संतुलित धूप और समय पर होने वाली वर्षा पर निर्भर है। यदि प्रकृति का यह संतुलन बिगड़ जाए (जैसे वायु प्रदूषण, अत्यधिक गर्मी या सूखा/बाढ़) तो पूरी मानव सभ्यता संकट में आ सकती है।

भस्म आरती में राजा स्वरूप में सजे बाबा महाकाल, शाम को निकलेगी राजसी सवारी, केंद्रीय मंत्री सिंधिया पालकी का पूजन करेंगे

एजेंसी, उज्जैन । मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में सोमवार को भस्म आरती के दौरान भांग, चंदन और आभूषण अर्पित कर बाबा महाकाल का राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। वहीं, मंदिर से सोमवार शाम 4 बजे श्रावण-भाद्रौ मास की राजसी सवारी निकलेगी। इस दौरान अवंतिकानाथ नगर का भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। राजसी सवारी में बाबा महाकाल अपने भक्तों को एक साथ छह रूपों के दर्शन होंगे। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि भाद्रपद कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर सोमवार तड़के चार बजे भस्म आरती के लिए मंदिर के पट खुले। पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर अभिषेक किया गया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई।

संक्षिप्त समाचार

टीपीएस कॉलेज में निवेश एवं उद्यमिता पर 40 घंटे के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ

पटना। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना के अर्थशास्त्र, बी.बी.ए. एवं वाणिज्य विभागों के संयुक्त तत्वावधान में निवेश, व्यावसायिक अर्थशास्त्र एवं उद्यमिताः अवधारणाएँ, उपकरण एवं अनुप्रयोग विषय पर 40 घंटे के प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ।उद्घाटन सत्र में प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) तपन कुमार शांडिल्य ने विद्यार्थियों को निवेश, बाजार अनुसंधान, जोखिम प्रबंधन एवं वित्तीय साक्षरता के व्यावहारिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने ह्यआत्मनिर्भर भारतह्व के निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा बिहार में स्टार्टअप एवं उद्यमिता की संभावनाओं पर विशेष बल दिया। समन्वयक प्रो. रूपम ने पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला, जबकि समन्वयक डॉ. दीपिका शर्मा ने पाठ्यक्रम की संरचना एवं विषय-वस्तु की जानकारी दी। सह-संयोजक प्रो. अंजलि प्रसाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पटना स्नातक निर्वाचन चुनाव की तैयारियों को लेकर जदयू प्रदेश कार्यालय में समीक्षा बैठक

पटना। आगामी बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन के मद्देनजर सोमवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय, पटना में महत्वपूर्ण तैयारी एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री निशांत एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित सभी विधायक, विधान पार्षद एवं वरीय नेता के साथ आगामी चुनाव की तैयारियों एवं रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान जनसंपर्क अभियान, आपसी समन्वय, संगठनात्मक तैयारियों एवं चुनावी रणनीति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।इस अवसर पर जदयू विधायक दल के नेता सह मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद के उपसभापति प्रो. रामवचन राय, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह विधायक श्याम रजक, प्रदेश प्रवक्ता सह विधान पार्षद नीरज कुमार, विधान पार्षद रवींद्र प्रसाद सिंह, विधायक अनंत सिंह,विधायक कृष्ण मुरारी शरण, विधायक कौशल किशोर, विधायक अरुण मांझी, विधायक रूहेल रंजन, विधान पार्षद अशोक कुमार यादव, चुनाव प्रभारी प्रो. जनार्दन प्रसाद सिंह, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव, पूर्व विधायक उषा सिन्हा, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अरुण वर्मा, अंजुम आरा, सुमित कुमार सिंह सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

तुष्टिकरण की दुकान बंद हुई तो अगड़ा-पिछड़ा का नया एजेंडा खुल गया : हम

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने विपक्ष की मुद्दाविहीन राजनीति पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष का हाल अब ऐसा हो गया है कि वह हर विषय पर विशेषज्ञ बनने की कोशिश करता है, लेकिन किसी एक मुद्दे पर सप्ताह-दस दिन भी टिक नहीं पाता। कभी इजराइल-फिलिस्तीन पर वैश्विक विशेषज्ञ बनने लगते हैं, तो कभी ईरान-अमेरिका के मुद्दे पर ज्ञान देने लगते हैं। फिर जैसे ही वहां उनके दावों और दलीलों की कलई खुलती है और झूठ का पदार्फाश होता है, वे उस मुद्दे से चुपचाप किनारा कर लेते हैं और नया मुद्दा तलाशने निकल पड़ते हैं। श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि लगता है देश में गैस, पेट्रोल और डीजल की सारी समस्याएं रातों-रात समाप्त हो गई हैं, तभी विपक्ष हर कुछ दिनों पर अपना मुद्दा बदल देता है। कभी जीडीपी में उछाल आते ही अचानक अर्थशास्त्र का ज्ञान बांटा जाने लगता है, कभी चीनी का मुद्दा उछाला जाता है। लेकिन जब तथ्यों के सामने इनकी राजनीति नहीं टिकती तो पुराना मुद्दा छोड़कर नया शोर खड़ा कर दिया जाता है। पुरानी तुष्टिकरण की राजनीति की दुकान भी अब चलने वाली नहीं रही, इसलिए लगता है कि विपक्ष को अब अगड़ा-पिछड़ा कराने का नया ह्यटेंडरह्व मिल गया है।

बाढ़-सूखा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे सरकारः भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव मंडल की बैठक के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि बिहार बाढ़ और सूखा का दोहरी मार झेल रहा है। राज्य में नदियों के जलस्तर में हुई अचानक वृद्धि से राज्य के जहाँ दर्जन भर से अधिक जिले की पचीस लाख से ज्यादा आबादी बाढ़ की भीषण विभिषिका को झेलने के लिए अभिशप्त है तो दूसरी ओर राज्य के छब्बीस जिले सुखाड़ का सामना कर रहा है। राज्य की डबल इंजन सरकार बाढ़ तथा सूखा के स्थायी निदान के लिए कोई अभिरुचि नहीं दिखाई। बाढ़ के कटाव तथा बाढ़ के पानी के फैलाव से राज्य के सैकड़ों परिवार बेघर हो गये हैं और सड़क किनारे शरण लिए हुए है।पार्टी बाढ़ से विस्थापित परिवारों को पुनर्वास, सामुदायिक रसोई, राहत शिविर, बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग करती है। प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मात्रा में राहत सामग्रियों का वितरण, पालीथीन शीट तथा ड्राई राशन पैकेट का वितरण सुनिश्चित करना सरकार की आरंभिक जिम्मेदारी है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के सुरक्षित आवागमन के लिए नावों का परिचालन सुनिश्चित करना होगा। बाढ़ से बर्बाद फसलों का आंकलन कर कृषि इनपुट उपलब्ध कराने तथा कर्ज में डूबे किसानों के तमाम कर्ज माफ करने की पार्टी मांग करती है। राज्य सचिव ने कहा कि पार्टी राज्य में प्रलयंकारी बाढ़ तथा सूखे का सामना करने के लिए राष्ट्रीय आपदा घोषित कर युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाए जाने की मांग करती है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविर में लोगों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा,लोगों को खुद भोजन परोसा, साथ किया भोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वैशाली एवं सारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हाजीपुर और सोनपुर में संचालित बाढ़ राहत शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। वैशाली जिले में गंगा ब्रिज थाना के सामने संचालित बाढ़ राहत शिविर में मुख्यमंत्री ने कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन वितरण काउंटर और निबंधन सह नियंत्रण कक्ष में व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं लोगों को भोजन परोसा। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता देखी और शिविर में रह रहे लोगों से पूछा कि उन्हें भोजन एवं अन्य सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है। लोगों ने बताया कि शिविर में अच्छी व्यवस्था है और उन्हें पर्याप्त भोजन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और बच्चों से बातचीत की। उन्होंने शैक्षणिक शिविर में भी बच्चों से उनकी पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों और खान-पान के बारे में जानकारी ली। शिविर में महिलाओं और पुरुषों के लिए की गई अलग-अलग रहने की व्यवस्था का भी उन्होंने जायजा लिया और दोनों शिविरों में जाकर लोगों से सीधे संवाद किया। स्वास्थ्य शिविर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उपलब्ध जांच और इलाज की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि बीमार होने की स्थिति में बाढ़ पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और किसी भी व्यक्ति को इलाज के लिए परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा शिविर की भी जानकारी ली और अधिकारियों को पशुओं के लिए पर्याप्त दवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन को पशु चारा की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि बाढ़ के कारण पशुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने बाढ़ के पानी में डूबने से हुई मृत्यु के मामलों में मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने सारण जिले के सोनपुर शहर स्थित स्काउट एंड गाइड सेंटर में संचालित बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां कम्युनिटी किचन की व्यवस्था देखी और शिविर में रह रहे लोगों से बातचीत कर भोजन एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाढ़ पीड़ितों के साथ भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। लोगों ने शिविर में की गई व्यवस्थाओं के लिये मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुये कहा कि यहां खाने-पीने से लेकर रहने सहने तक की बहुत अच्छी व्यवस्था की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के कारण हुई फसल क्षति का आकलन कराया जाएगा और प्रभावित किसानों को समुचित मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही, गंगा में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी सरकार काम कर रही है।

पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप के विरोध में किसानों का विरोध तेज, तेजस्वी यादव से मिला साथ का आश्वासन

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पाटलिपुत्र सैटेलाइट टाउनशिप के नाम पर किसानों की जमीन लिए जाने के प्रस्ताव के विरोध में सोमवार को किसान प्रतिनिधियों ने राजद नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने उन्हें क्षेत्र के किसानों की समस्याओं और जमीन अधिग्रहण को लेकर उत्पन्न आशंकाओं से अवगत कराया। किसान प्रतिनिधियों ने बताया कि क्षेत्र के किसानों की सबसे बड़ी चिंता उनकी पुश्तैनी एवं उपजाऊ जमीन, आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर है। प्रतिनिधियों ने कहा कि किसान विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन किसानों के हितों और उनकी सहमति की अनदेखी कर विकास परियोजना लागू किए जाने का वे विरोध करेंगे। किसान प्रतिनिधियों के अनुसार, तेजस्वी प्रसाद यादव ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और किसानों के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधियों का कहना है कि तेजस्वी यादव ने स्पष्ट रूप से कहा— "हम आप लोगों के साथ हैं।" किसानों ने इसे अपनी लड़ाई के लिए महत्वपूर्ण समर्थन बताया।

बिहार की समृद्ध विरासत के साथ विकास की नई गाथा लिख रहा है बिहार : विजय सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, खान-पान, कला और बदलते बिहार की विकास यात्रा को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर, बेंगलुरु में आयोजित चार दिवसीय बिहार महोत्सव 2026 का रविवार को भव्य समापन हुआ। महोत्सव के दौरान एक लाख से अधिक लोगों ने बिहार की संस्कृति, कला, व्यंजन और विभिन्न उत्पादों को करीब से जाना और अनुभव किया। समापन समारोह में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी एवं सरताज कुमार ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया। इस अवसर पर श्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि ह्ययह महोत्सव बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवटता और उज्ज्वल भविष्य का उत्सव है। साथ ही, यह प्रवासी बिहारियों को अपनी जड़ों और अपनी मिट्टी से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण एवं सफल प्रयास है। उन्होंने कहा कि बिहार केवल इतिहास की भूमि नहीं, बल्कि भविष्य की भी भूमि है। कृषि क्षेत्र में बिहार नई क्रांति की ओर अग्रसर है। किसानों की आय बढ़ाने, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, आधुनिक कृषि तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, सिंचाई तथा डिजिटल कृषि के विस्तार पर सरकार निरंतर कार्य कर रही है। श्री सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान मिल रही है। मखाना, लीची, जदालु आम और कतरनी चावल जैसे उत्पाद जीआई टैग के माध्यम से देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मखाना को वैश्विक बाजार में बिहार की समृद्धि के प्रतीक के रूप में स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बेंगलुरु में रह रहे बिहारवासियों से बिहार के नवनिर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया तथा बिहार महोत्सव के आयोजन के लिए पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी और पूरे आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। चार दिनों तक आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर का परिसर बिहार की संस्कृति और लोक जीवन के रंगों से सराबोर रहा। हर दिन सुबह 10 बजे से परिसर के मुख्य स्वागत कक्ष के समीप लगाए गए ह्यस्टॉल बिहारह्व ने एक छोटे से रंगीन संसार का रूप ले लिया। चार दिनों के दौरान एक लाख से अधिक लोगों ने इन स्टॉल्स का भ्रमण किया और बिहार के विभिन्न उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। पर्यटन विभाग के फूड स्टॉल पर बिहार के पारंपरिक व्यंजनों की करीब 51 किस्में उपलब्ध थीं। लिट्टी-चोखा, खाजा, बड़ा, शकरपारा, मालपुआ, ठेकुआ और धुधनी जैसे व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए लोगों की भीड़ देर रात तक लगी रही। वहीं उद्योग विभाग के स्टॉल पर मधुबनी चित्रकला, मखाना, चांदी, रेशम, खादी और हस्तशिल्प उत्पादों की जमकर बिक्री हुई, जिससे बिहार की समृद्ध कला एवं हस्तकला परंपरा की झलक मिली। महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ चारों दिनों तक आगंतुकों के लिए वेलनेस सत्र, नृत्य कार्यशालाएं और ध्यान कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। बिहार की लोक परंपराओं से जुड़ी प्रस्तुतियों ने विशेष रूप से लोगों को अपनी मिट्टी और जड़ों से जुड़ने का अवसर दिया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने कहा कि समाज में स्थायी परिवर्तन केवल इच्छा और संकल्प से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से आता है। उन्होंने कहा कि अकेले काम करने की कुछ सीमाएं होती हैं, लेकिन टीम के साथ मिलकर काम करने से कहीं अधिक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। बिहार की अपनी यात्रा और राज्य में आए बदलावों का उल्लेख करते हुए गुरुदेव ने कहा, ह्लमैंने बिहार को देखा है और आज के बिहार को भी देखा है। दोनों में जमीन-आसमान का अंतर है।ह्व उन्होंने बिहार के लोगों की क्षमता, ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव की दिशा में हो रहे प्रयासों की सराहना की।

मेडिटेशन सेंटर, आयुर्वेद केंद्र और गुरुकुलम की होगी व्यवस्था, वैदिक शिक्षा के साथ विज्ञान की भी होगी पढ़ाई : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» आर्ट ऑफ लिविंग और एससीईआरटी के बीच एमओयू पर बनी सहमति, जल्द पटना आएगी संस्था की टीम

पटना/बेंगलुरु। बिहार के शिक्षा क्षेत्र में नैतिक, संस्कारयुक्त और समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होने जा रही है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर से बिहार में एक ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना का अनुरोध किया है, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा को भी स्थान मिले।प्रस्तावित विश्वविद्यालय में मेडिटेशन सेंटर, आयुर्वेद केंद्र और गुरुकुलम की व्यवस्था होगी। यहां वैदिक शिक्षा के साथ विज्ञान की भी पढ़ाई कराई जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसे संस्थान की स्थापना से बिहार के विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, मानसिक संतुलन और जीवन-मूल्यों की सीख भी मिलेगी। बिहार महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होने के बाद सोमवार को शिक्षा मंत्री ने बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में श्री श्री रविशंकर से मुलाकात की। दोनों के बीच बिहार में शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, नैतिक शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने सहित विभिन्न विषयों पर लंबी बातचीत हुई। शिक्षा मंत्री ने श्री श्री से आग्रह किया कि जिस प्रकार विश्व के 180 देशों में उनके शिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं, उसी प्रकार बिहार में भी एक संस्थान स्थापित किया जाए। इससे बिहार के शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। वार्ता के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग और एससीईआरटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने पर सहमति बनी। इसके लिए आर्ट ऑफ लिविंग की टीम जल्द पटना आएगी और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। इस समझौते के तहत राज्य के सभी डायट (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) में आर्ट ऑफ लिविंग के पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण से शिक्षकों को रूबरू कराया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद शिक्षक नैतिक शिक्षा और जीवन-मूल्यों से जुड़े इन पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों तक पहुंचाएंगे। इसकी शुरूआत सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में स्थापित सभी मॉडल स्कूलों से की जाएगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से राज्य के अन्य सभी स्कूलों में भी इसे लागू किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों के व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। श्री तिवारी ने बताया कि हर शनिवार नो बैग डे पर सभी स्कूलों में आर्ट ऑफ लिविंग की गतिविधियों और नैतिक शिक्षा का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच नैतिक, बौद्धिक और संस्कारयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देना है।उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। श्री श्री रविशंकर ने पटना के आसपास आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से एक शैक्षिक एवं आध्यात्मिक केंद्र विकसित करने का आश्वासन दिया। इस केंद्र के माध्यम से गया, गोपालगंज, दरभंगा और भागलपुर पर विशेष फोकस रहेगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ने के बाद शिक्षा विभाग संस्था की विभिन्न गतिविधियों को अपनाएगा। इससे पहले गया स्थित बिपार्ड में संस्था की ओर से 1500 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब बिहार के सभी शिक्षकों को भी प्रशिक्षण देने की दिशा में काम किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने श्री श्री रविशंकर को बिहार के प्रमुख सिद्धपीठ थावे आने का न्योता भी दिया। श्री श्री रविशंकर ने अगले वर्ष बिहार आने की सहर्ष सहमति दी।

बेल्ट्रॉन डेटा एंट्री ऑपरेटर्स के प्रतिनिधिमंडल से सकारात्मक वार्ता, जल्द जारी होगा नोटिस

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रॉन) के माध्यम से चयनित डेटा एंट्री ऑपरेटर्स के प्रतिनिधिमंडल ने आज अभ्यर्थियों की समस्याओं एवं मांगों के समाधान को लेकर सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा से मुलाकात की। इस दौरान अभ्यर्थियों ने अपनी समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। बैठक में बेल्ट्रॉन के प्रबंध निदेशक श्री कौशल किशोर सहित विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री नीतीश मिश्रा ने अभ्यर्थियों की समस्याओं एवं उनकी मांगों को सहजता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों के साथ उनके समाधान की दिशा में आवश्यक विचार-विमर्श किया। नीतीश मिश्रा ने कहा कि युवाओं की आकांक्षाओं को अवसर में बदलना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार युवाओं के हितों की रक्षा, रोजगार के अवसरों के विस्तार और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।मंत्री ने अभ्यर्थियों से कहा कि सरकार उनके विषय को लेकर सकारात्मक है और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द इस संबंध में आवश्यक नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया में तेजी लाते हुए अभ्यर्थियों से जुड़े विषय पर नियमानुसार समुचित एवं शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर सकारात्मक है तथा उनके हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाया जा रहा है। बेल्ट्रॉन के माध्यम से चयनित 4,808 अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक सकारात्मक रही। बैठक में अभ्यर्थियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर सहमति बनी।

रामफल मंडल जैसे महापुरुषों के सपनों का बिहार बनाएं : निशांत

नई सोच एक्सप्रेस

» निशांत की पहल और सम्राट की तत्परता से मिला राजकीय समारोह का दर्जा : उमेश

» नीतीश कुमार ने रामफल मंडल के आदर्शों को आत्मसात कर समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ाया : श्रवण

» रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह का दर्जा मिलना गौरव का विषय : शीला

» नीतीश कुमार ने महापुरुषों और अपने पुरखों को सम्मान देने की परंपरा को आगे बढ़ाया : रामवचन राय

पटना। सोमवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह का दर्जा दिए जाने पर भव्य आभार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री निशांत, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री श्रवण कुमार एवं मंत्री शीला मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री शीला मंडल ने की, जबकि संचालन विधायक प्रो ललित नारायण मंडल ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधान परिषद के उपसभापति प्रो. रामवचन राय, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधायक रामानंद मंडल, विधायक शुभानंद मुकेश, विधान पार्षद ललन प्रसाद, ई. शैलेन्द्र मंडल सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नेताओं एवं गणमान्यजनों ने अमर शहीद रामफल मंडल के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके अदम्य साहस, त्याग और देशभक्ति को स्मरण किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि बीते दिनों मुझे अमर शहीद रामफल मंडल जी के पैतृक गाँव जाने का अवसर मिला। वहाँ स्थानीय लोगों से बातचीत के दौरान मैंने रामफल मंडल के अदम्य साहस, त्याग और वीरता की गाथा को करीब से सुना। उसी दौरान गर्दनीबाग में कुछ साथी रामफल मंडल जी के शहादत दिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि मैंने वहाँ की जनता की भावनाओं और उनकी मांग से मुख्यमंत्रीसम्राट चैधरी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए तत्काल अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की घोषणा की। इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति हृदय से आभार है। निशांत कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार ने न्याय के साथ विकास की नीति के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को आगे बढ़ाने का काम किया है। उमेश सिंह कुशवाहा ने अमर शहीद रामफल मंडल के चरणों में कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि मात्र 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने हँसते-हँसते देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह का दर्जा दिलाने में स्वास्थ्य मंत्री निशांत की महत्वपूर्ण पहल रही है। गर्दनीबाग में इस मांग को लेकर अनशन कर रहे साथियों से निशांत मिले थे और उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष इस मांग को रखने का आश्वासन दिया था। श्रवण कुमार ने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल हमारे महान सपूत थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जंग छेड़ते हुए हँसते-हँसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। हम सबके नेता नीतीश कुमार ने रामफल मंडल के आदर्शों को आत्मसात कर समाज के सभी वर्गों के लिए काम किया और वंचित, शोषित एवं उपेक्षित लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। मंत्री शीला मंडल ने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह का दर्जा मिलना हम सभी के लिए गौरव का विषय है।

मखाना खेती को आधुनिक व्यावसायिक मॉडल के रूप में विकसित करना सरकार का लक्ष्य : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के मखाने को वैश्विक पहचान दिलाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं विपणन तक पूरी व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। मिथिला मखाना को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा मखाना की वैज्ञानिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा ह्यमखाना विकास योजनाह्व को नए स्तर पर लागू किया जा रहा है। कृषि मंत्रीविजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना बिहार का गौरव और हमारी सांस्कृतिक पहचान है। राज्य सरकार का लक्ष्य मखाना की खेती को पारंपरिक मॉडल से आगे बढ़ाकर आधुनिक एवं व्यावसायिक मॉडल के रूप में स्थापित करना है। किसानों को बेहतर बीज, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि बिहार का मखाना दुनिया के हर कोने तक पहुंचे और किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके।उन्होंने बताया कि वैश्विक बाजार में सुपरफूड के रूप में अपनी पहचान बना चुके मखाने के कुल उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत से अधिक है। ह्यमखाना विकास योजनाह्व के तहत राज्य के 21 मखाना उत्पादक जिलों में वैज्ञानिक पद्धति से मखाना उत्पादन एवं आधुनिक प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए विशेष अनुदान दिया जा रहा है।इन जिलों में दरभंगा, मधुबनी, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा, सुपौल, किशनगंज, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया, खगड़िया, समस्तीपुर, भागलपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं पटना शामिल हैं।कृषि मंत्री ने बताया कि मखाना के नए क्षेत्रों में विस्तार एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लागत का 75 प्रतिशत तक प्रत्यक्ष अनुदान दिया जा रहा है। अनुदान की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में उपलब्ध कराई जा रही है।उन्होंने बताया कि क्षेत्र विस्तार एवं उन्नत बीज वितरण के तहत पारंपरिक तालाब प्रणाली के साथ-साथ खेत प्रणाली में भी मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को उच्च उपज देने वाली उन्नत प्रजातियों ह्यसबौर मखाना-1ह्व एवं ह्यस्वर्ण वैदेहीह्व के गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

IGIMS पटना में पहली बार TAVI प्रक्रिया सफल, हृदय चिकित्सा में बड़ी उपलब्धि

पटना। इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (IGIMS) में पहली बार ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (TAVI) प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ इंटरवेंशन कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रवि विष्णु प्रसाद के नेतृत्व में यह प्रक्रिया 77 वर्षीय मरीज पर की गई, जो गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस के साथ COPD सहित कई बीमारियों से पीड़ित थे। मरीज की हार्ट पंपिंग क्षमता भी कम थी और LVEF करीब 30 प्रतिशत था। प्रक्रिया के दौरान 24.5 एमएम MyVal ट्रांसकैथेटर हार्ट वाल्व को कैथेटर के माध्यम से सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया। TAVI ओपन-हार्ट सर्जरी की तुलना में कम आक्रामक उपचार पद्धति है, जिसमें कैथेटर के जरिए खराब एओर्टिक वाल्व के स्थान पर नया वाल्व लगाया जाता है। IGIMS में पहली TAVI प्रक्रिया की सफलता से बिहार और आसपास के क्षेत्रों में गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस से पीड़ित मरीजों के लिए उन्नत वाल्व उपचार की सुविधा उपलब्ध होने की राह मजबूत हुई है। डॉ. रवि विष्णु प्रसाद ने इसे बिहार में एडवांस्ड कार्डियक केयर की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

एक ही दिन दुष्कर्म की चार घटनाएं, महिला सुरक्षा पर सवाल : डॉ. पटेल

फतुहा। बिहार में एक ही दिन दुष्कर्म की चार घटनाओं की खबरों पर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मधेपुरा में एक ही परिवार की तीन लड़कियों के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और सीतामढ़ी में मेला देखने गई किशोरी के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। डॉ. पटेल ने कहा कि सरकार 'जीरो टॉलरेंस' की बात करती है, लेकिन अपराध की रोकथाम के लिए प्रभावी पुलिसिंग जरूरी है। महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सरकार की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच निष्पक्ष हो, पीड़िताओं को सुरक्षा मिले और दोषियों को कानून के तहत कठोर सजा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से सवाल किया कि 'जीरो टॉलरेंस' केवल बयानों तक रहेगा या जमीन पर भी दिखाई देगा। डॉ. पटेल ने कहा कि बिहार की जनता को अब आश्वासन नहीं, परिणाम चाहिए। अपराध और भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगा तो बिहार से भाजपा की विदाई तय है।

एक्सिस बैंक ने एराईज होमकमिंग पहल शुरू की

» विदेशों में पढ़े भारतीय टैलेंट को भारत में मौकों से जोड़ना उद्देश्य

पटना। एक्सिस बैंक ने एराईज होमकमिंग पहल शुरू करने की घोषणा की। यह प्रोग्राम उन भारतीय छात्रों के लिए है जो विदेश की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई कर रहे हैं या जिन्होंने हाल ही में अपनी पढ़ाई पूरी की है और साथ ही उन प्रोफेशनल्स के लिए भी है जिनके पास दो साल तक का इंटरनेशनल वर्क एक्सपीरियंस है। बैंक की हायरिंग पॉलिसी को भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए यह प्रोग्राम अलग-अलग डिग्री, विषयों और संस्थानों के कैंडिडेट्स का स्वागत करता है, जिसमें स्किल्स, क्षमता और रोल के लिए उपयुक्तता पर खास जोर दिया जाता है। एक्सिस बैंक के ग्रुप हेड- ह्यूमन रिसोर्स, राजकमल वेम्पति ने कहा कि आज करियर का आकार मुख्य रूप से पसंद, मकसद और असर डालने के मौकों से तय होता है। अराइज होमकमिंग के जरिए हम विदेश में शिक्षा पाने वाले भारतीय टैलेंट के लिए बैंक में संतोषजनक करियर बनाने का रास्ता बना रहे हैं। बता दें साल 2025 में लगभग 12.54 लाख भारतीय छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे थे। ये छात्र ग्लोबल अनुभव और अलग-अलग नजरिए वाले टैलेंट का एक बड़ा समूह हैं। जैसे-जैसे भारत तेजी से बढ़ते बाजार के तौर पर उभर रहा है, यह प्रोग्राम इस टैलेंट को देश में आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के अगले चरण में हिस्सा लेने का मौका देता है।

अमिताभ बच्चन ने जेन ज़ी के जीवन के प्रति ताज़गी भरे नज़रिए पर साझा किए विचार

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कौन बनेगा करोड़पति 18 अमिताभ बच्चन की गहरी बातचीत और विचारों को दर्शकों तक पहुंचा रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में उन्होंने आज की जेन ज़ी पीढ़ी के जीवन के प्रति ताज़गी भरे नज़रिए की सराहना की। अमिताभ बच्चन ने कहा कि जेन ज़ी ज़िंदगी के परफेक्ट होने का इंतज़ार नहीं करती, बल्कि उसे जीते हुए आनंद लेती है। यह पीढ़ी रोज़मर्रा के छोटे-छोटे पलों में भी खुशी ढूंढती है और जीवन को जैसा है, वैसे ही अपनाती है। उन्होंने कहा, इनको खुश रहने के लिए भी कोई बड़ी वजह नहीं चाहिए। ये उन लोगों में से नहीं हैं जो ज़िंदगी के परफेक्ट होने का इंतजार करते हैं, बल्कि ये कहते हैं कि ज़िंदगी को सिर्फ़ हासिल नहीं करना है, उसे एन्जॉय भी करना है। कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 18 हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:00 बजे, सिर्फ़ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर।

स्मिथ एंड जोन्स ने रसिका दुगल के साथ नया अभियान किया लांच

पटना। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अपने पास्ता मसाला के लिए एक नया टीवीसी लांच किया है, जिसमें मशहूर अभिनेत्री रसिका दुगल नजर आ रही हैं। रोजमर्रा के स्कूल टिफिन से जुड़ा यह अभियान, एक ऐसा लंच बॉक्स तैयार करने की खुशी को दर्शाता है जिसका बच्चे बेसब्री से इंतजार करते हैं और जिसे अपने दोस्तों के साथ शेयर करना पसंद करते हैं। आज की माताएं हमेशा बच्चों के खाने को रोमांचक और नया बनाने के नए-नए तरीकों की तलाश में रहती हैं। स्मिथ एंड जोन्स कुछ नया बनाने की इस उलझन और अनिश्चितता को पूरी तरह खत्म कर देता है। अभियान के बारे में बात करते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में प्रेसिडेंट- पैकेज्ड फूड्स, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल, सुश्री दीपिका भान ने कहा कि हर मां स्कूल का दिन खत्म होने पर एक ही उम्मीद करती है कि बच्चे का टिफिन खाली वापस आए। स्मिथ एंड जोन्स में हमारा उद्देश्य है कि हम बच्चों के लिए बेहद स्वादिष्ट पास्ता पेश करके माताओं के इस काम को थोड़ा आसान बना सकें, जिसे बच्चे सचमुच पसंद करें। यह अभियान स्कूल के लंच-ब्रेक के उन रोजमर्रा के पलों से प्रेरित है, जिन्हें हममें से कई लोग बड़े प्यार से याद करते हैं—जहां दोस्त आपस में खाना शेयर करते हैं और लंच टेबल पर खूबसूरत यादें संजोते हैं।

रविवार ग्रैंड तीज महोत्सव में फैशन शो, नृत्य और संगीत ने बांधा समां

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।महाराजा कामेश्वर कॉम्प्लेक्स स्थित एलिना रिसॉर्ट में आयोजित ग्रैंड तीज महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। तीज के पारंपरिक उत्सव को आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में फैशन शो, नृत्य और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम बहुरानी साड़ी कंपनी के स्वामी निशा डिडवानिया और कुमारी रूबी के द्वारा प्रायोजित था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सारिका के. चौहान, निदेशक, नींव फाउंडेशन थीं। वहीं विशेष अतिथि रेखा सिंह, मुखिया, मोतीराजपुर, छपरा ने अपनी उपस्थिति से समारोह की गरिमा बढ़ाई। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। तीज महोत्सव के दौरान आयोजित फैशन शो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों और आकर्षक रूप-सज्जा के साथ मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। तीज की पारंपरिक संस्कृति, सौंदर्य और आधुनिक फैशन का सुंदर मेल दर्शकों को खूब पसंद आया। इसके साथ ही नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. सुनंदा केशरी, निदेशक, स्टडी प्लस तथा स्वाति प्रिया, जो लंदन से विशेष रूप से आई थीं, ने निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, आत्मविश्वास, वेशभूषा, व्यक्तित्व और मंचीय प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा होते ही प्रतिभागियों और दर्शकों में उत्साह देखने को मिला। तीज क्वीन का खिताब मोना और कीर्ति ने अपने नाम किया। वहीं प्रथम उपविजेता का खिताब पूजा और माधुरी को मिला। द्वितीय उपविजेता के रूप में मालिका और दिव्या चुनी गईं। जबकि तृतीय उपविजेता का सम्मान प्रीति और अलीशा को प्राप्त हुआ।.विजेताओं को सम्मानित करते हुए अतिथियों और निर्णायकों ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं। तीज जैसे पारंपरिक पर्व को सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैशन और मनोरंजन के साथ जोड़कर मनाना हमारी समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सुंदर माध्यम है। पूरे कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक श्रृंगार, संगीत और नृत्य से सजा एलिना रिसॉर्ट का वातावरण पूरी तरह तीजमय नजर आया। एम पी जैन बताया की कार्यक्रम के अंत में विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं और आयोजकों ने सफल आयोजन के लिए अतिथियों, निर्णायकों तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजभाषा पखवाड़ा के अवसर पर मुख्यालय, हाजीपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में राजभाषा पखवाड़ा-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया जा रहा है । इसी कड़ी में आज मुख्यालय के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महाप्रबंधक (राजभाषा) केशव त्रिपाठी ने किया । उन्होंने सभी से अपना अधिकतम कार्य हिंदी में करने को कहा । उनका कहना था कि राजभाषा पखवाड़ा का अवसर आत्मविश्लेषण का भी है कि हम सभी हिंदी को अपने जीवन में उतारें । उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों से राजभाषा नीति, नियम और अधिनियम के साथ संविधान में राजभाषा के लिए वर्णित विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने राजभाषा के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला और राजभाषा की लंबी यात्रा एवं उसके विकास को रेखांकित किया । कार्यक्रम का संचालन करते हुए राजकिशोर सिंह, वरि. अनुवादक ने उपस्थित कर्मचारियों से हिंदी वर्तनी संबंधी सामान्य त्रुटियों के संबंध में विस्तार से कर्मचारियों को अवगत कराया गया । कार्यक्रम के अंत में श्री विनय कृष्ण, वरि. अनुवादक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

विकट परिस्थिति में बाढ़ के पानी के बीच रह रहे दियारा बासियो के बीच वितरित किया गया खाद्य सामग्री

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।सोमबार को विकट परिस्थिति में बाढ़ के पानी के बीच रह रहे दियारा बासियो के बीच मुखिया और समाजसेवी द्वारा वितरित किया गया खाद्य सामग्री. दियारा के आधा दर्जन पंचायत जलमग्न हो गए हैं,इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है खेत खलिहान डूबने के बाद लोगों के घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है.ऐसे में इंसान से लेकर जानवर तक में त्राहिमाम मचा हुआ है. ऐसी स्थिति पिछले एक सप्ताह से बनी हुई है. दियारा में लोग घरों के छठ के ऊपर खुले आसमान में रहने को दिवस है.उनकी परेशानी उस वक्त और बढ़ जा रही है जब बारिश होने लगता है. हजारों की आबादी के घरों में चूल्हे नहीं जल रहे हैं. लोग सुखा भोजन कर दिन-रात गुजर रहे हैं. इस विपरीत परिस्थिति में सामाजिक कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि अपने स्तर से राहत सामग्री का वितरण कर रहे हैं. हेतनपुर पंचायत के युवा समाजसेवी अमरेंद्र कुमार सिंह द्वारा एक नाव भरकर 5000 परिवारों के बीच ब्रेड, बिस्किट,माचिस, मोमबत्ती, दवा आदि का वितरण किया गया. वहीं कासिम पंचायत के मुखिया विनोद यादव द्वारा भी एक नाव भरकर अपने पंचायत के लोगों के बीच चूड़ा -गुर आदि का वितरण किया गया. वहीं बिहार क्षेत्र में रह रहे लोगों को सरकारी स्तर पर किसी तरह का राहत सामग्री नहीं मिलने से नाराज दिखे.

पर्यूषण महापर्व आज से, आत्मशुद्धि और संयम की आराधना में जुटे जैन श्रद्धालु

नई सोच एक्सप्रेस

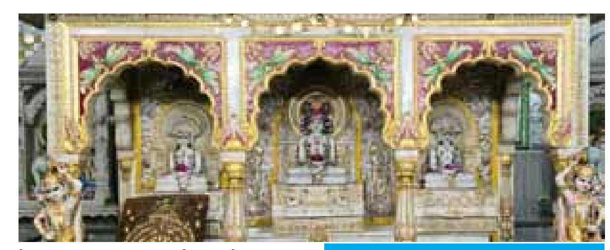

» अहमदाबाद से पधारे तीन श्रेणिकभाई कराएंगे आठ दिनों तक विशेष आराधना, प्रतिदिन होंगे प्रवचन

पटना। श्वेतांबर जैन समाज का पावन आठ दिवसीय पर्यूषण महापर्व मंगलवार से श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में शुरू हो गया। पर्व को लेकर बाकरगंज स्थित जैन मंदिर और पटना सिटी स्थित विशाल नाथस्वामी जैन मंदिर में विशेष तैयारियां की गई हैं। आठ दिनों तक दोनों मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, विशेष आराधना और प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। पर्यूषण महापर्व के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अहमदाबाद से तीन श्रेणिकभाई (गुरु महाराज के शिष्य) विशेष रूप से पटना पहुंचे हैं। उनके साथ काव्य शाह भी आए हैं। श्रेणिकभाइयों द्वारा प्रतिदिन श्रद्धालुओं को धार्मिक आराधना कराई जाएगी। वहीं काव्य शाह और श्रेणिकभाइयों के प्रवचन भी होंगे। जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भरतभाई मेहता ने बताया कि पर्यूषण महापर्व जैन समाज के लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, तप और आत्मावलोकन का पर्व है। यह पर्व श्रद्धालुओं को अपने भीतर झांकने, आत्मचिंतन करने तथा जीवन में सदाचार और संयम अपनाने की प्रेरणा देता है। अहमदाबाद से आए श्रेणिकभाइयों के प्रवचन और विशेष धार्मिक आराधना को लेकर जैन धर्मावलंबियों में खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। समाज के पंकजभाई कोठारी ने बताया कि पर्यूषण महापर्व का समापन 15 सितंबर, मंगलवार को क्षमापना पर्व के साथ होगा। इस अवसर पर जैन समाज के लोग एक-दूसरे से क्षमा मांगकर आपसी प्रेम, सद्भाव और मैत्री का संदेश देंगे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए डेंगू से बचाव का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

फुलवारी शरीफ।बरसात के मौसम में डेंगू के बढ़ते खतरे को देखते हुए सर्वमंगला सांस्कृतिक मंच की ओर से लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। मंच की साप्ताहिक नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के तहत वाल्मी, फुलवारी शरीफ में 'डेंगू से बचें' नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक का लेखन महेश चौधरी ने किया, जबकि निर्देशन मिथिलेश कुमार पांडे ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सौरभ के स्वरबद्ध गीत 'मच्छर से टक्कर लेना है, मच्छरदानी में ही सोना है, गंदा पानी हटाएंगे, मच्छरों को हराएंगे, डेंगू दूर भगाएंगे...' से हुई। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से लोगों को डेंगू के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। नाटक में बताया गया कि बरसात के दौरान घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। डेंगू फैलाने वाला एडिस मच्छर दिन में भी काटता है, इसलिए लोगों को पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने और मच्छर भगाने वाली क्रीम तथा मच्छरदानी का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। साथ ही खिड़कियों पर जाली लगवाने और मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को समाप्त करने का संदेश दिया गया। कलाकारों ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में भी पनप सकता है। इसलिए कूलर, गमले, गड्ढे और अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। पानी की टंकियों को ढककर रखने तथा जलजमाव वाले स्थानों पर उचित तरीके से नियंत्रण के उपाय करने की अपील की गई। नाटक के दौरान डेंगू के लक्षणों की भी जानकारी दी गई। कलाकारों ने बताया कि तेज बुखार, सिर और बदन में दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, जी मिचलाना और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए और अस्पताल जाना चाहिए। लोगों को स्वास्थ्य विभाग की हेल्पलाइन 104 पर संपर्क कर अधिक जानकारी लेने की भी अपील की गई। इस अवसर पर कलाकार महेश चौधरी, मिथिलेश कुमार पांडे, कामेश्वर प्रसाद, सौरभ, अमन, करण, अद्विक आदित्य, आध्या, देव दर्शन, अंजनी कुमार वर्मा, पिंकी कुमारी एवं किरण कुमारी ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को जागरूक किया।

सैमसंग गैलेक्सी टैब एस10+ पर फेस्टिव ऑफर, कीमत 88,999 रुपये से शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सैमसंग ने त्योहारों से पहले अपने फ्लैगशिप टैबलेट गैलेक्सी टैब एस10+ पर विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। यह टैबलेट काम, रचनात्मकता और मनोरंजन के साथ स्मार्ट होम कंट्रोल के लिए डिजाइन किया गया है। गैलेक्सी टैब एस10+ में 31.47 सेमी का डायनैमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले, एंटी-रिफ्लेक्टिव तकनीक, एस पेन और एआई आधारित फीचर्स दिए गए हैं। इसमें नोट असिस्ट, पीडीएफ ओवरले ट्रांसलेशन, हैंडराइटिंग हेल्प और गूगल का सर्किल टू सर्च जैसे फीचर शामिल हैं। टैबलेट में चार स्पीकर, IP68 रेटिंग और आर्मर एल्युमीनियम बॉडी भी दी गई है। डिवाइस में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9300+ प्रोसेसर, 12GB रैम, 256GB स्टोरेज, 10090mAh बैटरी और 45W फास्ट चार्जिंग है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड के जरिए बढ़ाया जा सकता है। त्योहारी कीमतेंः गैलेक्सी टैब एस10+ वाई-फाई 12/256GB की कीमत 1,05,999 रुपये से घटाकर 88,999 रुपये, जबकि 5G 12/256GB मॉडल की कीमत 1,20,999 रुपये से घटाकर 1,03,999 रुपये रखी गई है। ग्राहकों को बैंक और एनबीएफसी के जरिए बिना ब्याज वाली ईएमआई का विकल्प भी मिलेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सफल स्तनपान के दस कदमों पर एम्स पटना में राष्ट्रीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना में सोमवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन के सफल स्तनपान के दस कदमों पर मातृत्व स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए परामर्श आधारित कौशल प्रशिक्षण" विषय पर चार दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कोर्स का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम एम्स पटना के बाल रोग विभाग और ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया यानी बीपीएनआई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 7 से 10 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि स्तनपान बच्चे के लिए पहला टीका है और जीवन भर के स्वास्थ्य की नींव है। उन्होंने कहा कि एम्स पटना अस्पताल को बेबी-फ्रेंडली हॉस्पिटल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि संस्थागत प्रसव की दर अधिक होने के बावजूद शीघ्र स्तनपान शुरू करने की प्रथा को और अधिक अपनाने की जरूरत है। कोर्स निदेशक डॉ. के. केसावलु, बीपीएनआई प्रशिक्षण समन्वयक ने कोर्स के उद्देश्यों को साझा किया और बताया कि बिहार में वर्तमान में शीघ्र स्तनपान शुरू करने की दर 51% है, जिसे हम 100% तक ले जाने की उम्मीद करते हैं। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय आईवाईसीएफ प्रशिक्षक डॉ. सुनीता कात्यायन, रांची और मनीष कुमार, पटना द्वारा संचालित किया जा रहा है।

शिक्षा व कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अर्चना कुमारी सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।शिक्षक दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने शिक्षा एवं कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अर्चना कुमारी को सम्मानित किया। अर्चना कुमारी ने पटना विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय से 2013 में बीएफए की उपाधि प्रथम स्थान से प्राप्त की। इसके बाद शांतिनिकेतन से छापा कला विषय में 2015 में एमएफए की उपाधि प्रथम श्रेणी में हासिल की। वर्ष 2020 में उन्होंने NTA-NET में जेआरएफ प्राप्त किया। उन्हें राष्ट्रीय ललित कला अकादमी, नई दिल्ली की गढ़ी छात्रवृत्ति तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की 'युवा कलाकार' छात्रवृत्ति भी मिल चुकी है। शिक्षक एवं चित्रकार के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय कला प्रदर्शनियों में भाग लेने के साथ विभिन्न कला एवं शिक्षण कार्यक्रमों में निर्णायक की भूमिका निभाई है। उन्हें वैशाली जिले में 2024 और 2025 में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से भी नवाजा गया। अर्चना कुमारी अब तक 20 से अधिक राष्ट्रीय व प्रदेशस्तरीय कला प्रदर्शनियों में भाग ले चुकी हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका केके कृष्णा, शिक्षक अशोक कुमार, दीपक कुमार सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगियों ने उन्हें बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

भगवती सिंह मेमोरियल बीएड महाविद्यालय चांद प्रथम वर्ष के छात्रों ने किया बेहतर प्रदर्शन

» डायरेक्टर ई. धीरज कुमार एवं शिक्षक अजीत कुमार ने दी बधाई

भभुआ।भगवती सिंह मेमोरियल बी०एड० महाविद्यालय जिगना चांद बी०एड० प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत रहा।तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है।परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राएँ क्रमशः निष्ठा कुमारी: 81.23%,अनिल कुमार: 81.23% नीतू कुमारी: 80.92% पूनम कुमारी: 80.9% नीतीश 80.00% प्रतिभा कुमारी 79.00% आदि छात्रों की इस शानदार सफलता पर महाविद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर महाविद्यालय के डायरेक्टर इंजीनियर धीरज कुमार सिंह एवं शिक्षक अजीत कुमार सिंह ने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्रा को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है।

मकान पर कब्जा और सामान नहीं लौटाने का आरोप, कार्रवाई की मांग

समस्तीपुर। जिले के आदर्शनगर मोहल्ले की रहने वाली कामिनी कुमारी ने एक मकान पर कब्जा करने तथा घर में रखे सामान को नहीं लौटाने का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि जब वह आदर्शनगर स्थित मकान पर पहुंचीं तो पाया कि उनके द्वारा लगाए गए ताले की जगह नया ताला लगा दिया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि उदय कुमार एवं कुछ अन्य लोगों ने घर में ताला लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त मकान के निर्माण और साज-सज्जा पर उन्होंने लगभग 15 लाख रुपये खर्च किए हैं। इसके अलावा घर में रखे सामान की कीमत भी करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। पीड़िता का कहना है कि मकान और जमीन को अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाए जाने के बाद विवाद उत्पन्न हुआ। आरोप है कि बाद में उन्हें मकान और उसमें रखे सामान से भी वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मकान और सामान वापस मांगने पर भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली। उन्होंने उक्त आशय से संबंधित शिकायती आवेदन 3 सितंबर को मुफस्सिल थानाध्यक्ष को लेकर उचित कार्रवाई का संकेत नहीं मिला। पीड़ित कामिनी कुमारी ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित पक्ष को मकान और घर में रखे सामान वापस करने का निर्देश दिया जाए। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। इस संबंध में आवेदन की प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक दरभंगा प्रक्षेत्र, पुलिस महानिदेशक बिहार, पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समस्तीपुर को भी भेजी गई है। पीड़िता ने कहा कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप करे, ताकि उनकी संपत्ति और सामान की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

रात्रि गश्ती में रहिका पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की बाइक व देशी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

मधुबनी/बिहार।रहिका थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती एवं सघन चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध देशी कट्टा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रहिका थाना क्षेत्र के सुगौना कतराही टोल निवासी नवीन कुमार पासवान और ककरौल निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 06/07 सितंबर की देर रात करीब 2:45 बजे गुप्त सूचना मिली कि खैरी से खरौआ जाने वाले रास्ते पर एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक तेजी से जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी और पूछताछ के दौरान उनके पास से बिना नंबर प्लेट की काले रंग की यामाहा मोटरसाइकिल बरामद हुई। बाइक के संबंध में दोनों कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस के मुताबिक, कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि पिछले माह रहिका से ककरौल जाने वाले रास्ते में एक नाश्ते की दुकान के पास से उक्त मोटरसाइकिल चोरी की थी। पहचान छिपाने के लिए बाइक की नंबर प्लेट खोलकर आग में जला देने की बात भी बताई। पुलिस ने मोटरसाइकिल की विधिवत तलाशी ली तो उसकी सीट से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम करने के उद्देश्य से वे देशी कट्टा अपने पास रखते थे।इस मामले में रहिका थाना में कांड संख्या 254/26, दिनांक 07 सितंबर 2026 के तहत बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बरामद एक देशी कट्टा और चोरी की एक मोटरसाइकिल जब्त कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

रोटी बैंक जयनगर व महिला विकास मंच मधुबनी की अनूठी पहल, रक्तदान के साथ 200 मरीजों की निःशुल्क नेत्र जांच

नई सोच एक्सप्रेस

» एसएसबी कमांडेंट राजेंद्र कुमार बोले—रक्तदान मानवता का सबसे बड़ा दान

मधुबनी/बिहार।जयनगर रोटी बैंक एवं महिला विकास मंच मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में मीरा आई क्लीनिक, मधुबनी के सहयोग से मारवाड़ी विवाह भवन में निःशुल्क नेत्र जांच, चश्मा, दवा एवं परामर्श शिविर तथा सदर अस्पताल मधुबनी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीमावर्ती क्षेत्र के लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान करीब 40 लोगो ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जबकि करीब 200 मरीजो की निःशुल्क नेत्र जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श, दवा एवं चश्मा उपलब्ध कराया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन एसएसबी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार, द्वितीय कमांडेंट हरेंद्र सिंह, सदर अस्पताल मधुबनी के चिकित्सक डॉ. अरशद, रोटी बैंक के लक्की राउत, महिला विकास मंच की जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी एवं मनीष कुमार दीपशिखा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन के अवसर पर एसएसबी कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में प्रशासन, सामाजिक संगठनो और युवाओं की ओर से रक्तदान की पहल मानवता की भावना को मजबूत करती है। रक्तदान ऐसा दान है, जिसका कोई मूल्य नहीं लगाया जा सकता। किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त जरूरतमंद के शरीर में पहुंचकर उसके जीवन की नई उम्मीद बनता है। उन्होंने कहा कि रक्त का निर्माण कृत्रिम रूप से नहीं किया जा सकता, इसलिए जरूरत के समय रक्त उपलब्ध कराने के लिए समाज के लोगों को आगे आना चाहिए।उन्होंने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति चिकित्सकीय मानको के अनुसार निर्धारित अंतराल पर नियमित रूप से रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को जीवन बचाने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र में जब भी किसी जरूरतमंद को रक्त की आवश्यकता होती है, सामाजिक संगठनो के माध्यम से यथासंभव तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। कमांडेंट ने निःशुल्क नेत्र जांच शिविर की भी सराहना करते हुए कहा कि जयनगर जैसे सीमावर्ती शहर में इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की ऐसी पहल वर्तमान समय में अमृत के समान है।शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव कुमार के नेतृत्व में करीब 200 मरीजो की आंखो की जांच की गई। जांच के बाद मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा चश्मा और दवाएं उपलब्ध कराई गई। निःशुल्क दवा वितरण से भी मरीजों को काफी राहत मिली।रक्तदान शिविर में कुल 35 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदाताओं द्वारा संग्रहित रक्त को मधुबनी स्थित सरकारी सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में भेजा जाता है। रक्तदान करने वाले सभी दाताओं को ब्लड बैंक की ओर से डोनर कार्ड जारी किया जाता है।कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटी बैंक एवं महिला विकास मंच के दर्जनों सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संगठन के सदस्य सुबह से ही शिविर में मौजूद रहे और मरीजो की सेवा, पंजीकरण, जांच एवं अन्य व्यवस्थाओ में सक्रिय रूप से सहयोग करते रहे।आयोजको ने कहा कि रक्तदान करे, आपका दिया हुआ रक्त किसी जरूरतमंद के शरीर में जीवन बनकर दौड़ेगा। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर को स्थानीय लोगो का भी अच्छा सहयोग मिला।

मासिक पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ पतौना पहाड़ मुसहरी टोला से

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।समग्र सेवा, स्वास्थ्य विभाग बरहट एवं बाल विकास परियोजना बरहट के संयुक्त तत्वावधान में बरहट प्रखंड के 20 महादलित मुसहरी टोला,भीमबाँध, गुरमाहा,चोरमारा सहित विभिन्न टोलों में दिनांक 7 से 22 सितंबर तक मासिक पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा, ताकि हर बच्चे और माँ को कुपोषण से बचाया जा सके।इस अभियान का समापन 22 सितंबर 2026 को जिला मुख्यालय स्थित समग्र सेवा परिसर में संस्था के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर किया जाएगा।इस कार्यक्रम के प्रमुख लाभार्थी ग्रामीण महिला-पुरुष,गर्भवती माताएं,धात्री माताएं, किशोरियां एवं 3 से 5 साल के बच्चे हैं।कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फल,सब्जियां एवं मोटे अनाज की प्रदर्शनी लगाई गई। समग्र सेवा की टीम ने महुआ, तीसी, मड़ुआ, कुर्थी जैसे स्थानीय अनाजों की उपयोगिता और फायदे बताकर इन्हें दैनिक खान-पान में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए मोटे अनाज, सही खान-पान और विशेष देखभाल की जरूरत पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार एवं स्वास्थ्य प्रबंधक जूही अलका ने ग्रामीणों को जागरूक किया और कहा कि हर बीमारी का इलाज केवल दवा ही नहीं है, बल्कि निरंतर संतुलित खानपान, स्वच्छता की आदतों और समय-समय पर जांच से हम बीमार होने से बच सकते हैं।महिला पर्यवेक्षिका ने गर्भवती माताओं,धात्री माताओं और किशोरियों में खून की कमी को दूर करने के उपाय बताए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 22 किशोरियों, 5 धात्री माताओं और 3 गर्भवती माताओं की एनीमिया जांच कर परामर्श दिया। साथ ही 3 से 5 साल के 31 बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापकर माताओं को पोषण परामर्श दिया गया। अन्य लाभार्थियों की भी स्वास्थ्य जांच की गई। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन बरहट प्रखंड प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार,मैनेजर जूही अलका एवं जमुई की बेटी लक्ष्मी भार्गव ने किया, जिन्होंने मिस टीन हिस्पानो अमेरिकाना 2026 का खिताब जीतकर पूरे देश में जमुई का नाम रोशन किया है। लक्ष्मी भार्गव और उनकी माता ने बेटियों के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही और अपने जीवन के संघर्षों से किशोरियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान लक्ष्मी भार्गव को बुके देकर सम्मानित भी किया गया।संस्था कार्यकर्ता राजेश ने बताया कि 22 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से महादलित मुसहरी टोलों के लोगों में स्थानीय साग-सब्जी और मोटे अनाज की उपयोगिता बढ़ाकर पोषण और स्वास्थ्य दोनों में सकारात्मक परिवर्तन लाना लक्ष्य है।कार्यक्रम में सैकड़ों स्थानीय लोगों के अलावा संस्था कार्यकर्ता सौरभ,मिसा, खुशबू,दीपक,आस्तिक, अमित,अमरेश आदि उपस्थित थे।

जहानाबाद के गांधी मैदान में महीनों से बनकर तैयार डीलक्स शौचालय, चालू नहीं होने से नागरिक परेशान

नई सोच एक्सप्रेस

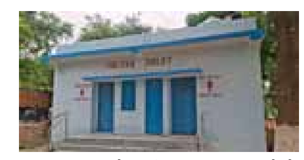

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। शहर के गांधी मैदान में लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया डीलक्स शौचालय कई महीनों से बनकर तैयार है, लेकिन अब तक इसे आम लोगों के लिए चालू नहीं किया गया है। शौचालय के बंद रहने के कारण गांधी मैदान में सुबह-शाम आने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए यह समस्या अधिक गंभीर बनी हुई है। गांधी मैदान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग सुबह और शाम टहलने, दौड़ने और विभिन्न प्रकार की प्रैक्टिस करने के लिए पहुंचते हैं। इनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। मैदान में शौचालय की सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद लोगों को थी लेकिन डीलक्स शौचालय का निर्माण पूरा होने के बावजूद इसके बंद रहने से लोगों की परेशानी दूर नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब शौचालय का निर्माण कई महीने पहले ही पूरा हो चुका है तो इसे अब तक चालू क्यों नहीं किया गया। लोगों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर किस कारण से तैयार शौचालय को बंद रखा गया है। लोगों का कहना है कि यदि इसे उपयोग में नहीं लाना था तो निर्माण पर खर्च करने का क्या औचित्य है। लंबे समय से बंद रहने के कारण लोगों को मजबूरी में इधर-उधर शौचालय की तलाश करनी पड़ती है। इससे सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बुजुर्गों को होती है। लोगों का कहना है कि शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर इस तरह की बुनियादी सुविधा का बंद रहना चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए डीलक्स शौचालय को जल्द से जल्द चालू कराया जाए। शौचालय को केवल शोपीस बनाकर छोड़ने के बजाय इसका वास्तविक लाभ नागरिकों को मिलना चाहिए।

53 ग्राम संगठनों से जुड़े 7,568 जीविका दीदी, समूहों को करीब 25 करोड़ रुपये का ऋण

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी।सुगौली नगर स्थित दीपक जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सीएलएफ अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के सदस्यों, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। आमसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा के साथ आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।सभा के दौरान संकुल के सचिव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। वहीं कोषाध्यक्ष ने आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। प्रखंड परियोजना प्रबंधक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि दीपक संकुल से कुल 53 ग्राम संगठन और 688 स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं। इन समूहों के माध्यम से 7,568 जीविका दीदियां जुड़ी हैं। सभी 688 स्वयं सहायता समूहों के बचत एवं ऋण खाते विभिन्न बैंकों के माध्यम से खोले गए हैं।उन्होंने बताया कि वित्तीय समावेशन के तहत बैंकों के माध्यम से समूहों से जुड़े सदस्यों को अब तक करीब 25 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिल रही है। आमसभा में जीविका के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा समूहों की गतिविधियों को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।कार्यक्रम में सभी ग्राम संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा संकुल की एंकर पर्सन रीना कुमारी, सामुदायिक समन्वयक रीता कुमारी एवं प्रियंका कुमारी, क्षेत्रीय समन्वयक श्वेता कुमारी, पीयूष राज, चांदनी कुमारी, ज्योति कुमारी, नीतू कुमारी, अंगद कुमार, छोटू कुमार, मास्टर बुक कीपर मुन्ना पंडित, क्लस्टर फैसिलिटेटर प्रतिभा कुमारी सहित सभी जीविका कैडर मौजूद रहे।

सातवें वेतनमान के लिए समरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री से की निर्णायक पहल की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री से बिहार में कार्यरत शिक्षकों को सातवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप पूर्ण वेतनमान देने की मांग की है। शिक्षक नेता ने शिक्षकों की मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि लगातार बढ़ती जिम्मेदारियों और महंगाई के दौर में शिक्षकों को सम्मानजनक एवं न्यायसंगत वेतनमान मिलना उनका अधिकार है। बीते 30 अगस्त को बिहार शिक्षक मंच के नेतृत्व में शिक्षकों द्वारा चलाया गया डिजिटल अभियान वैश्विक स्तर पर प्रथम स्थान पर ट्रेंड होना इस मांग की व्यापकता और शिक्षकों की मजबूत भावना का प्रमाण है। समरेंद्र बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि शिक्षकों की इस न्यायोचित और लंबे समय से लंबित मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए सातवें वेतनमान का लाभ देने की दिशा में शीघ्र पहल की जाए। इधर,बिहार शिक्षक मंच ने समरेंद्र सिंह के समर्थन के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि सातवें वेतनमान की लड़ाई में समरेंद्र सिंह का साथ शिक्षकों के संघर्ष को मजबूती प्रदान करेगा। इस मौके पर शिक्षक नेता जलालुद्दीन साहब,संजय यादव,सत्यनारायण साह,विनोद राय,हवलदार मांझी,अनुज यादव,इंद्रजीत महतो,निजाम अहमद,रणजीत सिंह,पीयूष तिवारी,जितेंद्र सिंह,पिंटू रंजन,सुभाष द्विवेदी,महेश बाबू चौधरी सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

फर्जी पासपोर्ट व अवैध वीजा गिरोह का पर्दाफाश, 62 पासपोर्ट के साथ चार गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

» रूस व खाड़ी देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखो की ठगी, पटना-कानपुर के एजेंटो से जुड़े तार

मधुबनी/बिहार।घोघरडीहा थाना पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट एवं अवैध विदेशी वीजा के गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से विभिन्न राज्यों व जिलों से निर्गत 62 मूल पासपोर्ट, एक मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन और पांच खाली डाक लिफाफे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य रूस व खाड़ी देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये लेते थे तथा टूरिस्ट वीजा के जरिए अवैध रूप से विदेश भेजने का नेटवर्क चला रहे थे।वरीय पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली। 6-7 सितंबर की मध्य रात्रि करीब दो बजे घोघरडीहा थाना पुलिस हनुमान चौक के पास रात्रि गश्ती एवं विशेष वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान शत्रुपट्टी की ओर से बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर अचानक बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। उनकी पहचान मो. इरशाद निवासी किसनीपट्टी और रफी अहमद निवासी शत्रुपट्टी के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके बैग से विभिन्न राज्यों एवं जिलों से जारी 62 मूल पासपोर्ट, पांच खाली रजिस्ट्री लिफाफे तथा दो मोबाइल फोन बरामद हुए।पूछताछ में मो. इरशाद ने पुलिस को बताया कि उसके पिता मो. आरजू ग्रामीण डाक सेवक मो. अदनान हुसैन के पते पर देश के अलग-अलग हिस्सों से विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर पासपोर्ट मंगवाते थे। इसके बाद इरशाद और रफी इन पासपोर्टों को पटना एवं कानपुर के एजेंटों मयंक और श्रवण तक पहुंचाते थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर कथित मुख्य सरगना मो. आरजू तथा डाककर्मी मो. अदनान हुसैन को भी उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।पुलिस के अनुसार पूछताछ में मो. आरजू ने बताया कि रूस में रहने के दौरान वह अंतरराष्ट्रीय एजेंटों के संपर्क में आया था। वर्ष 2024 से वह डाककर्मी की मिलीभगत से नौकरी का प्रलोभन देकर पासपोर्ट मंगाता था और प्रति पासपोर्ट करीब दो लाख रुपये लेकर लोगों को टूरिस्ट वीजा के जरिए अवैध रूप से विदेश भेजता था। साथ ही अन्य लोगों के नाम पर फर्जी पासपोर्ट एवं दस्तावेज तैयार कर विदेश भेजने का सिंडिकेट चलाने की बात भी सामने आई है। घोघरडीहा थाना पुलिस ने मामले में सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर चारों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की है। वहीं गिरोह से जुड़े पटना और कानपुर के एजेंटों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मो. इरशाद, पिता मो. आरजू, निवासी किसनीपट्टी; रफी अहमद, पिता सफी अहमद, निवासी शत्रुपट्टी; मो. आरजू, पिता मो. खलील, निवासी किसनीपट्टी तथा मो. अदनान हुसैन, पिता कमरे आलम, निवासी शत्रुपट्टी, थाना घोघरडीहा, जिला मधुबनी के रूप में हुई है। बरामद सामान में 62 पासपोर्ट, एक मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन और पांच डाक लिफाफे शामिल हैं।

रंगों में उकेरा प्रकृति संरक्षण का संदेश, बच्चो ने दिखाई अद्भुत रचनात्मकता

नई सोच एक्सप्रेस

» वन्यजीव एवं पौधो के संरक्षण पर छात्र-छात्राओं ने दिखाई रचनात्मकता

मधुबनी/बिहार।उत्क्रमित मध्य विद्यालय डामू, बासोपट्टी एवं जिला गंगा समिति 'नमामि गंगे', मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को वन्यजीव एवं पौधों के संरक्षण विषय पर छात्र-छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता तथा वन्यजीव एवं पौधों के महत्व को अपनी कल्पनाशीलता के माध्यम से रंग-बिरंगी पेंटिंग में उकेरा। बच्चों की कलाकृतियों में प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण का प्रभावी संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो. एहसान अहमद ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों की रचनात्मक क्षमता का विकास होने के साथ-साथ उनमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। विशिष्ट शिक्षिका सोनी कुमारी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा छात्र-छात्राओं को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई।डीपीओ नमामि गंगे आनंद अंकित ने कहा कि विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को जल, पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। वन्यजीव एवं पौधों का संरक्षण सभी की साझा जिम्मेदारी है। बच्चों द्वारा पेंटिंग के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश देना सराहनीय है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश अपने परिवार एवं समाज तक पहुंचाने की अपील की। प्रतियोगिता में प्रीति कुमारी ने प्रथम, ज्योति कुमारी ने द्वितीय तथा मरजीना खातून ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सफल प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक सिकंदर पासवान, पूनम कुमारी, सुभद्रा कुमारी, रविन्द्र कुमार मंडल सहित अन्य शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम के 127 विकास कार्यों की ई-निविदा जारी

» पूरे नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से जुड़ी निविदा में ज्यादा से ज्यादा संवेदकों को भागीदारी सुनिश्चित करने की महापौर ने की अपील

बेतिया। नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर 127 विकास योजनाओं की ई-निविदा जारी की गई है। नगर निगम से लगभग एक वर्ष पूर्व से पारित प्रस्ताव के तहत इन योजनाओं में सड़क, संपर्क पथ, नाला, पुलिया सहित जनसुविधा से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्य शामिल हैं। ई-टेंडरिंग के माध्यम से जारी निविदा के बाद अब योजनाओं के धरातल पर उतरने की उम्मीद बढ़ी है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि निर्धारित योजनाओं के पूरा होने से नगर निगम के सभी वार्डों में सार्वजनिक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि सड़क और जलनिकासी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन से आम नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा। महापौर ने सक्षम, इच्छुक और अनुभवी संवेदकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में निविदा प्रक्रिया में भाग लें, ताकि प्रतिस्पर्धी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से विकास कार्यों को गति दी जा सके।

दानापुर दियारा के बाढ़ प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर सह सामुदायिक किचन में बेहतर सुविधा उपलब्ध

दानापुर। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और दानापुर दियारा क्षेत्र में बाढ़ आने के कारण, प्रशासन द्वारा बलदेवा हाई स्कूल दानापुर में बाढ़ प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के लिए राहत शिविर सह सामुदायिक किचन बनाया गया है। अबतक करीब सैकड़ो परिवारों के लिए नियमित और भोजन की व्यवस्था के वास्ते कम्युनिटी किचन संचालित किया जा रहा है। अब तक 150 परिवार राहत शिविर में शरण लिए हुए है।ग्रामीणों को सुबह व शाम चावल, दाल, सब्जी व भूजिया खिलाया जा रहा है। राहत शिविर में मौजूद अंचलाधिकारी पीके गुप्ता ने बताया कि भोजन में बदलाव नहीं किया गया है।प्रत्येक दिन दाल चावल के साथ सब्जी के किम बदलकर बनाए जा रही है। तैलीय भोजन देने से ग्रामीण बीमार पड़ सकते हैं। एक वर्ष तक के बच्चों को सुबह शाम मिलाकर आधा किलो दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।इंसानों के साथ-साथ उनके मवेशियों को सुरक्षित रखने और उनके लिए प्रत्येक दिन 6 किलो चारे की व्यवस्था भी इस केंद्र पर की गई है। छोटे पशुओं को 3 किलो चारा दिया जा रहा है। बाढ़ पीड़ितों और पशुओं के स्वास्थ्य की देखरेख के लिए चिकित्सीय दल एवं पशु चिकित्सक केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मगर महिलाओं के लिए सैनेट्री पैड उपलब्ध नहीं है। शौचालय, पीने की पानी व चेंजिंग रूम भी बनाया गया है। सफाई के लिए नगरपरिषद के करीब 15 कर्मी व 2 सुपरवाइजर मौजूद है।

तीन मंजिला इमारत से गिरकर प्रशिक्षु सिपाही की मौत, परिजनों ने जताया संदेह; गम में डूबा कारीसोवा गांव

गया जी।वजीरगंज प्रखंड के कारीसोवा गांव निवासी 24 वर्षीय प्रशिक्षु सिपाही रजनीश कुमार का शव सोमवार को गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। मां भाई बहन और अन्य परिजनों की चीख पुकार से पूरा गांव गमगीन हो उठा। मुंबई में मजदूरी कर रहे बड़े भाई गोल्डन कुमार के पहुंचने के बाद रजनीश का अंतिम संस्कार किया गया।रजनीश की मौत डुमरांव स्थित बीएसपी की तीन मंजिला इमारत से गिरने से हुआ था। बताया जाता है कि रजनीश कुमार को दो माह पहले ही सिपाही के पद पर नौकरी लगी थी। मौत की सूचना के बाद से ही परिवार में मातम पसरा है।परिजनों ने रजनीश की मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस विभाग से गहन जांच की मांग की है। मां, बड़े भाई गोल्डन कुमार और बहन कल्याणी कुमारी का कहना है कि ऊंची रेलिंग से गिरने की घटना कई सवाल खड़े करती है। परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर मौत की वास्तविक वजह सामने लाने की मांग किया है।वही रजनीश की अंतिम यात्रा में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान 'रजनीश कुमार अमर रहे' के नारों से माहौल गूंज उठा।पुलिस बल ने प्रशिक्षु सिपाही को अंतिम सलामी दिया गया।इसके बाद बड़े भाई ने मुखाग्नि दिया। नौकरी लगने के महज दो महीने बाद रजनीश की मौत ने परिवार के साथ पूरे गांव को झकझोर दिया है। घटना को लेकर ग्रामीणों में भी गहरा आक्रोश और शोक है।

बाढ़ पीड़ितों की सहायता को लेकर भाकपा माले का प्रखंड मुख्यालय पर एकदिवसीय प्रदर्शन

पुनपुन।भाकपा माले प्रखंड कमिटी की ओर से पुनपुन प्रखंड मुख्यालय पर बाढ़ पीड़ित परिवारों की समस्याओं और राहत व्यवस्था की मांग को लेकर एकदिवसीय प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की।इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था की जाए तथा रहने के लिए प्लास्टिक और तिरपाल उपलब्ध कराया जाए।पूर्व विधायक ने प्रशासन से जरूरतमंद परिवारों को अनाज उपलब्ध कराने और प्रत्येक बाढ़ पीड़ित परिवार को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी मांग की।प्रदर्शन के बाद भाकपा माले नेताओं ने अपनी मांगों से संबंधित बातों को पुनपुन प्रखंड पदाधिकारी एवं पुनपुन अंचल पदाधिकारी तक पहुंचाया। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को वरीय पदाधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।मौके पर जयप्रकाश पासवान, हरेंद्र दास, मोहन चौहान, मुन्ना चौहान, मिथिलेश राम, विद्या कुमार, विजय प्रसाद सहित भाकपा माले के अन्य कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

तेली समाज ने शहीदों के सम्मान के साथ संगठन मजबूत करने का संकल्प लिया

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर।आजादी की लड़ाई में प्राण न्योछावर करने वाले समाज के शहीदों को नमन करने के साथ तैलिक साहू समाज को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया गया। रविवार को अनवरपुर स्थित साहू समाज भवन में आयोजित वैशाली जिला प्रबुद्ध तैलिक समाज की सभा में स्वतंत्रता आंदोलन में समाज के योगदान से लेकर वर्तमान चुनौतियों तक पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास में समाज के महापुरुषों और शहीदों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ संगठन को जिला से पंचायत स्तर तक सक्रिय करना जरूरी है। रामेश्वर प्रसाद साहू की अध्यक्षता में आयोजित सभा में समाज के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि और प्रबुद्ध लोग शामिल हुए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश तैलिक साहू सभा के उपाध्यक्ष साहू भूपाल भारती ने कहा कि वैशाली जिले में संगठन को जिला और प्रखंड तक सीमित रखने के बजाय पंचायत स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। संगठित समाज ही अपनी समस्याओं और अधिकारों की आवाज प्रभावी ढंग से उठा सकता है।उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक सुधार में तेली समाज के महापुरुषों के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में समाज के लोगों ने भी अपना बलिदान दिया। उन्होंने 22 अगस्त 1942 को मुजफ्फरपुर के पारू थाना पर तिरंगा फहराने के दौरान अंग्रेज पुलिस की गोलीबारी की घटना का उल्लेख किया। साथ ही पूर्वी चंपारण के मेहसी स्टेशन पर राम अवतार साह की शहादत और अमर शहीद रम्पा तेली के बलिदान को भी याद किया। भारती ने कहा कि स्वतंत्रता के आठ दशक बाद भी कई शहीद परिवारों को अपेक्षित सहायता और सम्मान नहीं मिल सका है। उन्होंने सरकार से ऐसे परिवारों की सुध लेने की मांग की। इसके साथ ही साहू समाज के लोगों के खिलाफ होने वाली आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताते हुए उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। उन्होंने बताया कि वैशाली जिला तैलिक साहू सभा के संगठन का चुनाव इसी माह के अंतिम सप्ताह में कराया जाएगा। बैठक में संगठन को अधिक सक्रिय और व्यापक बनाने को लेकर भी विचार रखे गए।सभा के दौरान अमर शहीद छकौड़ी लाल साह, शहीद रम्पा तेली और पेरियार साहेब के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने समाज के लोगों से आपसी एकजुटता बढ़ाने और नई पीढ़ी को अपने महापुरुषों के इतिहास से परिचित कराने का आह्वान किया।कार्यक्रम को किरण गुप्ता, राजेश गांधी, चंदेश्वर साह, ज्योत्सना कुमारी, शंभू साह, राजीव कुमार, मुखिया अरुण साह, विजेंद्र प्रसाद गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद, अंकुर गुप्ता, प्रमोद कुमार साहू, महेश साह और मनोज कुमार साह सहित कई लोगों ने संबोधित किया।इस अवसर पर उपस्थित तैलिक समाज के लोगों ने मुख्य अतिथि साहू भूपाल भारती को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

बोधगया मगध यूनिवर्सिटी में फिजियोथेरेपी छात्रों ने पोस्टरों में समझाया हार्ट- स्ट्रोक का इलाज

नई सोच एक्सप्रेस

गया। मगध विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग में सोमवार को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभागीय सभागार में आयोजित प्रतियोगिता में स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने शोधपरक मॉडल, चार्ट और पोस्टरों के माध्यम से फिजियोथेरेपी की आधुनिक उपयोगिता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय 'हृदय रोग एवं स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की भूमिका' रखा गया था। विद्यार्थियों ने बदलती जीवनशैली से बढ़ रहे हृदय रोगों के खतरे और उससे बचाव के उपायों को रोचक ढंग से समझाया।पोस्टरों में 'सिट लेस, मूव मोर' का संदेश देकर लंबे समय तक बैठे रहने वाली जीवनशैली से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने बाईपास सर्जरी (CABG) और एंजियोप्लास्टी के बाद मरीजों की रिकवरी के लिए कार्डियक रिहैबिलिटेशन के फेज-1 से फेज-4 तक की प्रक्रिया को मॉडल के जरिए समझाया।वहीं स्ट्रोक यानी लकवे के प्रबंधन में BE-FAST प्रोटोकॉल से शुरुआती लक्षणों की पहचान और रिकवरी में इंस्पिरेटरी मसल ट्रेनिंग (IMT) की भूमिका को भी प्रदर्शित किया गया। छात्रों ने HIIT और निरंतर प्रशिक्षण के साथ अस्पताल तथा घर पर दी जाने वाली फिजियोथेरेपी की उपयोगिता की तुलना भी की।कार्यक्रम विभागीय प्राध्यापकों डॉ. पांडेय रोहित कुमार सिन्हा, डॉ. नंदिनी और डॉ. नीरज के मार्गदर्शन में हुआ। पोस्टर और शोधपरक चार्ट तैयार करने में शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के संचालन और तकनीकी व्यवस्था में निशांत व हितेश का विशेष योगदान रहा।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने डीडीयू-सोन नगर रेलखंड का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत डीडीयू-सोन नगर रेलखंड का विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलपथ, ट्रैक की स्थिति, संरक्षा से जुड़े पहलुओं तथा अनुरक्षण एवं परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्यों में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया । निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने चंदौली मझवार स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। इस दौरान प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, स्टेशन परिसर, परिचालन, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता एवं यात्री सुविधाओं के सतत उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात् सासाराम स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, यात्री प्रतीक्षालय, विद्युत व्यवस्था, शौचालय सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन परिसर की अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोन नगर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने परिचालन एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, यात्री प्रतीक्षालय, तथा रेलवे अंडरपास का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलकर्मियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली, व्यवस्था को जाना । निरीक्षण के दौरान पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मगध यूनिवर्सिटी में फीस होगी एक समान, नए सत्र में अटेंडेंस पर सख्ती; पीजी के नए कोर्स शुरू करने पर भी मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।मगध विश्वविद्यालय मुख्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी की अध्यक्षता में सभी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों की अहम बैठक हुई। बैठक में विश्वविद्यालय और कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय के साथ नए शैक्षणिक सत्र को व्यवस्थित और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।बैठक में विद्यार्थियों से विभिन्न मदों में लिए जाने वाले शुल्क में एकरूपता लाने पर सहमति बनी। साथ ही नए सत्र में शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि कॉलेजों में पठन-पाठन सुचारू रूप से संचालित हो सके।कुलपति ने प्राचार्यों से कॉलेजों की शैक्षणिक प्रगति और जमीनी समस्याओं की जानकारी ली। बैठक में विभिन्न विषयों में नए पीजी कोर्स शुरू करने, कॉलेजों की आधारभूत संरचना मजबूत करने और शैक्षणिक माहौल में नवाचार लाने पर भी चर्चा हुई।बैठक में कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम्, सीसीडीसी प्रो. संजय कुमार तिवारी, वित्त पदाधिकारी इंद्र कुमार सिंह और छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार चौधरी मौजूद रहे।प्राचार्यों ने नियमित रूप से ऐसी बैठकें आयोजित करने की जरूरत बताई, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान हो और विश्वविद्यालय-कॉलेजों के बीच बेहतर तालमेल बना रहे।

छावनी क्षेत्र में हो रहे बाढ़ के पानी का रिसाव, रोकने के लिए छावनी परिषद ने संभाला मोर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। गंगा के जलस्तर बढ़ने से छावनी क्षेत्र में हो रहे पानी रिसाव को देखते हुए छावनी परिषद में मोर्चा संभाल लिया है सोमवार को छावनी परिषद की टीम जगह-जगह मोटरोला के सहयोग से पानी निकासी कर करने में जुट गई है वही जहां से गंगा का पानी रिसाव हो रहा था वहां बालू की बोरियों से ढकने का काम किया गया छावनी परिषद के सीईओ वरुण कुमार ने बताया कि छावनी क्षेत्र में हो रहे बाढ़ के पानी के रिसाव को रोकने के लिए छावनी परिषद व बाढ़ सुरक्षा अवर प्रमंडल टीम चार पांच दिन से लगातार कोशिश कर रहे हैं। छावनी परिषद की टीम द्वारा पानी निकासी के लिए आठ मोटर लगी हुई है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए छावनी और शहरी आबादी वाले इलाकों में रिसाव को रोकने के लिए नालों और अन्य खुले रास्तों को बालू से भरी बोरियों से पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया है। इसके साथ ही, ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों को चौबीसों घंटे सक्रिय रखकर मोटरों के जरिए पानी की निकासी लगातार की जा रही है।

श्याम रजक के आवास पर पहुंचे किसान, विरोध में लगे नारे

नई सोच एक्सप्रेस

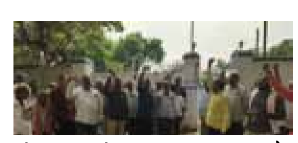

पुनपुन। कुछ किसान प्रतिनिधि स्थानीय विधायक श्री श्याम रजक से मिलने उनके आवास पहुंचे। किसान प्रतिनिधियों का आरोप है कि उन्होंने विधायक के सामने अपनी समस्याएं रखने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें सहयोग नहीं मिला। प्रतिनिधियों के मुताबिक, श्याम रजक ने कथित तौर पर कहा कि "यह सरकार की योजना है, मैं कुछ नहीं कर सकता।" किसानों का आरोप है कि इसके बाद उनके साथ कथित रूप से अमानवीय व्यवहार किया गया और उन्हें आवास से बाहर जाने को कहा गया।किसान प्रतिनिधियों के अनुसार, इस व्यवहार से नाराज किसानों ने विधायक के आवास के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और विरोधी नारे लगाए। किसानों ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उनसे कम से कम किसानों की समस्याएं सुनने और उनकी आवाज सरकार तक पहुंचाने की अपेक्षा थी।किसानों ने कहा कि वे किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि अपनी जमीन, आजीविका और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि जब तक किसानों की चिंताओं का समाधान नहीं होता, तब तक उनका लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने माउंट आबू के लिए 60 पत्रकारों का जत्था रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, माउंट आबू (राजस्थान) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए यूथ एजेंडा के 60 पत्रकारों का एक जत्था आज माउंट आबू के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे को बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के संगठन महामंत्री सह प्रवक्ता आलोक कुमार ने पटना जंक्शन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर आलोक कुमार ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मकता, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्यों को स्थापित करना भी पत्रकारों की जिम्मेदारी है। ऐसी राष्ट्रीय संगोष्ठियां पत्रकारों को सकारात्मक पत्रकारिता की नई दिशा देती हैं।इस मौके पर प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम कुमार, गोपी कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने रवाना हो रहे पत्रकारों को शुभकामनाएं दीं। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित हो रही है, जिसमें देश भर से आए युवा पत्रकार, लेखक और चिंतक भाग लेंगे।

पितृपक्ष मेले को लेकर डीएम का बड़ा एक्शनः धर्मारण्य, सरस्वती व मातंगवापी वेदियों का निरीक्षण, 24 घंटे सफाई और सुरक्षा के सख्त निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

गया।विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बोधगया प्रखंड के प्रमुख पिंडदान स्थलों धर्मारण्य, सरस्वती और मातंगवापी वेदियों का स्थल निरीक्षण कर डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि देश विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। 24 घंटे सफाई, पर्याप्त पेयजल, अस्थायी शौचालय, चेंजिंग रूम और प्याऊ की व्यवस्था समय पर पूरी करने को कहा गया।वही भीड़ को देखते हुए वेदी स्थलों और संपर्क मार्गों पर पुलिस बल, दंडाधिकारी, वॉच टावर और हाई क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।डीएम ने जिला परिवहन पदाधिकारी को बोधगया क्षेत्र के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान और डायवर्जन व्यवस्था तैयार कराने का निर्देश दिया गया। वेदियों के आसपास सुनियोजित पार्किंग की व्यवस्था करने को कहा गया, ताकि श्रद्धालुओं को पैदल आवागमन में परेशानी न हो। सभी प्रमुख मार्गों, घाटों और पार्किंग स्थलों पर हाई-मास्ट व एलईडी लाइट लगाने के निर्देश भी दिए गए।सुरक्षा को लेकर मातंगवापी जलाशय और नदी-घाटों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया।साथ ही गोताखोर, एसडीआरएफ टीम और बैरिकेडिंग की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया गया है। वेदी स्थलों के पास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मोबाइल मेडिकल टीम, एंबुलेंस और जीवनरक्षक दवाएं उपलब्ध रखने को कहा गया।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रमुख स्थानों पर 'मे आई हेल्प यू' बूथ और पीए सिस्टम सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है। डीएम ने कहा कि पितृपक्ष मेले में आने वाला हर श्रद्धालु 'अतिथि देवो भवः' की भावना के अनुरूप गयाजी से बेहतर अनुभव लेकर लौटे। व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों और कार्यपालक अभियंताओं को तय समय-सीमा में काम पूरा करने की सख्त हिदायत दी।

जलस्तर बढ़ने से नदियां उफान पर, नहर में डूबने से बुजुर्ग की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले की विभिन्न नदियों में जलस्तर बढ़ने से ग्रामीण इलाकों में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मोरहर नदी समेत कई नदियां उफान पर हैं। कई गांवों में पानी प्रवेश करने से लोगों को आवागमन और दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच सोमवार की शाम एक बुजुर्ग व्यक्ति की नहर में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मुस्तीचक से जगन बीघा को जोड़ने वाला पुल भी बढ़े जलस्तर की चपेट में आ गया था। बताया जा रहा है कि पुल पर पानी चढ़ जाने के कारण वह काफी फिसलन भरा हो गया था। इसी दौरान मुस्तीचक निवासी बुजुर्ग राम सृष्टि यादव दूसरे गांव में भोज खाने के लिए जा रहे थे। पुल पार करने के दौरान उनका पैर फिसल गया और वे पानी में गिर गए। पानी का बहाव तेज होने के कारण वे डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद बुजुर्ग को पानी से बाहर निकाला और तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ.सुनील कुमार राय ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना झुनाठी थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी अजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पूरी पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलस्तर बढ़ने के बावजूद पुल पर पानी होने की स्पष्ट जानकारी नहीं होने के कारण इस तरह की घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जलमग्न पुलों और रास्तों पर सुरक्षा व्यवस्था करने तथा लोगों को सतर्क करने की मांग की है।

सत्य निकेतन का मलबा और व्यवस्था की जवाबदेही

आरती कुमारी

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है, बल्कि यह राजधानी की शहरी व्यवस्था, भवन सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए राहत एवं बचाव दलों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे के बाद प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ प्राथमिकी के आदेश दिए हैं। लेकिन किसी भी हादसे के बाद सबसे आसान काम होता है—एफआईआर दर्ज करना, जांच समिति गठित करना और मुआवजे की घोषणा कर देना। कठिन काम है उस व्यवस्था की जवाबदेही तय करना, जिसकी जिम्मेदारी हादसा होने से पहले खतरे को पहचानकर उसे रोकने की थी। सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी। सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन हुआ था, यदि स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण किया गया था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण अथवा मरम्मत का काम चल रहा था और यदि भवन की संरचनात्मक सुरक्षा पर सवाल थे, तो इन गतिविधियों पर प्रशासन की नजर क्यों नहीं पड़ी? आखिर एक पांच मंजिला इमारत रातोंरात तो नहीं बन जाती। निर्माण के दौरान मजदूर, मशीनें, सामग्री और लगातार होने वाला बदलाव आसपास के लोगों और संबंधित विभागों को दिखाई देता है। फिर निगरानी तंत्र की भूमिका केवल तब क्यों सक्रिय होती है, जब इमारत मलबे में बदल जाती है? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास का एक महत्वपूर्ण छात्र क्षेत्र है। देश के अलग-अलग हिस्सों से हजारों विद्यार्थी यहां अपने बेहतर भविष्य का सपना लेकर आते हैं। इनमें से अधिकांश छात्र छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। उन्हें विश्वास होता है कि राजधानी जैसे शहर में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा और रोजगार की तलाश में आया युवा ऐसी इमारत में रहने को मजबूर हो, जिसकी सुरक्षा व्यवस्था संदिग्ध हो, तो सवाल केवल एक भवन का नहीं रहता। यह हमारे शहरी विकास मॉडल की बुनियादी कमियों का सवाल बन जाता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि सत्य निकेतन में ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है। वर्ष 2022 में इसी इलाके में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत गिरने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य और सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल उठे थे। लगभग चार वर्ष बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत का गिर जाना बताता है कि पिछली घटना से हमने क्या सीखा? क्या उस इलाके की इमारतों का व्यापक संरचनात्मक ऑडिट हुआ? क्या अवैध और जोखिमपूर्ण निर्माणों की पहचान की गई? क्या निर्माण स्थलों की निगरानी व्यवस्था मजबूत की गई? यदि इन सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं हैं तो यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्मृतिलोप का उदाहरण है।

जवाबदेही केवल भवन मालिक की नहीं–हादसे के बाद भवनमालिक के खिलाफ कार्रवाई स्वाभाविक है। यदि उसने नियमों का उल्लंघन किया है तो कानून के अनुसार उसे दंडित किया जाना चाहिए। लेकिन जांच का दायरा वहीं समाप्त नहीं होना चाहिए। किसी अधिकारी, कर्मचारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं है। फिर भी यदि जांच में यह साबित होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में गंभीर लापरवाही हुई या किसी स्तर पर मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम टूटने दिए—दोनों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। भ्रष्टाचार को केवल रिश्वत लेने-देने तक सीमित करके देखना भी उचित नहीं है। यदि कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य का जानबूझकर पालन नहीं करता, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई नहीं करता या आंखों के सामने हो रहे अवैध निर्माण को नजरअंदाज करता है, तो यह भी प्रशासनिक भ्रष्टाचार का एक रूप है। कानून की किताब में दर्ज नियम तभी प्रभावी होते हैं, जब उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति और ईमानदारी मौजूद हो।

राजेंद्र नगर हादसे से भी सबक नहीं–सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों—तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन—की मौत हो गई थी। सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई थी कि बेसमेंट का इस्तेमाल लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसका उपयोग पार्किंग और स्टोरेज के लिए होना था। हादसे से पहले शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई थी। इस घटना ने राजधानी के कोचिंग सेंटरों, बेसमेंट के व्यावसायिक इस्तेमाल, जलनिकासी और भवन सुरक्षा को लेकर देशव्यापी बहस छेड़ दी थी। कुछ समय तक प्रशासन ने अभियान चलाया, कई बेसमेंट सील किए गए और नियमों के पालन की बातें हुईं। लेकिन सवाल है कि क्या उन कार्रवाइयों को स्थायी व्यवस्था में बदला गया?

यदि नहीं, तो हर हादसे के बाद कुछ दिनों की सक्रियता का कोई अर्थ नहीं है।

नियमों की कमी नहीं, पालन की कमी है–भारत में भवन निर्माण और सुरक्षा से संबंधित नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग और निर्माण मानकों से जुड़े स्पष्ट प्रावधान मौजूद हैं। समस्या यह नहीं है कि नियम कम हैं। समस्या यह है कि नियमों का पालन कितना ईमानदारी से कराया जाता है। शहरों में अक्सर ऐसी इमारतें दिखाई देती हैं जहां स्वीकृत मंजिलों से अधिक निर्माण हो चुका होता है। कई जगह पार्किंग या स्टोरेज के लिए स्वीकृत बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां चलती हैं। कहीं भवन की छत पर अतिरिक्त कमरे बना दिए जाते हैं तो कहीं संकरी गलियों में भी मंजिल पर मंजिल खड़ी कर दी जाती है। जब तक कोई शिकायत न हो या कोई हादसा न हो, व्यवस्था अक्सर निष्क्रिय दिखाई देती है। यह सवाल पूछना जरूरी है कि अवैध निर्माण इतना आसान कैसे हो जाता है?

सरकारी भवनों की सुरक्षा भी सवालों में–यह समस्या केवल निजी इमारतों तक सीमित नहीं है। मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगने की घटना ने सरकारी भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए थे। इस घटना में एक 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों में भवन की पुरानी संरचना और आधुनिक अग्निशमन व्यवस्था की कमी का उल्लेख सामने आया था।

यदि सरकारी भवनों में भी सुरक्षा मानकों को लेकर कमियां रह सकती हैं, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी को लेकर चिंता और गंभीर हो जाती है।

बढ़ते शहर और घटती सुरक्षा–दिल्ली सहित देश के बड़े महानगरों में आबादी लगातार बढ़ रही है। जमीन सीमित है, किराये की मांग बढ़ रही है और हर उपलब्ध जगह का व्यावसायिक उपयोग करने का दबाव है। इस दबाव में शहर लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन यदि शहरी नियोजन, भवन सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था उसी गति से मजबूत नहीं हुई तो शहरों की ऊंचाई बढ़ने के साथ जोखिम भी बढ़ता जाएगा। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु और दूसरे महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार अब गंभीर चुनौती है। छात्रों, मजदूरों, नौकरीपेशा लोगों और निम्न आय वर्ग के लिए सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराना सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है। जब वैध और सुरक्षित आवास महंगा हो जाता है तो लोग स्वाभाविक रूप से सस्ते पीजी और किराये के कमरों की ओर जाते हैं। यही वह क्षेत्र है जहां नियमों की अनदेखी का खतरा सबसे अधिक होता है।

जांच का मतलब केवल मुआवजा नहीं–हर बड़े हादसे के बाद एक परिचित दृश्य सामने आता है। मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं। अधिकारी बैठक करते हैं। मुआवजे की घोषणा होती है। जांच समिति गठित होती है। कुछ इमारतें सील होती हैं। कुछ गिरफ्तारियां होती हैं। मीडिया का ध्यान कुछ दिनों तक घटना पर रहता है और फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन मृतकों के परिवारों के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता।

मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी की जगह नहीं ले सकती। जांच समिति उनके घर का खालीपन नहीं भर सकती। उन्हें यह जानने का अधिकार है कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? भवन में रहने की अनुमति कैसे मिली? निर्माण की निगरानी किसने की? किसी ने खतरे को देखा या नहीं? यदि देखा तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि शिकायत हुई थी तो वह कहां गई? इसलिए जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि इमारत क्यों गिरी। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि व्यवस्था कहां विफल हुई। फाइल किस स्तर पर रुकी? निरीक्षण किसने किया? भवन का नक्शा किस आधार पर स्वीकृत हुआ? अवैध निर्माण कितने समय से चल रहा था? शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई? भवन में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है—क्या उन अधिकारियों और कर्मचारियों की भी जवाबदेही तय होगी, जिनकी जिम्मेदारी ऐसे हादसों को रोकना थी?

अब कार्रवाई का समय है–सत्य निकेतन के मलबे को केवल छह मौतों के आंकड़े के रूप में देखना देश के साथ अन्याय होगा। उस मलबे में केवल ईंट, सीमेंट और लोहे की छड़ें नहीं हैं। वहां विद्यार्थियों के सपने दबे हैं। उन माता-पिताओं की उम्मीदें दबी हैं जिन्होंने अपने बच्चों को राजधानी इसलिए भेजा था कि वे पढ़-लिखकर बेहतर जीवन बनाएंगे। सरकारों को हादसों के बाद जागने की आदत बदलनी होगी। भवन गिरने से पहले निरीक्षण होना चाहिए। निर्माण शुरू होते ही उसकी निगरानी होनी चाहिए। शिकायत मिलने के बाद समयबद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। पुराने और जर्जर भवनों का नियमित संरचनात्मक ऑडिट होना चाहिए। छात्र पीजी, हॉस्टल और किराये के भवनों के लिए विशेष सुरक्षा मानक लागू होने चाहिए। बेसमेंट के अवैध इस्तेमाल पर नियमित जांच होनी चाहिए। और सबसे बढ़कर, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें लापरवाही के लिए केवल निचले स्तर के कर्मचारी बलि का बकरा न बनें। तकनीक का इस्तेमाल भी इस दिशा में किया जा सकता है। भवनों का डिजिटल रिकॉर्ड, स्वीकृत नक्शे और वास्तविक निर्माण की नियमित निगरानी, शिकायतों की ऑनलाइन ट्रैकिंग और उच्च जोखिम वाले भवनों की सूची तैयार कर समय-समय पर निरीक्षण जैसे कदम व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बना सकते हैं।

महंगाई का रोना शायद कभी खत्म नहीं होगा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटनाः महंगाई का रोना शायद इंसान ने तब से शुरू कर दिया होगा, जब उसने धरती पर सांस लेना शुरू किया होगा। जिस दिन से मनुष्य ने अपनी जरूरतों को गिनना और उनकी कीमत तय करना सीखा है, उसी दिन से महंगाई उसके सुख-दुख का हिस्सा बन गई। आज भी यही सिलसिला जारी है और शायद तब तक जारी रहेगा, जब तक मनुष्य की जरूरतें, इच्छाएं और संसाधनों के बीच अंतर बना रहेगा। महंगाई केवल बाजार में बढ़ती कीमतों का नाम नहीं है। यह आम आदमी की थाली, परिवार के बजट, बच्चे की पढ़ाई, घर के किराये, इलाज के खर्च और भविष्य की बचत तक पहुंचने वाली एक ऐसी अदृश्य ताकत है, जिसका असर हर व्यक्ति अलग-अलग तरीके से महसूस करता है। कोई दूध महंगा होने की शिकायत करता है, कोई सब्जियों की कीमत पर परेशान है, कोई पेट्रोल-डीजल के दाम को लेकर चिंतित है तो किसी के लिए स्कूल की फीस सबसे बड़ी समस्या है। लेकिन इस कहानी का एक दिलचस्प पहलू भी है। इंसान महंगाई से परेशान होता है, कुछ दिनों तक उससे जूझता है और फिर धीरे-धीरे उसका आदी हो जाता है। जो वस्तु कल महंगी लग रही थी, कुछ दिनों बाद वही नई कीमत सामान्य लगने लगती है। फिर अगली बढ़ोतरी पर नया हंगामा शुरू हो जाता है। महंगाई के साथ इंसान का रिश्ता भी अजीब है। वह उससे नाराज भी है और उसके साथ जीने के लिए मजबूर भी। घर का बजट बिगड़ता है तो खर्चों में कटौती होती है। पहले बाहर खाना कम होता है, फिर मनोरंजन का खर्च घटता है, फिर खरीदारी टलती है और आखिर में बचत पर असर पड़ता है। यही कारण है कि महंगाई का सबसे बड़ा असर केवल कीमतों में नहीं, बल्कि जीवनशैली में दिखाई देता है। आम आदमी अपनी जरूरतों की सूची को दो हिस्सों में बांट देता है 'जरूरी और गैरजरूरी'। लेकिन समय के साथ गैरजरूरी कही जाने वाली चीजें भी जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। मोबाइल, इंटरनेट, परिवहन, बच्चों की अतिरिक्त पढ़ाई, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आधुनिक जीवन की दूसरी जरूरतें आज विलासिता नहीं रह गई हैं। इसलिए महंगाई को केवल खाने-पीने की वस्तुओं की कीमत से जोड़ना उचित नहीं होगा। यह जीवन के हर हिस्से को प्रभावित करती है। भारतीय राजनीति में महंगाई का अपना इतिहास है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ती है तो सरकार पर सवाल उठते हैं, विपक्ष आंदोलन करता है और जनता नाराज होती है। लेकिन चुनावी राजनीति में कई बार प्याज जैसी छोटी दिखाई देने वाली चीज भी बड़ा मुद्दा बन जाती है। कहा जाता है कि पेट्रोल से सरकारें शायद ही कभी गिरती हैं, लेकिन प्याज ने कई बार राजनीतिक तापमान बढ़ाने का काम जरूर किया है। इसका कारण भी समझना कठिन नहीं है। पेट्रोल की कीमत बढ़ने का असर धीरे-धीरे परिवहन और दूसरी वस्तुओं की कीमतों में दिखाई देता है, जबकि प्याज की कीमत सीधे रसोई तक पहुंचती है। रसोई का अर्थशास्त्र बहुत संवेदनशील होता है। जब घर की गृहिणी या परिवार का जिम्मेदार सदस्य बाजार से लौटकर कहता है कि आज सब्जी इतनी महंगी है, तो महंगाई किसी आर्थिक रिपोर्ट का आंकड़ा नहीं रहती। वह परिवार की वास्तविक समस्या बन जाती है। महंगाई का कारण केवल सरकार या दुकानदार को मान लेना समस्या को बहुत सरल बना देना है। वास्तव में इसके पीछे कई स्तरों की परिस्थितियां काम करती हैं। किसी वर्ष बारिश कम हो गई तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है। कहीं बाढ़ आ गई तो फसल खराब हो सकती है। कहीं परिवहन महंगा हो गया तो बाजार तक पहुंचने वाली वस्तु की लागत बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ी तो उसका असर परिवहन से लेकर उत्पादन तक दिखाई दे सकता है। इसके अलावा मांग और आपूर्ति का संबंध भी महत्वपूर्ण है। जिस वस्तु की मांग अचानक बढ़ जाए और उसकी आपूर्ति कम हो, उसकी कीमत बढ़ना स्वाभाविक है। कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी भी कीमतों को प्रभावित करती है। उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुंचने के बीच कई स्तर होते हैं और हर स्तर पर लागत जुड़ती जाती है। यही वह बिंदु है जहां महंगाई का असली चेहरा दिखाई देता है। महंगाई की चर्चा करते समय अक्सर उपभोक्ता की परेशानी देखते हैं, लेकिन उत्पादक की मजबूरी भूल जाते हैं। एक किसान के सामने बीज, खाद, सिंचाई, बिजली, मजदूरी, मशीन और परिवहन का खर्च बढ़ रहा है। यदि उसकी लागत बढ़ रही है तो वह अपनी उपज को पुरानी कीमत पर बेचकर हमेशा संतुष्ट नहीं रह सकता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता की आय उसी गति से नहीं बढ़ती। उसके सामने सवाल होता है कि बढ़ी हुई कीमत पर वस्तु खरीदे तो परिवार का दूसरा खर्च कैसे पूरा करे। यानि उत्पादक कहता है कि लागत बढ़ गई है और उपभोक्ता कहता है कि आय नहीं बढ़ी। दोनों की अपनी-अपनी मजबूरी है। इस बीच व्यापार और वितरण व्यवस्था भी अपना हिस्सा जोड़ती है। परिणाम यह होता है कि खेत से निकली वस्तु जब उपभोक्ता की थाली तक पहुंचती है तो उसका मूल्य कई गुना बदल चुका होता है। महंगाई ने मनुष्य को विकल्प तलाशना भी सिखाया है। जब कोई वस्तु महंगी होती है तो उपभोक्ता उसका विकल्प खोजने लगता है। दाल महंगी हुई तो दूसरी दाल की ओर रुख, सब्जी महंगी हुई तो मौसमी सब्जियों पर जोर, बाहर खाना महंगा हुआ तो घर में खाना बनाने की प्रवृत्ति, ये सभी महंगाई से निपटने के सामाजिक तरीके हैं। लेकिन विकल्प की यह दुनिया भी हमेशा समाधान नहीं देती है। एक वस्तु के महंगे होने पर दूसरी वस्तु की मांग बढ़ जाती है और कुछ समय बाद उसकी कीमत भी बढ़ सकती है। यानि बाजार में विकल्प तलाशना जरूरी है, लेकिन विकल्प भी असीमित नहीं है। महंगाई पर नियंत्रण सरकार के लिए हमेशा चुनौती रहा है। सरकार के पास कई आर्थिक औजार होते हैं, लेकिन हर कदम का अपना असर और जोखिम होता है। यदि कीमतें बढ़ रही है तो सरकार बाजार में हस्तक्षेप कर सकती है, आयात बढ़ा सकती है, भंडारण व्यवस्था का इस्तेमाल कर सकती है या करों में बदलाव कर सकती है। लेकिन दूसरी तरफ उत्पादकों के हितों को भी देखना पड़ता है। यदि किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलेगा तो उत्पादन का उत्साह प्रभावित हो सकता है। अगर उपभोक्ता को बहुत अधिक कीमत देनी पड़े तो उसकी क्रयशक्ति कमजोर होगी। इसलिए सरकार के सामने असली चुनौती केवल महंगाई घटाना नहीं, बल्कि उत्पादक और उपभोक्ता के बीच संतुलन बनाना है। गरीब व्यक्ति महंगाई बढ़ने पर अपनी आवश्यकताओं को सीमित कर सकता है, अमीर व्यक्ति अपनी आय और संपत्ति के सहारे कीमतों का असर झेल सकता है। सबसे अधिक दबाव अक्सर मध्यम वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग के सामने बच्चों की शिक्षा, मकान की ईएमआई, स्वास्थ्य, वाहन, बिजली, बीमा और भविष्य की बचत जैसे कई खर्च होते हैं। उसकी आय सीमित होती है और आकांक्षाएं बड़ी। जब महंगाई लगातार बढ़ती है तो उसकी बचत प्रभावित होती है। वह भविष्य के लिए जितना बचाना चाहता है, उतना बचा नहीं पाता। यही कारण है कि महंगाई केवल वर्तमान को महंगा नहीं बनाती, बल्कि भविष्य को भी अनिश्चित करती है। क्या महंगाई कभी पूरी तरह खत्म होगी? शायद नहीं। क्योंकि महंगाई का एक हिस्सा आर्थिक विकास और बदलती जरूरतों से भी जुड़ा है। समय के साथ मजदूरी बढ़ती है, सेवाओं की लागत बढ़ती है, उत्पादन की तकनीक बदलती है और लोगों की जरूरतें बढ़ती हैं। असल प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि महंगाई शून्य कब होगी। सवाल यह होना चाहिए कि महंगाई की रफ्तार आम आदमी की आय और क्रयशक्ति से कितनी संतुलित है। यदि आय बढ़ रही है और कीमतों का बोझ नियंत्रित है तो व्यक्ति महंगाई को अपेक्षाकृत आसानी से झेल सकता है। लेकिन यदि कीमतें तेजी से बढ़ें और आमदनी वहीं खड़ी रहे तो महंगाई सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। महंगाई का समाधान केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार को नीतियां बनानी है, प्रशासन को बाजार की निगरानी करनी है, उत्पादक को उत्पादन बढ़ाना है, व्यापारी को उचित लाभ रखना है और उपभोक्ता को भी समझदारी से खरीदारी करनी है। स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना, कृषि में तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर भंडारण व्यवस्था, मजबूत परिवहन नेटवर्क और बिचौलियों की अनावश्यक परतों को कम करना लंबे समय के समाधान हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उत्पादन और उपभोग के बीच संतुलन बनाया जाए। महंगाई का रोना शायद कभी बंद नहीं होगा। यह मनुष्य की आर्थिक यात्रा का स्थायी साथी है। लेकिन शिकायत और समाधान के बीच एक बड़ा अंतर है। हर बार बाजार से लौटकर महंगाई को कोस देना आसान है। कठिन यह समझना है कि कीमत क्यों बढ़ी, उत्पादन कितना हुआ, लागत कितनी बढ़ी, वितरण व्यवस्था में कहां समस्या है और उपभोक्ता तक पहुंचते-पहुंचते वस्तु महंगी क्यों हो गई। आज जरूरत केवल महंगाई पर भड़ास निकालने की नहीं, बल्कि उसके पूरे तंत्र को समझने की है। क्योंकि पेट्रोल महंगा होने पर वाहन रोक देना आसान नहीं है, प्याज महंगा होने पर रसोई रोक देना संभव नहीं है और जीवन महंगा होने पर जिन्दगी को रोक देना तो बिल्कुल संभव नहीं है। इंसान हमेशा की तरह रास्ता खोजेगा। कभी खर्च घटाकर, कभी विकल्प अपनाकर, कभी आय बढ़ाकर और कभी अपनी जरूरतों को नए सिरे से परिभाषित करके। महंगाई आती रहेगी, कीमतें बदलती रहेगी और बाजार करवट लेता रहेगा। असली परीक्षा यही होगी कि उत्पादक की मेहनत का उचित मूल्य मिले, उपभोक्ता की थाली पर अनावश्यक बोझ न पड़े और सरकार दोनों के बीच ऐसा संतुलन कायम करे जिसमें विकास भी चले और जीवन भी।

दो टूक- कानून कठोर लेकिन बेटियां अब भी असुरक्षित क्यों ?

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली-एनसीआर में एक स्लीपर बस के भीतर 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी सुरक्षा-व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन की निगरानी, पुलिसिंग और सामाजिक चेतना, चारों की एक साथ विफलता का आईना है। 4 अगस्त की रात ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत जानकारी देकर स्लीपर बस में बैठाया गया और कश्मीरी गेट तक चालक तथा परिचालक पर उसके साथ यौन हिंसा करने का आरोप है। लगभग 47 किलोमीटर के इस सफर के बाद उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड पर छोड़ दिया गया। इस घटना की सबसे भयावह बात केवल अपराध की क्रूरता नहीं बल्कि वह पूरा सुरक्षा-शून्य हे, जिसमें यह अपराध संभव हुआ। एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पर्दे लगे थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं।

यूपी बीजेपी का जिला प्रभारियों को बदलने का बड़ा दांव

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी धीरे-धीरे गरमाती जा रही है। राज्य की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीतिक तैयारियों के तहत सांगठनिक मशीनरी को मथना शुरू कर दिया है। गौरतलब है, किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनाव केवल बयानों और भाषणों से नहीं लड़े जाते, बल्कि इसके पीछे एक मजबूत, अनुशासित और दुरुस्त संगठन की बड़ी भूमिका होती है। भाजपा इस बात को भली-भांति समझती है कि संगठन के कमजोर होने का मतलब कांग्रेस बन जाना होता है। इसीलिये उत्तर प्रदेश जैसे विशाल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील सूबे में तीसरी बार विजय हासिल करने के लिए जमीन पर पार्टी के ढांचे का एकदम सटीक बैठाये जाने के लिये लम्बा विचार-विमर्श चल रहा है। यही कारण है कि प्रदेश और क्षेत्रीय कार्यकारिणी में बड़े पैमाने पर फेरबदल करने के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस जिलों के प्रभारियों और जिला कमेटियों को बदलने पर केंद्रित हो गया है। सांगठनिक फेरबदल की इन चल रही बयारों और सुगबुगाहटों ने उन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं की नींद उड़ा दी है, जो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए खुद को टिकट का सबसे प्रबल दावेदार मानकर चल रहे थे। संगठनात्मक बदलाव के इस सिलसिले की शुरुआत निचले और मध्यम स्तर पर व्यवस्थित ढंग से की जा रही है, जिसके तहत पिछले दिनों मुरादाबाद महानगर और जिला कार्यकारिणी के गठन व पुनर्गठन के जरिए साफ संदेश दे दिया गया था। इन नई कमेटियों के गठन के पीछे केवल सतही बदलाव का उद्देश्य नहीं था, बल्कि इसके जरिए बहुत ही बारीकी से जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जातिगत ताने-बाने से गहराई से जुड़ी हुई है और कोई भी दल सामाजिक संतुलन को नजरअंदाज करके आगे नहीं बढ़ सकता है। भाजपा ने जिस प्रकार से विभिन्न जिलों में नियुक्तियों के दौरान क्षेत्रीय और जातीय संतुलन का ध्यान रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी का केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व किसी भी एक वर्ग या समीकरण के भरोसे चुनाव में उतरने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। हर जिले और महानगर में वहां की सामाजिक जनसांख्यिकी के मुताबिक चेहरों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि चुनावों से ठीक पहले किसी भी प्रकार के असंतोष को पनपने से रोका जा सके और सभी प्रमुख जातियों को संगठन के साथ जोड़कर एक मजबूत संदेश दिया जा सके। जिला स्तर पर होने वाले इन बदलावों की श्रृंखला में अगला और सबसे महत्वपूर्ण चरण जिला प्रभारियों का फेरबदल माना जा रहा है, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। जिला प्रभारी की भूमिका किसी भी जिले में पार्टी के भीतर बेहद प्रभावी और निर्णायक होती है। जिला प्रभारी न केवल संगठन और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय का काम करते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर टिकट वितरण से लेकर चुनावी रणनीति की रूपरेखा तय करने में भी उनकी केंद्रीय भूमिका होती है। जब किसी जिले का प्रभारी बदला जाता है, तो उस जिले की पूरी राजनीतिक गतिशीलता प्रभावित होती है। अब तक जिन जिलों में पुराने प्रभारी जमे हुए थे, उनके साथ स्थानीय नेताओं और टिकट के दावेदारों के समीकरण सेट हो चुके थे। कई दावेदार पिछले कई वर्षों से अपने आकाओं और प्रभारियों के जरिए जमीन तैयार करने में जुटे थे, ताकि सही समय पर टिकट की जुगत भिड़ाई जा सके। लेकिन नए प्रभारियों के आने की संभावना मात्र से इन पुराने समीकरणों के ध्वस्त होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे टिकट के दावेदारों की धड़कनें तेज होना स्वाभाविक है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे बड़ा मनोवैज्ञानिक असर उन नेताओं पर पड़ा है, जो लंबे समय से खुद को क्षेत्र का सर्वेसर्वा मानकर बैठे थे और जिन्हें लगता था कि स्थानीय संगठन पर उनकी पकड़ के कारण पार्टी उनके सामने टिकट वितरण में किसी और विकल्प पर विचार ही नहीं करेगी। भाजपा में संगठनात्मक संस्कृति हमेशा से व्यक्ति-केंद्रित न होकर व्यवस्था-केंद्रित रही है, और समय-समय पर प्रभारियों को बदलकर पार्टी यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी नेता या पदाधिकारी एक ही जगह पर लंबे समय तक रहकर गुटबाजी या व्यक्तिगत प्रभाव का केंद्र न बन जाए। जब नए जिला प्रभारी आएंगे, तो वे अपने साथ नई कार्यशैली, निष्पक्ष आकलन रिपोर्ट और बिल्कुल नया दृष्टिकोण लेकर आएंगे। वे बिना किसी पूर्व पूर्वाग्रह के जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे कि कौन सा नेता वास्तव में जनता के बीच लोकप्रिय है और किसकी सक्रियता सिर्फ कागजों तक सीमित है। यही वह बात है, जो उन दावेदारों को सबसे ज्यादा डरा रही है, जिनकी पकड़ जनता के बीच कम और पार्टी कार्यालयों के गलियारों में ज्यादा मजबूत मानी जाती है। टिकट के दावेदारों की बढ़ी हुई मुश्किलों के पीछे एक और बड़ा कारण यह है कि नए प्रभारियों के जरिए पार्टी हाईकमान का सीधा संदेश कार्यकर्ताओं की कार्यक्षमता और जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता पर आधारित है। अब तक टिकट के कई दावेदार सिर्फ इस भ्रम में जीते रहे हैं कि उनके पास वित्तीय संसाधन हैं या पार्टी के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी से उनकी नजदीकी है, तो टिकट उनकी झोली में खुद-ब-खुद आ जाएगा। लेकिन जिस प्रकार से पार्टी ने माइक्रो-मैनेजमेंट और जमीनी फीडबैक के आधार पर बदलाव करने शुरू किए हैं, उससे साफ है कि इस बार पैराशूट या केवल सिफारिश के दम पर टिकट पाने की राह आसान नहीं होगी। जिला प्रभारियों के बदलने से स्थानीय स्तर पर चल रहे वे तमाम गुप्त समीकरण और समझौते बिखर जाएंगे, जिनके बूते लोग टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे। नए प्रभारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे पूरी पारदर्शिता के साथ जिताऊ और जुझारू उम्मीदवारों के पैनल तैयार करें, जिससे उन लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जो सिर्फ हवा हवाई दावों के दम पर अपनी जमीन मजबूत मान रहे थे। इसके साथ ही, इस पूरी संगठनात्मक सर्जरी के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि चुनाव नजदीक आते-आते स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरियां बढ़ने लगती हैं, जिसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। नए प्रभारियों की तैनाती इस बात को भी ध्यान में रखकर की जा रही है कि वे समन्वय स्थापित करने में माहिर हों और किसी भी तरह के आंतरिक विरोध या भीतरघात को समय रहते कुचल सकें। जब संगठन का पहिया दुरुस्त होता है और नीचे से लेकर ऊपर तक के पदाधिकारियों में एक स्पष्ट वैचारिक व कार्यगत अनुशासन होता है, तो चुनावी प्रबंधन स्वतः आसान हो जाता है। भाजपा का यह आंतरिक फेरबदल इस बात का प्रमाण है कि पार्टी ने चुनाव से काफी पहले ही अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करना शुरू कर दिया है, ताकि चुनावी समर में उतरने से पहले संगठन का हर एक सिपाही पूरी तरह से प्रशिक्षित और युद्ध के लिए तैयार मिले।

संक्षिप्त समाचार

JSSC-CGL मामले में अनुराग गुप्ता की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो : बाबूलाल मरांडी

रांची। JSSC-CGL मामले को लेकर पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी सवाल उठाए। मरांडी ने आरोप लगाया कि JSSC-CGL मामले की जांच को प्रभावित करने, उसे गलत दिशा में ले जाने और डिजिटल साक्ष्यों को नष्ट कराने के आरोपों से घिरे पुलिस अधिकारी अनुराग गुप्ता पर कार्रवाई करने में सरकार की कथित हिचकिचाहट कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि अनुराग गुप्ता छात्रों द्वारा लगाए गए पेपर लीक के आरोपों को गलत साबित करने पर आमादा थे और उन्होंने मीडिया के सामने आकर इन आरोपों को खारिज करने का प्रयास क्यों किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र और बेरोजगार इन सवालों का जवाब चाहते हैं। मरांडी ने कहा कि जिस अधिकारी की भूमिका को लेकर जांच प्रभावित करने के गंभीर सवाल उठ रहे हों, उस पर कार्रवाई किए बिना सीआईडी की जांच और उसकी निष्पक्षता पर भरोसा करना कठिन है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि युवाओं के भविष्य को देखते हुए अनुराग गुप्ता की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मरांडी ने कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी या जिम्मेदार व्यक्ति ऐसी गतिविधियों में शामिल होने से पहले कानून के परिणामों को लेकर सचेत रहे।शीर्षक को और प्रभावी बनाएं

विधायक के बेटे के साथ घटना दुर्भाग्यपूर्ण, राज्य की कानून-व्यवस्था चौपट : आदित्य साहू

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने चतरा विधायक जनार्दन पासवान के बेटे को राजधानी रांची स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के गेट से कथित तौर पर जबरन उठाए जाने और मारपीट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आदित्य साहू ने कहा कि राजधानी में, वह भी एमिटी यूनिवर्सिटी के गेट के पास, विधायक के पुत्र के साथ इस तरह की घटना होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब राजधानी में ऐसी स्थिति है तो सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आम लोगों की सुरक्षा का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने फोन पर उन्हें अपने बेटे के साथ हुई घटना की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलते ही उन्होंने रांची एसएसपी से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि युवक को धुर्वा से बरामद कर लिया गया, यह राहत की बात है। यदि कोई बड़ी घटना हो जाती तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती। साहू ने आरोप लगाया कि झामुमो के नेतृत्व में कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनने के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों पर ध्यान देना चाहिए और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए गंभीर कदम उठाने तथा प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

छात्रों पर दर्ज गंभीर धाराओं के मुकदमे वापस लेने की पहल क्यों नहीं कर रही सरकार : प्रतुल

रांची।भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने छात्र आंदोलन से जुड़े युवाओं पर हत्या के प्रयास समेत गंभीर आपराधिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर राज्य सरकार पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि छात्रों के खिलाफ इतनी गंभीर धाराएं लगाने का आधार क्या था। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि केंद्र सरकार और छह अन्य राज्यों ने दिल्ली में छात्र आंदोलनों से जुड़े मामलों में सर्वोच्च न्यायालय का रुख कर राहत देने के उदाहरण पेश किए हैं। ऐसे में झारखंड सरकार विधि-सम्मत प्रक्रिया के तहत छात्र आंदोलन से जुड़े मामलों की समीक्षा कर अभियोजन वापस लेने अथवा अन्य न्यायिक राहत के लिए उच्च न्यायालय में पहल क्यों नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की निष्क्रियता उसकी प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती है। भाजपा नेता ने परीक्षा परिणाम रद्द करने के सरकार के फैसले को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एक आदेश के माध्यम से दो दर्जन परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए, लेकिन आदेश में ऐसी कमियां रह गईं कि नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के आधार पर उच्च न्यायालय से राहत मिल गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि याचिका के डिफेक्टिव होने के बावजूद सरकार की ओर से उसका प्रभावी विरोध नहीं किया गया। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि परीक्षा परिणाम रद्द किए जाने के बाद मंत्रियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर छात्रों के साथ डांस किया और उन्हें जूस पिलाया। उन्होंने इसे महज दिखावा बताते हुए कहा कि उस समय छात्रों से मुकदमे हटाने की घोषणाएं भी की गई थीं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार के रवैये से उसकी नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार को छात्रों पर दर्ज मुकदमों की समीक्षा कर उन्हें राहत देने की दिशा में तत्काल विधि-सम्मत कदम उठाना चाहिए।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर चकाई में शोक

चकाई। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन की खबर से चकाई प्रखंड में भी शोक की लहर दौड़ गयी रविवार को उनके निधन की सूचना मिलते ही राजनीतिक सामाजिक शैक्षणिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की चकाई विधायक सावित्री देवी ने सुदिव्य कुमार सोनू के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है उन्होंने कहा कि कल तक जनसेवा के कार्यों में सक्रिय रहने वाले एक जनप्रतिनिधि का इस तरह अचानक चले जाना अत्यंत दुखद और स्तब्ध करने वाला है उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों समर्थकों एवं शुभचिंतकों को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की इधर चकाई प्रखंड के बुद्धिजीवी शिक्षक व्यवसायी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने भी मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर शोक जताया राजद के वरिष्ठ नेता विजय शंकर यादव कांग्रेस नेता रामेश्वर यादव मनोज उपाध्याय लोजपा (आर) के प्रसादी पासवान भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता लोजपा (आर) प्रखंड अध्यक्ष राजीव पासवान जदयू प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार व्यापार मंडल अध्यक्ष अर्जुन यादव बिहार विशिष्ट अध्यापक प्रधान शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जय प्रकाश पासवान विधायक प्रतिनिधि प्रवीण चंद्र जदयू नेता रंजीत राय व संतु यादव सहित अन्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की

महिलाओं को वोट बैंक नहीं, नेतृत्व की कमान सौंपनी होगी : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक या राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने का माध्यम समझने की मानसिकता बदलनी होगी। महिलाओं को नेतृत्व की कमान सौंपने के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है। महिलाओं को मजबूत किए बिना झारखंड के समग्र विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। सोमवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित महिला संवाद एवं सदस्यता कार्यक्रम में सुदेश महतो ने कहा कि महिला समूहों के गठन का उद्देश्य केवल बचत, लोन और रिकवरी तक सीमित नहीं था। इसका वास्तविक लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों, रोजगार, कारोबार और नेतृत्व से जोड़ना था। उन्होंने कहा कि महिलाओं को छोटी-छोटी आर्थिक सहायता देकर घर तक सीमित रखना समाधान नहीं है। सरकार को यह बताना चाहिए कि योजनाओं से महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव कितना आया है। उन्होंने कहा कि आजसू का लक्ष्य 'कमाओ दीदी' जैसी व्यवस्था तैयार करना है, जिसके माध्यम से महिलाएं घर से सम्मान के साथ 10 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकें। इसके लिए पूंजी के साथ प्रशिक्षण, बाजार और व्यवसायिक सोच विकसित करना जरूरी है। सुदेश महतो ने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिलाओं की परिवार में निर्णय लेने की क्षमता और सम्मान बढ़ता है। जमीन, बच्चों की शिक्षा और परिवार के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में महिलाओं की बराबर भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड की आधी आबादी महिलाओं की है और यदि उन्हें आजीविका तथा नेतृत्व से जोड़ा जाए तो महिला शक्ति राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन का बड़ा माध्यम बन सकती है। कार्यक्रम में प्रीति कुमारी, सीमा कुजूर, निशा उरांव, सुमन देवी, सरिता देवी, नेहा कच्छप, सुनीता देवी एवं उषा देवी ने भी महिलाओं को वोट बैंक और भीड़ के बजाय नेतृत्व की ताकत के रूप में देखने की जरूरत बताई। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों महिलाओं ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की शुरुआत दिवंगत शिक्षा मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखकर हुई। मौके पर केंद्रीय महासचिव प्रो. रविशंकर मौर्य, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, रांची जिला अध्यक्ष संजय महतो, जिला महिला अध्यक्ष वीणा देवी, कांके प्रखंड अध्यक्ष अमन शहदेव, रूपाश्री गाड़ी समेत कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद की पहल रंग लाई खंभवा में लगा 100 केवीए का ट्रांसफॉर्मर, सांसद प्रतिनिधि सह प्रमुख ने किया उदघाटन

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया।प्रखंड क्षेत्र के खंभवा गांव को लंबे समय से चले आ रहे अंधेरे से मुक्ति मिलने की संभावनाएं है। हजारीबाग़ लोक सभा सांसद मनीष जायसवाल की त्वरित पहल पर गांव में 100 केविए का नया बिजली ट्रांसफॉर्मर स्थापित कर दिया गया है। पुराना ट्रांसफॉर्मर जल जाने के कारण पूरा गांव बिजली संकट से जूझ रहा था और ग्रामीणों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। सोमवार को नए ट्रांसफॉर्मर का विधिवत पूजा-अर्चना कर भाजपा सांसद प्रतिनिधि सह प्रमुख संतोष मंडल, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश पति समेत अन्य समाजसेवीयों ने फीता काटकर उद्घाटन किया गया। बिजली आपूर्ति शुरू होते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों ने राहत की सांस लेते हुए सांसद की इस त्वरित कार्रवाई के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उद्घाटन के दौरान प्रमुख सह सांसद प्रतिनिधि संतोष मंडल, मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह, एमके पाठक, अमरेश सिंह, संतोष सिंह, उपेंद्र सिंह, परमेश्वर यादव, रजनीकांत चौधरी, जितेंद्र मंडल, बैरवा अगेरिया, कन्हाय सिंह, इंद्रदेव सिंह और झमन भुइयां समेत कई स्थानीय लोग मौजूद थे ।

छात्रों के मुद्दे पर भाजपा का चार दिवसीय राज्यव्यापी आंदोलन 8 से

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।JPSC, JSSC-CGL समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली, शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, परीक्षा में गड़बड़ी के दोषियों की गिरफ्तारी और पूरे मामले की CBI जांच की मांग को लेकर भाजपा का चार दिवसीय राज्यव्यापी आंदोलन 8 सितंबर से शुरू होगा। 8 से 11 सितंबर तक राज्य के 24 जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन के साथ डीसी एवं एसपी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर आंदोलन को लेकर जिलावार नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू 8 सितंबर को रांची, 9 सितंबर को सरायकेला और 11 सितंबर को खूंटी में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी 8 सितंबर को दुमका, 9 को पाकुड़, 10 को साहिबगंज और 11 को गोड्डा में मोर्चा संभालेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास हजारीबाग, धनबाद और लोहरदगा में, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा जमशेदपुर, बोकारो और रामगढ़ में तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री समीर उरांव सिमडेगा, गुमला, चाईबासा और गिरिडीह के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ 8 सितंबर को गढ़वा में रहेंगे। इसके अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय, दीपक प्रकाश, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल और पूर्व मंत्री नीरा यादव समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। बाउरी ने कहा कि भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव के माध्यम से राज्य सरकार को छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। इसके बाद पार्टी ने राज्यव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि छात्रों के न्याय की लड़ाई में भाजपा मजबूती से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि 8 सितंबर को रांची, दुमका, हजारीबाग, गिरिडीह, जमशेदपुर और गढ़वा, 9 सितंबर को कोडरमा, साहिबगंज, बोकारो, पलामू, सिमडेगा और चाईबासा, 10 सितंबर को सरायकेला, पाकुड़, धनबाद, गुमला, लातेहार और चतरा तथा 11 सितंबर को रामगढ़, देवघर, लोहरदगा, खूंटी, गोड्डा और जामताड़ा में प्रदर्शन एवं घेराव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बरही में आज से शुरू होगा 'नमो फुटबॉल नॉकआउट मुकाबला, सांसद और विधायक करेंगे उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

बरही (हजरिबाग)।सांसद खेल महोत्सव के तहत बरही प्रखंड मैदान में 8 से 13 सितंबर 2026 तक छह दिवसीय 'नमो फुटबॉल 2026' नॉकआउट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव करेंगे। छह दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की कई प्रमुख टीमें आमने-सामने होंगी. 8 सितंबर उद्घाटन मैच अम्बेदकर क्लब बाराटांड़ बनाम एफसी बुल इलेवन छोटकी केवाल (दोपहर 2 बजे) और दूसरा मैच आर्मी क्लब करगईयो बनाम शिव शक्ति क्लब पुरहरा के बीच खेला जाएगा। 9 से 13 सितंबर रोजाना दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक चार-चार नॉकआउट मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराम केसरी, सचिव रोशन राणा, कोषाध्यक्ष शुभांशु कुमार दुबे सहित संरक्षक जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव व जनप्रतिनिधि तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। समिति ने स्थानीय खेल प्रेमियों और बरहीवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

जमीन पर लिटाकर मरीज को चढ़ा रहे सलाईन, हंटरगंज में झोलाछाप डॉक्टर का खेल

नई सोच एक्सप्रेस

» खुद को एमबीबीएस से कम नहीं समझते हैं श्रीमान, बातों से मक्खन लगाने में माहिर

» सदर अस्पताल के उपाधीक्षक को मिली शिकायत, सिविल सर्जन ने जांच का दिया आदेश

चतरा।हंटरगंज में एक कथित झोलाछाप चिकित्सक द्वारा मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किए जाने का मामला सामने आया है। मामला हंटरगंज के शैलेन्द्र मिश्रा से जुड़ा है, जो मरीजों का इलाज करने से लेकर उन्हें सलाईन चढ़ाने तक का काम करते हैं। हैरानी की बात यह है कि मरीज को बेड तक नसीब नहीं होता और जमीन पर ही लेटाकर सलाईन चढ़ाया जाता है। श्रीमान खुद को किसी एमबीबीएस चिकित्सक से कम नहीं समझते हैं। बातों से मरीज और उनके परिजनों को मक्खन लगाने में भी माहिर बताए जाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किस हैसियत से मरीजों का इलाज किया जा रहा है? मामला आज सोमवार को अचानक तब गरमा गया, जब सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. मनीष लाल को हंटरगंज से ही किसी व्यक्ति ने फोन कर कथित झोलाछाप चिकित्सक शैलेन्द्र मिश्रा द्वारा मरीज को जमीन पर लिटाकर सलाईन किए जाने की सूचना दी। उपाधीक्षक ने तत्काल इसकी सूचना सिविल सर्जन को दी। सिविल सर्जन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हंटरगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वेद प्रकाश को जांच का आदेश दिया। हालांकि, बताया गया कि डॉ. वेद प्रकाश मुख्यालय से दो दिनों के लिए बाहर थे। इसी बीच मामले की भनक मीडिया को लग गई। मीडिया के एक व्यक्ति ने शैलेन्द्र मिश्रा के एक करीबी व्यक्ति को इसकी सूचना दे दी। इसके बाद आनन-फानन में कथित झोलाछाप चिकित्सक शैलेन्द्र मिश्रा ने उक्त मरीज को वहां से हटा दिया। **अब सबसे बड़ा सवाल**:क्या शैलेन्द्र मिश्रा के पास मरीजों का इलाज करने की वैध चिकित्सकीय डिग्री है? अगर डिग्री है तो वह क्या है और किस संस्थान से प्राप्त की गई है? अगर वैध मेडिकल डिग्री नहीं है, तो फिर मरीजों का इलाज करने की अनुमति किसने दी है? प्रशासन ऐसे कथित झोलाछाप चिकित्सकों पर कार्रवाई क्यों नहीं करता? मरीज की जिंदगी से जुड़े इस गंभीर मामले में अब प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर सभी की नजर है। क्योंकि सवाल सिर्फ जमीन पर मरीज को लिटाकर सलाईन चढ़ाने का नहीं, बल्कि बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता के मरीजों का इलाज करने की कथित व्यवस्था और उस पर प्रशासन की चुप्पी का भी है।

पदमा के रिटायर्ड शिक्षक पर गोली चलाने वाला अपराधी 24 घंटे में गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। जिला के पद्मा ओपी क्षेत्र में सेवानिवृत्त शिक्षक रामजय कुमार महथा पर जानलेवा हमला करने वाले अपराधी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक लोडेड इटैलियन पिस्टल, जिंदा कारतूस, मिस फायर गोली, खोखा, मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद किया है। मामला 5 सितंबर 2026 की सुबह का है, जब घर लौटते समय बाइक सवार अपराधियों ने रिटायर्ड शिक्षक रामजय कुमार महथा पर ताबड़तोड़ दो गोलियां चला दी थीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया. एसआईटी ने गुप्त सूचना के आधार पर सिझू गांव से आरोपी कृष्णा महतो उर्फ महेश महतो उम्र 40 वर्ष, निवासी सूरजपुरा, पदमा को उसकी बहन के घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पुराना आपसी विवाद होने के कारण उसने बदला लेने की नीयत से इस घटना को अंजाम दिया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है।

लावालौंग में नशे के कारोबार पर पुलिस का बड़ा वार, 272.750 किलो डोडा बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

» सिलदाग पंचायत के सतिटांड में छापेमारी से मचा हड़कंप, घर में भारी मात्रा में छिपाकर रखा गया था डोडा; NDPS एक्ट में केस दर्ज

लावालौंग (चतरा)।नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लावालौंग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिलदाग पंचायत के सतिटांड गांव में एक घर से 272.750 किलो डोडा बरामद किया है। भारी मात्रा में डोडा बरामद होने के बाद इलाके में नशे के अवैध कारोबार को लेकर पुलिस की कार्रवाई चर्चा में है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सतिटांड से मरगड़ा की ओर जाने वाली सड़क के किनारे सुनसान क्षेत्र स्थित एक घर में भारी मात्रा में डोडा का भंडारण किया गया है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने घर की तलाशी ली, जहां से कुल 15 बोरा में 272.750 किलो डोडा बरामद किया गया। बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लावालौंग थाना कांड संख्या 67/2026, दिनांक 07 सितंबर 2026, के तहत धारा 15(C)/18(B)/27/29 NDPS Act में प्राथमिकी दर्ज की है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई छापेमारी दल में लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार, पुअनि विधायक प्रसाद यादव समेत लावालौंग थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने बरामद डोडा को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। भारी मात्रा में डोडा बरामद होने से सवाल उठ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी खेप सतिटांड तक कैसे पहुंची और इसके पीछे कौन लोग सक्रिय हैं। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है।

ईमानदार कार्यशैली और सख्त कार्रवाई के लिए 'सिंघम' के नाम से मशहूर दीपक कुमार सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड। प्रखंड के पंदनी पंचायत अंतर्गत पिपरा गांव निवासी दीपक कुमार सिंह अपनी ईमानदार कार्यशैली, कर्तव्यनिष्ठा और अपराध के खिलाफ सख्त रवैये के लिए क्षेत्र में अलग पहचान बना चुके हैं। उनकी कार्यशैली को देखते हुए स्थानीय लोग उन्हें प्यार से 'सिंघम' के नाम से भी जानते हैं। जहां-जहां उन्होंने अपनी सेवा दी, वहां उनकी सक्रियता और कर्तव्य के प्रति समर्पण की चर्चा होती रही है। चौपारण थाना में कार्यरत रहने के दौरान दीपक कुमार सिंह ने भ्रष्टाचार एवं बिचौलियों से जुड़े मामलों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में बड़कागांव थाना प्रभारी के पद पर कार्यरत रहते हुए वे अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। विशेष रूप से प्रिंस खान गिरोह के खिलाफ लगातार छापेमारी एवं अभियान चलाने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनकी बेहतर कार्यशैली और सक्रियता को देखते हुए हजारीबाग के SP द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया है। उनकी ईमानदारी, साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण से न केवल मयूरहंड प्रखंड, बल्कि पूरे चतरा जिले का नाम रोशन हो रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि दीपक कुमार सिंह जैसे कर्मठ पुलिस अधिकारी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और उनकी कार्यशैली पुलिस सेवा के प्रति विश्वास को मजबूत करती है।

संक्षिप्त समाचार

विवेक रंजन मैत्रेय ने निदेशक, खेल विभाग के पद पर पदभार ग्रहण किया

पटना। विवेक रंजन मैत्रेय,ने आज निदेशक, खेल विभाग, बिहार के पद पर पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में अपर सचिव के पद पर पदस्थापित थे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री मैत्रेय ने खेल विभाग के वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों से परिचय प्राप्त किया तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति एवं प्राथमिकताओं की समीक्षा की तथा योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। उल्लेखनीय है कि आरिफ अहसन, जो वर्तमान में परिवहन विभाग में पदस्थापित हैं, द्वारा निदेशक, खेल विभाग के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला जा रहा था। उनके कार्यकाल के दौरान खेल विभाग के प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नीतीश कुमार को 13 करोड़ बिहारवासियों की हमेशा रहती है चिंता : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने जारी बयान में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल में हमेशा बिहार के 13 करोड़ लोगों के कल्याण की चिंता रहती है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं पटना के निचले इलाकों में फैले पानी के चलते मुसीबतों में घिरे लोगों का हाल चाल जानने खुद नीतीश कुमार ने कई गांवों का दौरा किया और ताजा हालत की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बाढ़ से घिरे लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार मुसीबत के समय में उनके साथ खड़ी है और उनको राहत पहुंचाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के दौरान उन्होंने अधिकारियों को लोगों तक फौरन समुचित राहत सामग्री पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी से भी बातचीत कर राज्य भर में बाढ़ की वर्तमान हालत की जानकारी ली और पीड़ित लोगों तक जल्द से जल्द राहत सामग्री पहुंचाने की बात कही।

जनशिकायतों का होगा त्वरित समाधान, बनेगा प्रभावी मैकेनिज्मः नीतीश मिश्रा

» नगर कार्यपालक पदाधिकारियों के लिए होगी विशेष कार्यशाला

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने आज विभाग के अंतर्गत तकनीकी सहायता के लिए कार्यरत तकनीकी सहायता समूह द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं विभागीय कार्यों में उनके योगदान की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मंत्री ने विशेष रूप से आम नागरिकों की समस्याओं एवं जनशिकायतों के त्वरित समाधान के लिए सरल, सुगम और प्रभावी व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया।मंत्री ने कहा कि सफाई, स्वच्छता, जलजमाव, कचरा प्रबंधन तथा नगर निकायों से संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए एक तकनीकी रूप से प्रभावी मैकेनिज्म विकसित किया जाए, ताकि आमजन अपनी समस्याओं को आसानी से विभाग के संज्ञान में ला सके। जिससे विभाग द्वारा शिकायतों को त्वरित संज्ञान लेते हुए उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का विजन स्पष्ट है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और लोगों को बेहतर सेवाओं की सहज उपलब्धता हो । इसी विजन के अनुरूप विभाग जनशिकायतों के समाधान को त्वरित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए तकनीक आधारित प्रभावी व्यवस्था विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें शिकायत प्राप्त होने से लेकर उसके समाधान तक प्रत्येक स्तर पर स्पष्ट जिम्मेदारी और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।उन्होंने निर्देश दिया कि जनशिकायतों के समाधान के लिए उच्चस्तरीय प्रभावी सुपरविजन की व्यवस्था विकसित की जाए। शिकायतों की प्रकृति, उनके समाधान में लगने वाले समय तथा बार-बार सामने आने वाली समस्याओं का विश्लेषण कर उनके स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। नीतीश मिश्रा ने राज्य के सभी नगर निकायों के नगर कार्यपालक पदाधिकारियों (एडर) के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाए। मंत्री ने कहा कि शहरी विकास का उद्देश्य केवल आधारभूत संरचनाओं का निर्माण नहीं, बल्कि नागरिकों को बेहतर, सुगम और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना भी है। विभाग की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हुए नगर निकायों की कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाना है।

नगर आयुक्त ने वायु प्रदूषण पर अध्ययन रिपोर्ट का किया विमोचन

पटना। शहरवासियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण वायु उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पटना नगर निगम द्वारा वायु प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों की पहचान एवं उनके नियंत्रण की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। इसी क्रम में सर्दियों के दौरान ठंड से बचाव के लिए खुले में जलाए जाने वाले अलाव से होने वाले वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य जोखिमों को समझने और इसके व्यावहारिक समाधान तलाशने के लिए विशेष अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय वायु दिवस के अवसर पर नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सोमवार को अध्ययन रिपोर्ट का विमोचन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ने विशेषज्ञों के साथ अध्ययन के निष्कर्षों तथा सर्दियों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए आवश्यक उपायों पर विस्तृत चर्चा की।एयर पॉल्यूशन एक्शन ग्रुप के विशेषज्ञों द्वारा पटना नगर निगम के सहयोग से किए गए इस अध्ययन का उद्देश्य सर्दियों में ठंड से बचने के लिए अलाव पर निर्भरता, उससे होने वाले वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को समझना तथा वैकल्पिक एवं सुरक्षित विंटर हीटिंग व्यवस्था की संभावनाओं का अध्ययन करना था। अध्ययन के दौरान आवासहीनों, रात की शिफ्ट में कार्यरत कर्मियों, यात्रियों, स्ट्रीट वेंडर्स एवं बस्तियों में रहने वाले लोगों से बातचीत की गई। इसके अलावा आश्रय स्थलों, स्लम क्षेत्रों, बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थानों का दौरा कर लोगों द्वारा ठंड से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी एकत्र की गई। अध्ययन में सामने आया कि सर्दियों में खुले में जलाए जाने वाले अलाव वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अलाव जलाने के कारण आसपास के वातावरण में पीएम2.5 के स्तर में लगभग 18 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई, जिससे विशेष रूप से संवेदनशील आबादी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में पटना नगर निगम क्षेत्र में गिग वर्कर्स के लिए दो स्थानों पर एसी लाउंज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बैठक में इन सुविधाओं को सर्दियों के दौरान विंटर-रेडी बनाने तथा आवश्यकता के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाने पर भी चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसे सुरक्षित और सुविधायुक्त स्थान सड़कों एवं खुले स्थानों में ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने की आवश्यकता को कम करने में सहायक हो सकते हैं।

सुदिव्य सोनू के निधन के बाद मुख्यमंत्री का गुवा शहीद दिवस कार्यक्रम बदला, केवल श्रद्धांजलि देंगे

नई सोच एक्सप्रेस

पश्चिमी सिंहभूम। कैबिनेट मंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 08 सितंबर को प्रस्तावित गुवा शहीद दिवस कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री अब गुवा पहुंचकर शहीद स्थल पर गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वहीं, गुवा मैदान में प्रस्तावित श्रद्धांजलि सभा, परिसंपत्ति वितरण समेत अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को जारी संयुक्त आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 08 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे रांची स्थित स्टेट हैंगर से हेलीकॉप्टर के जरिए गुवा के लिए रवाना होंगे। उनका हेलीकॉप्टर करीब 1 बजे गुवा सेल हेलीपैड पर उतरेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से गुवा बाजार स्थित शहीद स्थल के लिए रवाना होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री करीब 1:10 बजे शहीद स्थल पहुंचेंगे और गुवा गोलीकांड में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री करीब 1:20 बजे शहीद स्थल से रवाना होंगे और 1:25 बजे बिरसा चौक पहुंचकर माल्यार्पण करेंगे।इसके बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से गुवा सेल हेलीपैड पहुंचेंगे। करीब 1:35 बजे हेलीपैड पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 1:40 बजे हेलीकॉप्टर से रांची के लिए रवाना हो जाएंगे।मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के मद्देनजर इस बार मुख्यमंत्री का गुवा दौरा बड़े सार्वजनिक आयोजन के बजाय संक्षिप्त श्रद्धांजलि कार्यक्रम तक सीमित रहेगा। गुवा मैदान में आयोजित होने वाली श्रद्धांजलि सभा और परिसंपत्ति वितरण सहित अन्य कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी है। गुवा सेल हेलीपैड से शहीद स्थल और बिरसा चौक तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मुख्यमंत्री के आवागमन वाले मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे।

आईआईटी (आईएसएम) ने विकसित किया इनबिल्ट आरओ सिस्टम, पानी की बर्बादी होगी कम

नई सोच एक्सप्रेस

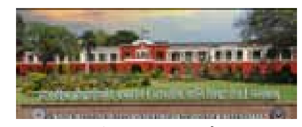

धनबाद। पानी की बढ़ती जरूरत और आरओ सिस्टम से होने वाली पानी की बर्बादी को कम करने की दिशा में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के रिसर्चर्स ने महत्वपूर्ण तकनीक विकसित की है। संस्थान की रिसर्च टीम ने 'इनबिल्ट रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) फिल्टर विद कॉन्सन्ट्रेट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित किया है। इस तकनीक को भारतीय पेटेंट भी मिल चुका है। इसका पेटेंट नंबर 593495 और एप्लीकेशन नंबर 202531036943 है। इस पेटेंट के पेटेंटी आईआईटी (आईएसएम) धनबाद हैं।इस तकनीक का मुख्य उद्देश्य आरओ प्रक्रिया के दौरान निकलने वाले रिजेक्ट या कॉन्सन्ट्रेट पानी की बर्बादी को कम करना और उसका दोबारा उपयोग सुनिश्चित करना है। खास बात यह है कि इस सिस्टम को मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग में पहले से मौजूद वाटर सप्लाई पाइपलाइन के साथ ही जोड़ा जा सकता है।सिस्टम में पंप के माध्यम से पानी दबाव के साथ आरओ यूनिट तक पहुंचता है। वहीं, बहुमंजिला इमारत की ऊंचाई के कारण पाइपलाइन में बनने वाला पानी का दबाव भी आरओ फिल्ट्रेशन प्रक्रिया में मदद करता है। आरओ मेम्ब्रेन पानी को दो हिस्सों में बांटती है। एक तरफ साफ पानी प्राप्त होता है, जबकि दूसरी तरफ रिजेक्ट यानी कॉन्सन्ट्रेट पानी निकलता है।आमतौर पर आरओ सिस्टम से निकलने वाला यह रिजेक्ट पानी नाली में बहकर बर्बाद हो जाता है। लेकिन आईआईटी (आईएसएम) की विकसित तकनीक में इसे दोबारा इस्तेमाल के लिए रूफटॉप टैंक में जमा किया जाता है। बाद में इस पानी का इस्तेमाल सफाई, कपड़े धोने और अन्य घरेलू कार्यों में किया जा सकता है।रिसर्च टीम में प्रो. विवेक बाजपेयी, डॉ. पवन कुमार सिंह, डॉ. माधव रतूड़ी और रिसर्च स्कॉलर प्रिंस आनंद शामिल हैं। यह तकनीक खास तौर पर बहुमंजिला इमारतों में पीने के पानी के शुद्धिकरण के साथ-साथ रिजेक्ट पानी के बेहतर प्रबंधन की दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है।

बाढ़ की स्थिति का मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री लगातार कर रहे मॉनिटरिंग : श्रवण

नई सोच एक्सप्रेस

» बाढ़ पीड़ितों को फौरन राहत पहुंचाना सरकार का पहला लक्ष्य : लेशी

पटना। सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके विधिसम्मत निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल दूरभाष के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय गांधीजी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि हमारी नेता नीतीश कुमार के दिशा निदेर्शों के आधार पर जन सुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिसका मकसद जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों के आधार पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर उनकी समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की जाती है। जन सुनवाई कार्यक्रम का मकसद जनता की समस्याओं को दूर करना एवं उन्हें राहत पहुंचाना है।वहीं बिहार में बाढ़ की वर्तमान स्थिति एवं लोगों को राहत पहुंचाने के मामले पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बाढ़ की स्थिति की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं उपमुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं और बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता मुहैया करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने एवं लोगों की समस्याओं का निदान करने के लिए अधिकारियों को मौके पर तैनात किया गया है। वहीं जन सुनवाई कार्यक्रम में मौजूद मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को त्वरित राहत पहुंचाने को लेकर सरकार मुस्तैद है और उनको राहत पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। राज्य की मौजूदा एनडीए सरकार और प्रशासन के आलाधिकारी बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है।

चंपाई सोरेन की बेटी दुखनी सोरेन ने जयराम महतो के समर्थन में उठाई आवाज

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। राज्य की राजनीति में जयराम महतो को लेकर चल रही बहस के बीच अब पूर्व मंत्री चंपई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन भी उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोमवार को दुखनी सोरेन ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर जयराम महतो के खिलाफ गाली-गलौज के आरोपों के संदर्भ में पुलिस के व्यवहार पर भी सवाल उठाया है।दुखनी सोरेन ने अपने पोस्ट में लिखा है कि यदि जयराम महतो का किसी को गाली देना गलत है, तो उन पुलिसकर्मियों पर भी सवाल उठना चाहिए, जो आदिवासी, मूलवासी और झारखंडियों को कथित तौर पर मां-बहन की गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्दी कानून और सुरक्षा की पहचान है, अपमान और अभद्रता की नहीं। उन्होंने अपने संदेश में झारखंड की जनता के सम्मान का मुद्दा उठाते हुए लिखा कि प्रदेश की जनता सम्मान चाहती है, अपमान नहीं। पोस्ट के अंत में उन्होंने झारखंड में पुलिस व्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।दुखनी सोरेन ने इस मुद्दे को लेकर फेसबुक पर एक पोस्टर भी साझा किया है, जिसमें उनके संदेश को प्रमुखता से रखा गया है। पोस्ट के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक भी लगाया गया है। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है और इसे यूजर्स की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की बात सामने आ रही है।

रक्तदान और मानव सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दरभंगा तारामंडल में हुआ सम्मान, कोसी-मिथिला में खुशी

नई सोच एक्सप्रेस

समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर जरूरतमंदों की मदद करने वाले बनमा ईटहरी प्रखंड के युवा समाजसेवी बिमलेश कुमार भगत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दरभंगा स्थित तारामंडल सभागार में आयोजित 'मिथिला मीट-2026 (फाउंडर मेंबर्स समिट)' में उन्हें रक्तदान, मानव सेवा एवं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। युवा क्रांति सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक बिमलेश कुमार भगत को कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिह्न एवं संस्थापक सदस्य का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। हरियाणा के करनाल से आए पूर्व आर्मी कैप्टन सुरेश सैनी ने उन्हें सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्हें सोशल एक्टिविस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ भारत, नई दिल्ली की बिहार राज्य कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार महथा एवं राष्ट्रीय संरक्षक सुमन कुमार महासेठ के नेतृत्व में किया गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक समाजसेवियों ने भाग लिया। इस दौरान समाजसेवा को और प्रभावी बनाने, सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देने तथा उन्हें एक मजबूत मंच उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। सम्मान की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी बिमलेश कुमार भगत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने की जानकारी सामने आते ही बनमा ईटहरी, सहरसा और कोसी-मिथिला क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताते हुए उन्हें बधाई दी। युवा क्रांति सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संरक्षक खगेश कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि बिमलेश कुमार भगत का सम्मान पूरे संगठन परिवार के लिए गर्व की बात है। उनका समाजसेवा के प्रति समर्पण और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहना युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। वहीं संगठन के संस्थापक सदस्य सुधांशु प्रियदर्शी, सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड अध्यक्ष पंकज निगम, बनमा ईटहरी प्रखंड अध्यक्ष अमर पोद्दार एवं प्रखंड सचिव गुड्डू राज ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से समाज और मानवता की सेवा करने वालों को मिला सम्मान दूसरे युवाओं को भी सामाजिक कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा देता है। बिमलेश भगत का यह सम्मान न सिर्फ उनके व्यक्तिगत प्रयासों की पहचान है, बल्कि बनमा ईटहरी और सहरसा के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है।

सलखुआ प्रखंड मुख्यालय में मिशन कायाकल्प योजना को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित, पंचायतों से मांगी 10-10 योजनाएं

नई सोच एक्सप्रेस

सलखुआ प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मिशन कायाकल्प योजना की सफलता को लेकर सभी विभागों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी बीरेंद्र कुमार ने की।बैठक के दौरान बीडीओ बीरेंद्र कुमार ने योजना की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मिशन कायाकल्प योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रखंड के अंतर्गत आने वाले सभी पंचायतों से अनिवार्य रूप से 10-10 विकास योजनाओं की सूची लिखित रूप में तैयार कर सौंपने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी अभिजीत कुमार, राजस्व अधिकारी सचिन आनंद सहित सभी पंचायतों के पंचायत सचिव , स्वास्थ्य विभाग के कर्मी और आंगनवाड़ी एल.एस.समेत सभी विभाग के पदाधिकारी वो कर्मी मौजूद रहे।

जमशेदपुर में 190 लोको पायलटों को दिया गया आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के इलेक्ट्रिक लोको पायलट ट्रेनिंग सेंटर में सोमवार को रेल सिविल डिफेंस की ओर से लोको पायलटों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दुर्घटना और अन्य आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन और आपदा प्रबंधन से जुड़े जरूरी पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में रांची, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, डांगवापोसी, आद्रा, खड़गपुर, संतरागाछी और टाटानगर से कुल 190 लोको पायलट शामिल हुए।सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर एवं राष्ट्रपति सम्मानित सदस्य संतोष कुमार ने कहा कि आपात स्थिति में घटनास्थल पर मौजूद व्यक्ति को तमाशबीन बनने के बजाय मददगार की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद शुरुआती समय में दिया गया प्राथमिक उपचार घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है। लोको पायलट कई बार दुर्घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचने वालों में होते हैं, इसलिए उन्हें प्राथमिक चिकित्सा का ज्ञान होना जरूरी है।प्रशिक्षण के दौरान लोको पायलटों को ट्रायेज, घायलों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार देने, एंबुलेंस से सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने और गोल्डन आवर में किए जाने वाले जरूरी उपायों की जानकारी दी गई। ट्रायंगुलर बैंडेज से नैरो और ब्रॉड बैंडेज बनाने का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। रक्तस्राव रोकने तथा सिर, ठुड्डी, हाथ, घुटने और छाती में जलने की स्थिति में बैंडेज लगाने की विधि समझाई गई।सीपीआर और अग्निशमन उपकरणों के सुरक्षित इस्तेमाल का मॉक ड्रिल भी कराया गया। डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह और रमेश कुमार ने व्यावहारिक प्रदर्शन किया। महिला लोको पायलटों ने एलपीजी गैस से लगी आग बुझाने के लिए फायर एक्सटिंग्विशर चलाने का अभ्यास किया। प्रशिक्षण में पैसेंजर, मेल-एक्सप्रेस और रिफ्रेशर कोर्स के लोको पायलट शामिल रहे। वरिष्ठ लोको पायलटों ने सिविल डिफेंस टीम के प्रशिक्षण की सराहना की। सिविल डिफेंस के अनुसार, अब तक 20 हजार से अधिक लोको पायलटों को आपदा राहत कार्यों का बहुविषयक प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

टाटा पिगमेंट्स कर्मचारियों के वेतन में 8,600 से 15,000 रुपये तक की मासिक बढ़ोतरी

नई सोच एक्सप्रेस

पूर्वी सिंहभूम। टाटा पिगमेंट्स के कर्मचारियों के लिए सोमवार को वेतन संशोधन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कंपनी परिसर स्थित इंद्रधनुष भवन में प्रबंधन और यूनियन के बीच हुए इस समझौते को सात वर्षों के लिए लागू किया गया है। समझौते की अवधि 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2031 तक निर्धारित की गई है।नए और पुराने दोनों ग्रेड के कर्मचारियों के लिए एक साथ वेतन समझौता किया गया है। समझौते के तहत कर्मचारियों के मासिक वेतन में अधिकतम करीब 8,600 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल 2024 से अगस्त 2026 तक का बकाया एरियर भी कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। इस समझौते से टाटा पिगमेंट्स के कुल 95 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।नए वेतन समझौते में कर्मचारियों को 500 रुपये का एनपीएस कैश अलाउंस भी दिया गया है। इसके अलावा परफॉर्मेंस लिंक्ड रिवार्ड यानी पीएलआर स्कीम लागू की गई है, जिसके तहत कर्मचारियों को अधिकतम 550 रुपये का लाभ मिलेगा। इस राशि में अप्रैल 2027 से और बढ़ोतरी किए जाने का प्रावधान किया गया है।समझौते की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि टाटा पिगमेंट्स के इतिहास में पहली बार औसत रेट ऑफ इंक्रीमेंट यानी ग्रेड स्ट्रक्चर में करीब 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। प्रबंधन और यूनियन ने इसे कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण वेतन संशोधन बताया।समझौते पर प्रबंधन की ओर से प्रबंध निदेशक सरोज कुमार बनर्जी, मुख्य कारखाना प्रबंधक मानित कुमार, प्लांट हेड केएम महाराजा, प्रमुख वित्तीय अधिकारी दिनेश अग्रवाल, मुख्य मानव संसाधन पदाधिकारी अंकिता केविन नटाल, हेड एचआर अतुल कुमार शर्मा, चीफ ऑफ मार्केटिंग एंड सेल्स बीजें पटनायक, फाइनेंस एंड अकाउंट्स से हरेंद्र कुमार राय तथा एचआर ऑफिसर विवेक कुमार ने हस्ताक्षर किए।वहीं यूनियन की ओर से अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष कुलबीर सिंह, सत्यानारायण राव, सह सचिव कमलेश कुमार शर्मा, अनिल प्रसाद, कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर राम ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में कांग्रेस को मजबूत करेंगे सुरजेवाला : बावेजा

कुरुक्षेत्र। किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एडवोकेट मधुसूदन बावेजा ने रणदीप सिंह सुरजेवाला को गुजरात का प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला के अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से गुजरात में कांग्रेस को नई मजबूती मिलेगी। बावेजा ने कहा कि सुरजेवाला ने कर्नाटक में संगठन को मजबूत कर कांग्रेस की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब गुजरात में भी वे प्रदेश अध्यक्ष गोहिल के साथ मिलकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि सुरजेवाला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आएगा और कांग्रेस जनता के मुद्दों को लेकर मजबूती से चुनाव लड़ेगी।

मानवता और निर्भीक पत्रकारिता की बुलंद आवाज हैं दिलशाद एस. खान

मुंबई। महाराष्ट्र की पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में हिंदी दैनिक 'मुंबई हलचल' के संपादक दिलशाद एस. खान ने जनहित और मानवाधिकारों की आवाज को मजबूती से उठाने की पहचान बनाई है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के माध्यम से वे गरीब, लाचार और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। दिलशाद एस. खान पत्रकारों के हितों और अधिकारों के लिए भी आवाज बुलंद करते रहे हैं। सर्वधर्म सम्मान और सामाजिक समरसता के प्रति उनके प्रयासों के कारण विभिन्न वर्गों में उन्हें सम्मान प्राप्त है। 'मुंबई हलचल' के माध्यम से जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना उनकी पत्रकारिता की प्रमुख विशेषता मानी जाती है। उनकी इस सामाजिक और पत्रकारिता सेवा को क्षेत्र के लोगों ने सराहा है।

बॉलीवुड में 26 वर्षों से सक्रिय हैं कोरियोग्राफर इरफान अजीज

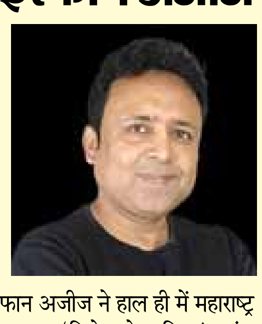

मुंबई। बॉलीवुड में 26 वर्षों से सक्रिय मशहूर कोरियोग्राफर इरफान अजीज ने डांस और कोरियोग्राफी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कई फिल्मों के गानों के अलावा अवॉर्ड शो और बड़े कॉर्पोरेट कार्यक्रमों में भी कोरियोग्राफी की है। उनके उल्लेखनीय कार्यों में 'अटल फैसला' का 'दिल की दीवारों पे' और 'प्यारो बाबुल' का 'झिलमिल सखियां' गीत शामिल हैं। इरफान अजीज ने हाल ही में महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से मुलाकात कर 'सिनेमा के भविष्य', डांस में नए प्रयोग और युवाओं के लिए अवसरों पर चर्चा की। उन्हें AAIWA, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, रोटरी क्लब, राजस्थान फिल्म अवॉर्ड सहित कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इरफान के अनुसार, उनकी एक दक्षिण भारतीय और पांच हिंदी फीचर फिल्मों की कोरियोग्राफी पूरी हो चुकी है, जो 2026-27 में रिलीज के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन नई हिंदी और दो दक्षिण भारतीय फिल्में साइन की हैं, जिनकी शूटिंग अक्टूबर से शुरू होने की संभावना है।

छह प्रमंडलों के जिला अध्यक्षों एवं जिला प्रभारियों की समीक्षा बैठक सदाकत आश्रम में आयोजित

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आज छह प्रमंडलों के सभी जिला अध्यक्षों एवं जिला प्रभारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। बैठक में बिहार कांग्रेस के एआईसीसी प्रभारी कृष्णा अल्लावरू विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति, हर घर झंडा कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति जिला स्तर पर पार्टी की गतिविधियों, बूथ एवं पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जिला अध्यक्षों एवं प्रभारियों से संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए कहा कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने की दिशा में सभी पदाधिकारी पूरी सक्रियता के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ आम लोगों की समस्याओं को मजबूती से उठाना कांग्रेस संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किए बिना किसी भी राजनीतिक लड़ाई को प्रभावी ढंग से नहीं लड़ा जा सकता। इसलिए सभी जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी नियमित रूप से कार्यकतार्ओं के साथ संवाद स्थापित करें तथा संगठन को मजबूत करने के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ें। बैठक में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने भी संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की और जिला अध्यक्षों एवं प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यकतार्ओं के बीच बेहतर समन्वय, संगठन की सक्रियता और जनता से लगातार संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया।

सीएलएनयू और कॉफ्फेड के बीच ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पटना। चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (सीएलएनयू), पटना और बिहार राज्य मत्स्यजीवी सहकारी संघ (कॉफ्फेड), पटना के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते पर सीएलएनयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) फैजान मुस्तफा और कॉफ्फेड के प्रबंध निदेशक ऋषिकेश कश्यप ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयोजित समारोह में सीएलएनयू की ओर से नोडल अधिकारी विश्वम प्रकाश जबकि कॉफ्फेड की ओर से निदेशक-सह-मानव संसाधन प्रबंधक सिमरन और निर्यात प्रबंधक रवि राज उपस्थित रहे। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य बिहार में मत्स्य पालन, मखाना, सिंघाड़ा तथा पारंपरिक मछुआरों की आजीविका से जुड़े क्षेत्रों में कानूनी एवं नीतिगत शोध, संस्थागत सुधार, सहकारी शासन व्यवस्था को मजबूत करना, क्षमता निर्माण तथा साक्ष्य-आधारित सिफारिशें विकसित करने हेतु एक संस्थागत ढांचा तैयार करना है। समारोह के दौरान दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस एमओयू के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिहार में तालाब, आहर, पईन, चौर, मौन, नदी, जलाशय और अन्य जलीय संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं, परंतु संस्थागत विखंडन, अल्प-उपयोग, अतिक्रमण, वैज्ञानिक प्रबंधन की कमी, ऋण एवं बीमा सुविधाओं में कमी तथा प्रसंस्करण एवं विपणन ढांचे की कमजोरी के कारण इस क्षमता का पूर्ण दोहन नहीं हो पाया है। यह एमओयू इन्हीं चुनौतियों के समाधान की दिशा में एक ठोस कदम है। दोनों पक्षों ने इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया कि इस सहयोग का अंतिम लक्ष्य है कृ ष्पारंपरिक मछुआरों को केंद्र में रखकर समावेशी जलीय आर्थिक विकास सुनिश्चित करना, जिससे बिहार मत्स्य उत्पादन, मखाना एवं सिंघाड़ा प्रसंस्करण तथा सहकारी प्रबंधन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन सके।

बेंगलुरु में गूंजा बिहार का गौरव, चार दिवसीय बिहार महोत्सव संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

बेंगलुरु। आर्ट ऑफ लिविंग परिसर में 3 से 6 सितंबर तक आयोजित चार दिवसीय बिहार महोत्सव 2026 में बिहार की लोक संस्कृति, कला, आध्यात्मिक परंपरा और व्यंजनों की झलक देखने को मिली। हजारों लोगों की मौजूदगी में हुए आयोजन में लोकगीत, लोकनृत्य, मधुबनी चित्रकला और पारंपरिक व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। महोत्सव का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर, बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने सदियों से ज्ञान, दर्शन, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। उन्होंने प्रवासी बिहारियों से अपनी जन्मभूमि के विकास में योगदान देने की अपील की। श्री श्री रविशंकर ने बिहार की लोक परंपराओं और मधुबनी कला की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करते हैं। महोत्सव में भोजपुरी गायिका कल्पना सहित लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री ने परिसर की गौशाला, गुरुकुल और साधना स्थल का भ्रमण कर गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा बिहार से जुड़े विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। आयोजन ने प्रवासी बिहारियों को अपनी भाषा, संस्कृति और मिट्टी से भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम किया।

सलावद राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित, डीईओ कार्यालय में हुआ सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

बीकानेर। शिक्षा, सामाजिक व पर्यावरण संरक्षण एवं सह शैक्षणिक गतिविधियां सहित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करने पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीगढ़ बीकानेर के व्याख्याता मोहर सिंह मीना सलावद को द्वितीय राज्य स्तरीय 'शिक्षक गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। सलावद को ये सम्मान मानव जन जागृति सेवा संस्थान जयपुर की ओर से आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान समारोह चौमू, जयपुर में मुख्य अतिथि सुबीर कुमार गुप्ता प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा विभाग, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा, लेखिका डॉ. सुनीता दामिनी गुप्ता, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान के डीईओ रामसिंह मीणा, डीवाईएसपी सोनचंद लाड़ना रहे एवं समारोह की अध्यक्षता संस्थान प्रदेशाध्यक्ष सौदागर ने प्रदान किया। सलावद के राज्य स्तरीय 'शिक्षक गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित होने पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) बीकानेर में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रामगोपाल शर्मा, अतरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लोकेश आत्रेय ने भी सम्मान किया। डीईओ डॉ. शर्मा ने सलावद को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता और राष्ट्र के भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं। सम्मानित हुए व्याख्याता सलावद अपनी निष्ठा, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य से हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। एडीईओ आत्रेय ने कहा कि शिक्षक का सम्मान वास्तव में शिक्षा और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है। इस अवसर पर जय किशन स्वामी शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई, जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी, सुभाष विश्नोई, जिला महामंत्री पवन शर्मा, जिला संरक्षक भंवर लाल आचार्य, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा, धीरज बारहठ, ओमशंकर मौर्य, डूंगरदान, अविनाश आसिया आदि उपस्थित रहें।

15 सितंबर तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो आरटीओ कार्यालय में होगी तालाबंदी, बसें खड़ी कर चाबी अधिकारियों को सौंपेंगे ट्रांसपोर्टर

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (बीटीटीए) के बैनर तले सैकड़ों मोटर मालिकों ने परिवहन विभाग की विभिन्न समस्याओं को लेकर लगभग तीन घंटे तक आरटीओ कार्यालय में बैठक एवं विरोध दर्ज कराया। मोटर मालिकों की समस्याओं को लेकर आरटीओ राघवेंद्र सिंह ने टेलीफोन के माध्यम से लखनऊ स्थित उच्चाधिकारियों से वार्ता की तथा समस्याओं के समाधान के लिए सात दिन का समय मांगा। बीटीटीए प्रवक्ता शशि प्रताप सिंह ने अधिकारियों द्वारा दिए गए लिखित पत्र को स्वीकार करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि 15 सितंबर तक मोटर मालिकों की प्रमुख मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आरटीओ कार्यालय में तालाबंदी आंदोलन किया जाएगा। साथ ही ट्रांसपोर्टर अपनी बसें आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ी कर उनकी चाबी अधिकारियों को सौंपेंगे। बीटीटीए अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि अगले दो दिनों में संभागीय परिवहन आयुक्त एवं कमिश्नर से लखनऊ में मुलाकात कर मोटर मालिकों की समस्याओं के समाधान की मांग रखी जाएगी। यदि वार्ता के बाद भी समाधान नहीं निकला तो सभी मोटर मालिक अपनी बसें आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ी कर चाबी अधिकारियों को सौंपने का निर्णय लेने को मजबूर होंगे। **प्रमुख मांगें:** (1)- मोटर मालिकों की लंबित समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। (2)- परमिट एवं संबंधित परिवहन कार्यों में अनावश्यक देरी समाप्त की जाए। (3)- ऑनलाइन परमिट रिन्युअल की सुविधा तत्काल बहाल की जाए। (4)- परिवहन विभाग में लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। (5)- फिटनेस, परमिट एवं अधिकार पत्र से संबंधित कार्यों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। बीटीटीए ने स्पष्ट किया है कि 15 सितंबर के बाद होने वाले आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी परिवहन विभाग के अधिकारियों की होगी। संरक्षक प्रभाकर पांडेय, संरक्षण विनोद सिंह, उपाध्यक्ष सुनील सिंह, सलाहकार हर्षवर्धन सिंह, उपाध्यक्ष विकास सिंह, उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह उर्फ बंटी, बृजेश सिंह, रोहित सिंह, कोषाध्यक्ष पिंटू श्रीवास्तव, बृजेश यादव, विकास एवं राजन श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर उपस्थित रहे।।

जय राम पब्लिक स्कूल की अध्यापिकाओं और बच्चों ने दी ब्रह्मलीन श्री देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारीजी जी को श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। अध्यात्म के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, गौ संरक्षण और जय राम संस्थाओं की स्थापना करने वाले ब्रह्मलीन श्री देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी जी की पुण्यतिथि जय राम पब्लिक स्कूल लोहार माजरा में श्रद्धा भाव से मनाई गई। प्रार्थना सभा में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर आठवीं कक्षा की छात्रा तमन्ना ने उनके जीवन और सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जन सेवा, धर्म सेवा और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित ब्रह्मचारी जी "सभी मेरे हैं, और मैं सभी का हू ।के सूत्र को अपना कर जीवन पर्यंत समाज सेवा के कार्य में लग रहे । स्कूल प्राचार्या श्रीमती अंजू अग्रवाल जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रद्धेय श्री देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी जी महाराज जी ने सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने में अपने जीवन का सर्वोच्च समर्पित कर दिया ।वह एक सच्चे संत थे ।समाज कल्याण में उन्होंने जो योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता ।

गोवा में 'बिहार डेवलपमेंट समिट 2026' का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

गोवा। लेट्स इंस्पायर बिहार संस्था की ओर से रविंद्र भवन, गोवा में 'बिहार डेवलपमेंट समिट 2026' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आईपीएस आईजी विकास वैभव ने बिहार के विकास पर जोर देते हुए कहा कि 2047 तक बिहार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के समृद्ध राज्यों में शामिल करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्यमिता और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में हो रहे विकास को रेखांकित किया। समिट में बिहार सरकार की उद्योग एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, वास्को विधायक कृष्णा दाजी सालकर, वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी अजीत कुमार, पत्रकार कन्हैया भेलारी, नित्या पाठक, सैयद शमाएल अहमद, नमिता शरण, संजीव लाल समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि अभियान से देश-विदेश में 4.05 लाख से अधिक लोग जुड़े हैं। वक्ताओं ने जाति, संप्रदाय और वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर बिहार में शिक्षा एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। अभियान का लक्ष्य पंचायत स्तर तक उद्यमिता की संस्कृति विकसित कर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। अब अगला 'बिहार @ 2047 विजन कॉन्क्लेव—सीजन 4' 20 दिसंबर 2026 को नागपुर में आयोजित होगा।

सांसद संजय भाटिया ने 'योग का शाश्वत आलोक' पुस्तक का किया विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस

गुरुग्राम। गांव कासन स्थित भक्त पूर्णमल चौरंगीनाथ मंदिर में गोगा नवमी के अवसर पर नाथ त्रिवेणी महोत्सव एवं गोगा उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संजय भाटिया मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान शाश्वत हिंदू संगठन के उपाध्यक्ष एवं अखिल भारतवर्षीय योगीनाथ महासभा के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. योगी अनूप नाथ द्वारा रचित पुस्तक 'योग का शाश्वत आलोक-84 सिद्धों की ज्ञान गंगा' का विमोचन किया गया। सांसद संजय भाटिया ने कहा कि नाथ परंपरा योग के साथ सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण का संदेश देती है। शिक्षाविद डॉ. दिनेश भारती ने कहा कि गोगा जी महाराज के सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए सनातन संस्कृति की रक्षा और देश को विश्व गुरु बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। डॉ. योगी अनूप नाथ ने 84 सिद्धों की ज्ञान परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता जताई। समारोह में संत-महात्माओं, प्रबुद्धजनों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस (क्लीन एयर डे) के अवसर पर अदाणी पावर प्लांट में वृक्षारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

पीरपैंती। अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर अदाणी पावर के प्लांट परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक एस. एन. ठाकुर ने पौधारोपण कर स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्लांट परिसर के अलावा अलग-अलग स्थानों पर लगभग 200 वृक्ष लगाए गए। पौधारोपण के दौरान पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ हवा के महत्व पर जोर दिया गया। इस मौके पर श्री ठाकुर ने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना आवश्यक है। ज्ञात हो कि बढ़ते प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए यूनाइटेड नेशन्स द्वारा प्रत्येक साल 7 सितम्बर को इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई के तौर पर मनाया जाता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान प्लांट हेड राजीव गोयल सहित अदाणी पावर के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मनोज गुप्ता बने भारतीय वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर। भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविप्रकाश अग्रवाल ने कानपुर के समाजसेवी एवं पूर्व पार्षद मनोज गुप्ता को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उद्योगपति सोम चन्द्र गुप्त की अनुशंसा पर की गई। मनोज गुप्ता द्वारा हजारों निर्धन कन्याओं के निःशुल्क सामूहिक विवाह सहित किए जा रहे सामाजिक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पर वैश्य समाज के लोगों और संगठन के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। मनोज गुप्ता ने कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान नहीं, बल्कि समाजसेवा का संकल्प है। वे प्रदेश में वैश्य समाज की एकता, स्वाभिमान और संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविप्रकाश अग्रवाल ने उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में संगठन के और मजबूत होने की उम्मीद जताई। समारोह में डीके गुप्ता, सुशील गुप्ता, शिवम बिश्नोई, मनिन्द गुप्ता, नीरज अग्रहरि, विनोद गुप्ता समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत उपनिरीक्षक संजना सिंह ने छात्राओं को साइबर अपराध व महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

» संदिग्ध लिंक, कॉल और संदेश से रहें सतर्क, अपराध होने पर तत्काल पुलिस की लें मदद - उपनिरीक्षक संजना सिंह

वाराणसी। मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को एमबीएस कॉन्वेंट स्कूल में छात्राओं और महिलाओं को साइबर अपराध व महिला संबंधी अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक संजना सिंह के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल स्नेहा पांडेय और अंजली सोनकर ने छात्राओं को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए और किसी भी तरह के अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता कार्यक्रम में सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, साइबर ठगी से सावधानी और संदिग्ध लिंक, कॉल अथवा संदेश से सतर्क रहने की जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और किसी व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत या बैंकिंग संबंधी जानकारी, ओटीपी अथवा अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी। बताया गया कि आपात स्थिति में 112, महिला संबंधी सहायता के लिए 181, वूमेन पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 पर संपर्क किया जा सकता है। छात्राओं को बताया गया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध अथवा किसी अन्य समस्या की स्थिति में डरने की जरूरत नहीं है तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना देकर पुलिस की सहायता ली जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा अपराध के खिलाफ बिना भय के आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया।।

तीज के मौके पर नई दुल्हन की तरह सजने के लिए क्रिएट करें ये लुक्स

हरतालिका तीज का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और भगवान शिव पार्वती की पूजा करती हैं। इसलिए वो सोलह श्रृंगार करके तैयार होती हैं, ताकि वो व्रत के दिन अच्छी लग सके। इसके लिए आप भी अलग-अलग मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं। जिसे आप एथनिक आउटफिट पर कर सकती हैं। इसमें आप सुंदर लगेंगी।

आंखों का मेकअप करें खास

अगर आपको अपनी आंखे हाइलाइट करना पसंद है, तो इसके लिए आप हरतालिका तीज पर सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव मेकअप अपनी आंखों पर क्रिएट करें। इसके लिए आपको ड्रेस के कलर को ध्यान में रखते हुए कलर्स का इस्तेमाल अपनी आंखों पर करना है। इसे अच्छे से मर्ज करना है। फिर इसमें ग्लिटर लगाएं। अब बोल्ड लाइनर लगाकर मेकअप को कंप्लीट करें। इस तरह के आई मेकअप के साथ अपना मेकअप बेस को सिंपल रखें। इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा।

रेड लिपस्टिक से लुक्स को बनाएं खास

आप मेकअप लुक क्रिएट करने के लिए आंखों के साथ-साथ लिप्स को भी हाइलाइट कर सकती हैं। इस तरह से आपका मेकअप लुक अलग और अच्छा लगेगा। इस तरह के मेकअप के लिए आपको लिप्स पर रेड कलर को अप्लाई करना है, ताकि आप सुंदर और ट्रेडिशनल तरीके से तैयार हुई दिखाई दें। इसके लिए आपको बेस को सिंपल रखना है। माथे पर गोल बड़ी या छोटी लाल बिंदी लगानी है और सिंदूर लगाकर लुक को कंप्लीट करना है। इससे आप सुंदर लगेंगी।

सिंपल न्यूड मेकअप लुक

आप अगर ज्यादा हैवी मेकअप करना पसंद नहीं करती हैं, तो इसके लिए आप न्यूड सिंपल मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं। इस तरह के मेकअप से आपका लुक सबसे अलग और खूबसूरत लगेगा। साथ ही, आप सुंदर दिखाई देंगी। इसमें आपकी आंखें भी बोल्ड नजर आएंगी। लिपस्टिक के लिए आप ब्राउन कलर को अप्लाई करें। साथ में अच्छा हेयर स्टाइल करें और पूजा के लिए तैयार हो जाएं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। हरतालिका तीज पर इन मेकअप लुक को क्रिएट करके आप अच्छी लगेंगी। साथ ही, आपका लुक सबसे अलग दिखाई देगा। इन्हें करने में आपको समय भी कम लगेगा। इससे हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

गणेश पूजा के समय पहनें नौवारी साड़ी

गणेश पूजा बेहद खास होता है। इसे सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में मनाया जाता है। इसलिए हर कोई वहां के ट्रेडिशनल आउटफिट पहनना पसंद करते हैं। त्योहारों पर अच्छे से तैयार होना हम सभी को पसंद होता है। इसी वजह से हम अक्सर अलग-अलग डिजाइन के कपड़ों की खरीदारी करते हैं, ताकि जब तैयार होकर आएं तो हम सुंदर दिखाई दें। इसके लिए आप महाराष्ट्रीयन नौवारी साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में अच्छी लगेंगी। इससे लुक अच्छा लगेगा।

रेड कलर नौवारी साड़ी

आप गणेश उत्सव के मौके पर रेड कलर की नौवारी साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको सिल्क फैब्रिक में हैवी डिजाइन वाली साड़ी मिलेगी। साथ ही, इसका बॉर्डर भी आपको हैवी मिलेगा। इससे आपकी साड़ी सुंदर लगेगी। इस तरह की साड़ी को आप महाराष्ट्रीयन स्टाइल में वियर करें। साथ ही, पहनने के लिए हैवी वर्क वाले ब्लाउज को पहनें। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आप गणेश उत्सव के लिए रेडी हो जाएंगी।

पिंक कलर नौवारी साड़ी

आप पिंक कलर की कॉटन सिल्क साड़ी को खरीदकर गणेश उत्सव में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आपका लुक सबसे अलग और खूबसूरत लगेगा। मार्केट में आप इस तरह की साड़ी रेडी टू वियर ले सकती हैं या खुद भी इसे जाकर बांध सकती हैं। इसमें आप अच्छी नजर आएंगी। इसके साथ आप गोल्ड ज्वेलरी को वियर करें। यह साड़ी के साथ अच्छी लगेगी।

ग्रीन कलर नौवारी साड़ी

गणेश पूजा पर पहनने के लिए ग्रीन कलर की नौवारी साड़ी भी अच्छी लगेगी। इस तरह की साड़ी को आप बॉर्डर के साथ खरीदें, ताकि आपका लुक अच्छा लगे। इसके साथ ही आप ज्वेलरी को वियर करें। नथ पहनना बिल्कुल भी न भूलें। इससे आपका लुक सबसे अलग लगेगा। मार्केट में इस तरह की बॉर्डर साड़ी आपको सिल्क फैब्रिक में मिल जाएगी। इस बार स्टाइल करें नौवारी साड़ी। इसमें आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपका गणेश उत्सव अच्छे से सेलिब्रेट होगा। आपको भी ऐसा लगेगा जैसे आप मुंबई में जाकर गणपति सेलिब्रेट कर रही हैं। साड़ी यह आपको आसानी से मिल जाएगी। साथ ही, आप चाहें तो बंधी-बंधाई साड़ी भी लेकर आ सकती हैं। ऐसे में आपको इसे पहनने में समय भी कम लगेगा। आप पूजा के लिए समय पर तैयार हो जाएंगी।

गणेश पूजा लुक को कंप्लीट करने के लिए पहनें ये महाराष्ट्रीयन नोज पिन

गणेशोत्सव इस साल 7 सितंबर से शुरू होने वाला है। इन दिनों हर कोई अपने घर में बप्पा का आगमन करता है। घर को सजाता है और उनकी पूजा अर्चना करता है। इन दिनों महिलाएं खास तरीके से तैयार होती हैं। हर किसी को पसंद होता है कि वो महाराष्ट्रीयन स्टाइल नौवारी साड़ी और ज्वेलरी को स्टाइल करें। इसमें से सबसे ज्यादा खास होती है नोज पिन जो लुक को कंप्लीट करती है। आप भी अपने लुक को सुंदर बनाने के लिए इस बार गणेश उत्सव पर महाराष्ट्रीयन नोज पिन को स्टाइल कर सकती हैं।

व्हाइट पर्ल महाराष्ट्रीयन नोज पिन

अगर आपको पर्ल डिजाइन वाली ज्वेलरी पहनना पसंद है, तो इसके लिए आप पर्ल वाली नोज पिन को भी खरीदकर साड़ी के साथ वियर कर सकती हैं। इसमें पूरी नोज पिन में पर्ल का वर्क मिलेगा। इसके अलावा बीच में एक छोटा स्टोन मिलेगा। इससे यह नोज पिन पहनने के बाद अच्छी लगेगी। इसमें आप चाहें तो पर्ल को अलग कलर में खरीद सकती हैं। यह ऑप्शन भी आपको मार्केट में मिल जाएगा। इसे आप आर्टिफिशियल खरीदेंगी तो यह आपको 200 से 300 रुपये में मिल जाएगी।

मोर डिजाइन वाली महाराष्ट्रीयन नोज पिन

आप डिजाइन में चेंज करके मोर डिजाइन वाली महाराष्ट्रीयन नोज पिन को खरीद सकती हैं। इसमें आपको ऊपर की तरफ मोर के फेस का डिजाइन मिलेगा। इसमें आपको बीच में स्टोन वर्क मिलेगा, जो गोल्ड पर अच्छा लगेगा और नीचे की तरफ छोटे-छोटे मोती मिलेंगे। इससे जब आप इसे वियर करेंगी तो अच्छी लगेंगी। इस तरह की नोज पिन भी मार्केट में आर्टिफिशियल मिल जाती है। जिसे वियर करके आपका लुक महाराष्ट्रीयन जैसा लगेगा।

ऑक्सीडाइज्ड महाराष्ट्रीयन नोज पिन

आप अगर सूट या इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ नोज पिन पहनना चाहती हैं, तो इसके लिए इस तस्वीर में दिखाई गई नोज पिन को वियर कर सकती हैं। महाराष्ट्रीयन नोज पिन ऑक्सीडाइज्ड में भी अच्छी लगती है। साथ ही, इसमें लुक भी सुंदर लगता है। इस तरह की नोज पिन में आपको एक स्टोन और थोड़े से मोती के डिजाइन मिल जाते हैं।

हरतालिका तीज के मौके पर पैरों की शोभा बढ़ाएंगी पायल की ये खूबसूरत डिजाइंस

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाना हम सभी चाहते हैं और इसके लिए हम आए दिन नए से नए ट्रेंडिंग चीजों को स्टाइल करना पसंद करते हैं। वहीं त्योहारों के खास मौके पर हम सभी ट्रेडिशनल वियर पहनते हैं।

ऐसे में हरतालिका तीज आने वाली है और इस मौके पर हम सजना-संवरना पसंद करते हैं व पति की लम्बी आयु के लिए व्रत भी रखते हैं। इस मौके पर पैरों में भी पायल को पहना जाता है। इसमें आपको अलग-अलग पैरों की शेप के अनुसार डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। तो आइये देखते हैं पायल की नई डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन पायल को स्टाइलिश लुक देने के आसान टिप्स-

मल्टी कलर डिजाइन

पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए आप रंग-बिरंगी पायल को पैरों में पेन सकते हैं। देखने में यह जितनी खूबसूरत नजर आती है, उतना ही यह लगभग सभी तरह के कलर वाले कपड़ों के साथ में बेस्ट नजर आने का काम करती है।

डोली डिजाइन पायल

हैवी डिजाइन की पायल पैरों में पहनना चाहती हैं तो इस तरह की रंग-बिरंगी डोली वाले डिजाइन को चुन सकती हैं। देखने में इस तरह की पायल आपके पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेगी। इसमें आपको कुंदन डिजाइन में मैरून, रेड और ग्रीन कलर सबसे ज्यादा देखने को मिल जाएंगे। शादी या किसी त्योहार के लिए साड़ी के साथ में इस पायल को पहना जा सकता है।

हैवी स्टोन वर्क पायल डिजाइन

मॉडर्न डिजाइन की पायल ढूंढ रही हैं तो इस तरह की बारीक साइज के स्टोन वाली पायल आपके लिए बेस्ट साबित हो सकती है। इसमें आपको कई सारे स्टोन वाले कलर्स देखने को मिल जाएंगे। आप चाहें तो इसमें अपने हिसाब से भी पेस्टल या डार्क कलर्स की पायल का डिजाइन अपने लिए कस्टमाइज करवा सकती हैं।

घुंघरू डिजाइन पायल

घुंघरू के डिजाइन पायल में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। घुंघरू की आवाज को शुभ माना जाता है। वहीं इस तरह की पायल में सबसे ज्यादा आपको असली सिल्वर में कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। ज्यादातर इसमें फैंसी लुक के लिए चौड़े डिजाइन की पायल को पहना जाता है। वहीं डेली वियर या सिंपल लुक के लिए इसमें आपको हर तरह की चौड़ाई में अलग-अलग डिजाइन का कलेक्शन देखने को मिल जाएगा।

गणेश उत्सव में पहनें बांधनी कुर्ती के ये डिजाइंस

कुर्ती को आप प्लाजो और पैन्ट्स के अलावा जीन्स के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। इसके अलावा चाहें तो कस्टमाइज किया हुआ सूट लुक भी तैयार कर सकती हैं। हम सभी आए दिन अपने वार्डरोब में कई तरह के बदलाव करते रहते हैं। ऐसे में बदलते फैशन के दौर में कुर्ती पहनना काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं गणेश उत्सव आने वाला है। इस मौके पर कुर्ती में फैंसी लुक पाने के लिए आप बांधनी कुर्ती डिजाइन चुन सकती हैं।

बांधनी कुर्ती सबसे ज्यादा जयपुर और गुजरात में पहनी जाती है। तो आइये देखते हैं गणेश उत्सव में पहनने के लिए बांधनी कुर्ती के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन कुर्तियों को आकर्षक लुक देने के लिए आसान टिप्स-

कलीदार बांधनी कुर्ती डिजाइन

बांधनी में फैंसी और फॉक स्टाइल कुर्ती ढूंढ रही हैं तो अनारकली कालिदार कुर्ती आपके लिए बेस्ट रहेगी। इसमें आपको कई फैंसी गोटा-पत्ती से लेकर हैवी नेकलाइन या स्टाइलिश स्लीव्स के डिजाइन में कई कुर्ती देखने को मिल जाएगी। कुर्ती को आप ड्रेस की तरह भी पहन सकते हैं और चाहें तो साथ में चूड़ीदार पजामी भी पहन सकती हैं। देखने में यह लुक काफी आकर्षक नजर आएगा।

स्लीवलेस डिजाइन

खुद फैब्रिक खरीदकर कुर्ती सिलवाना चाहती हैं और स्टाइलिश भी दिखना चाहती हैं तो इस तरह की स्लीवलेस कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। यह देखने में बेहद मॉडर्न लुक देने में मदद करेगी। आप चाहें तो फैंसी लुक के लिए कुर्ती की साइड और बैक में डोरी के साथ में हैवी लटकन लगवा सकती हैं।

फंट स्लिट कट बांधनी कुर्ती डिजाइन

अगर आप कुर्ती को जीन्स के साथ में पहनना चाहती हैं और इंडो-वेस्टर्न लुक में कुर्ती को स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह की फंट स्लिट वाली स्लिट कुर्ती को पहन सकती हैं। इस तरह का कुर्ती लुक कॉलेज जाने से लेकर किसी छोटे-बड़े फंक्शन के लिए आप ट्राई कर सकती हैं। स्टाइलिश लुक के लिए फुटवियर में आप पंजाबी जूती को स्टाइल करें।

हर रंग की चूड़ी के साथ अच्छे लगेंगे कंगन के ये लेटेस्ट डिजाइंस

हरतालिका तीज के मौके पर आप कंगन के इन लेटेस्ट डिजाइंस को पहनें। ये हर रंग की चूड़ियों के साथ खूबसूरत लगेंगे और आपके हाथों की शोभा बढ़ाएंगे।

भारत तीज-त्योहारों का देश है। एक के बाद एक त्योहार आकर जीवन में रंग भर देते हैं। हरियाली तीज, रक्षाबंधन, कजरी तीज और जनमाष्टमी के बाद, अब हरतालिका तीज का त्योहार आने वाला है। त्योहार यूं तो सभी के लिए खास होते हैं। लेकिन, खासकर महिलाएं त्योहार के मौकों पर सजने-संवरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। साड़ियां हों या फिर ज्वेलरी, महिलाएं, त्योहारों पर सोलह-श्रृंगार करना पसंद करती हैं। खासकर, हाथों में चूड़ियां और कंगन पहनना, शादीशुदा महिलाओं को खूब भाता है। यहां हम आपको कंगन के कुछ ऐसे डिजाइंस दिखा रहे हैं, जिन्हें आप हरतालिका तीज के मौके पर पहन सकती हैं। ये आपके हाथों की शोभा बढ़ाएंगे और हर रंग की चूड़ियों के साथ खूबसूरत लगेंगे। ज्यादातर महिलाएं, हरतालिका तीज पर मेहंदी लगाना पसंद करती हैं। ऐसे में मेहंदी लगे हाथों में चूड़ियों के साथ कंगन के ये डिजाइंस आपको लुक को और आकर्षक बनाएंगे।

फ्लोरल डिजाइन कंगन

फूल-पत्ती और कलियों वाले डिजाइन के कंगन, प्लेन चूड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत लुक देने का काम करते हैं। इसमें आपको सिंपल स्टोन वर्क से लेकर सिल्वर ज्वेलरी तक, कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसमें आपको अपनी पसंद के और साड़ी या सूट के साथ मैचिंग कई कलर्स देखने को मिल जाएंगे। आप चाहें तो अपनी ड्रेस से मिलते-जुलते कलर कॉम्बिनेशन को मिक्स करके सेट तैयार कर सकती हैं। ये कंगन किसी भी रंग की चूड़ी के साथ खूब फबेंगे। मार्केट में आपको इससे मिलते-जुलते कंगन 200-300 रुपये के पियर तक में मिल सकते हैं।

जरकन कंगन डिजाइन

ज्वेलरी में स्टोन वर्क को हमेशा पसंद किया जाता है। इसमें आप बारीक डिजाइन वाले इन जरकन वाले कंगन को पहन सकती हैं। अगर आपके हाथ भारी हैं तो इसमें आप चौड़े डिजाइन चुन सकती हैं। इसमें आपको लटकन और चेन में भी कई फैंसी कंगन डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। ये कंगन प्लेन चूड़ियों के साथ बहुत अच्छे लगेंगे। अगर आप चूड़ी नहीं पहन रही हैं, तो इस तरह के कंगन आपको बिना चूड़ी के भी हैवी लुक देने में मदद कर सकते हैं। आजकल इस तरह के कंगन में लटकन वर्क भी काफी पसंद किया जाने लगा है।

पर्ल कंगन डिजाइन

पर्ल वर्क ज्यादातर सटल और पेस्टल कलर की ड्रेस के साथ बेस्ट लुक देता है। पर्ल ज्वेलरी हमेशा ट्रेंड में रहती है और इसे अलग-अलग तरीके से स्टाइल किया जा सकता है। आजकल इसमें आपको ग्रीन और मैरून स्टोन डिजाइन में भी मिल जाएंगे। इस तरह के कंगन हर कलर की चूड़ियों के साथ आपको परफेक्ट लुक देंगे। अगर आप लाल और हरे रंग की चूड़ियां पहन रही हैं, तो कंट्रास्ट में पर्ल कंगन काफी खूबसूरत लगेंगे।

सलमान खान की एसवीसी 63 को मिल गया शीर्षक, द मॉन्स्टर होगा फिल्म का नाम

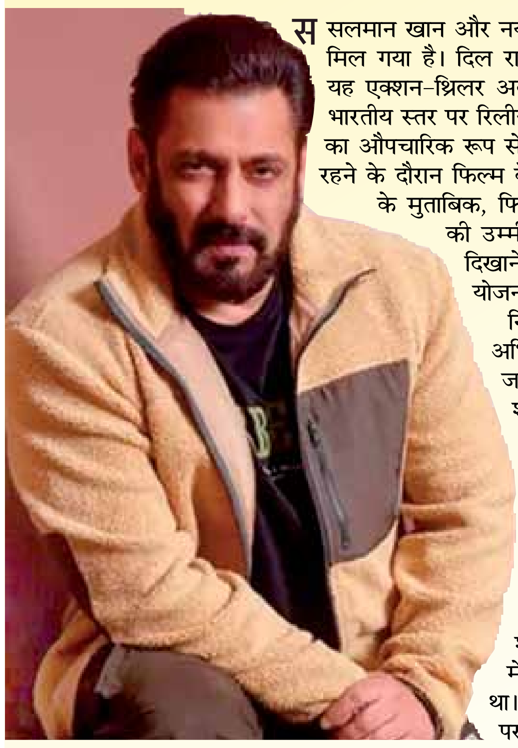

स सलमान खान और नयनतारा की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसवीसी 63 को शीर्षक मिल गया है। दिल राजू द्वारा निर्मित और वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित यह एक्शन-थ्रिलर अब द मॉन्स्टर के नाम से जानी जाएगी। इसे अखिल भारतीय स्तर पर रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के शीर्षक का औपचारिक रूप से ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन निर्माण कार्य जारी रहने के दौरान फिल्म के लिए द मॉन्स्टर नाम तय कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म निर्माण का कार्य आने वाले समय में जारी रहने की उम्मीद है। निर्माता आधिकारिक शीर्षक और पहला लुक दिखाने से पहले एक व्यापक प्रचार अभियान चलाने की योजना बना रहे हैं।

निर्माताओं ने पहले ही संकेत दिया था कि सलमान अभिनीत इस एक्शन-थ्रिलर को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। टीम का लक्ष्य अक्टूबर, 2026 तक शूटिंग को खत्म करना है। इसके अलावा, सलमान और नयनतारा के किरदारों को भी गुप्त रखा जा रहा है। द मॉन्स्टर को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। यह निर्माता, निर्देशक और सलमान के बीच का पहला सहयोग है। यही नहीं, लेडी सुपरस्टार नयनतारा भी इसके जरिए पहली बार सलमान के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं। इससे पहले उन्हें शाहरुख खान की हिंदी फिल्म जवान (2023) में देखा गया था, जिसका निर्देशन एटली ने किया था। बता दें, द मॉन्स्टर ईद, 2027 पर विश्व स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा
यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला

ब बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है। नैला ग्रेवाल ने फिल्म राका की हिंट देते हुए कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है। अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, राका भी बहुत बढिय़ा फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है। एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

नयनतारा की दूसरी बॉलीवुड फिल्म

'जवान' में शाहरुख खान के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार डेब्यू करने वाली लेडी सुपरस्टार नयनतारा अब सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रही हैं। 'द मॉन्स्टर' नयनतारा की दूसरी हिंदी फिल्म होगी। 'जवान' में उनके दमदार एक्शन और अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ऐसे में पहली बार पर्दे पर सलमान और नयनतारा की यह नई जोड़ी देखने के लिए फैंस के बीच अभी से काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। दक्षिण सिनेमा के दिग्गज निर्माता दिल राजू (श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स) और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली पहली बार सलमान खान के साथ किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। वामशी पेडिपल्ली इससे पहले विजय स्टारर 'वारिसु' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं। साउथ के बड़े मेकर्स और सलमान खान का यह त्रिकोण (Collaborations) फिल्म को पैन-इंडिया स्तर पर एक बड़े विजन के साथ पेश करने की तैयारी में है। सलमान खान के फैंस के लिए ईद हमेशा से खास रही है, और मेकर्स ने भी इस फिल्म की रिलीज के लिए ईद 2027 का समय चुना है। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2026 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके बाद एक लंबे और बड़े स्तर पर प्रमोशन कैंपेन की शुरुआत की जाएगी।

प्रियंका ने पोस्ट किया पुरानी यादों का खूबसूरत मोंटाज वीडियो

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने निजी जीवन के बारे में एक दिलचस्प और रोमांटिक बात साझा की है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने उस यादगार गर्मी को याद किया, जब उन्होंने अपने पति, अमेरिकी गायक निक जोनस को अपना नंबर दिया था, जो उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इंस्टाग्राम पर प्रियंका चोपड़ा ने एक खूबसूरत मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनके और निक जोनस के शुरुआती दिनों, उनकी यात्राओं और परिवार के साथ बिताए यादगार पलों की झलकियां शामिल थीं। उन्होंने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन लिखा, ओह हां! मुझे याद है वो गर्मी, जब मैंने तुम्हें अपना नंबर दिया था लगभग : गर्मी 2017 साउंड ऑन न्यू सॉन्ग आउट नाउ। यह कैप्शन उनके प्रशंसकों को एक पुराने, मीठे पल में ले गया, जब उनके रिश्ते की नींव रखी जा रही थी। इस वीडियो में गोवा में फैमिली हॉलिडे की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें प्रियंका की छोटी बहन और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार के दूसरे सदस्य एक साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रहे थे। परिणीति चोपड़ा ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, वाह, वह गोवा ट्रिप बहुत ही खास थी, जिससे उस पल की महत्ता और भी बढ़ गई।

'डोंट बी शाय' का पहला गाना रिलीज

म मनोरंजन जगत में इन दिनों कई नई और ताजगी से भरी फिल्मों की चर्चा जोरों पर है। इसी कड़ी में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट के सहयोग में बन रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डोंट बी शाय' का पहला आधिकारिक ट्रैक 'झूमो' रिलीज कर दिया गया है।

संगीत कंपनी टी-सीरीज के आधिकारिक प्लेटफॉर्म्स पर प्रस्तुत किया गया यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया और म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप्स पर ट्रेंड करने लगा है। यह गाना सिर्फ एक पार्टी ट्रैक भर नहीं है, बल्कि फिल्म की मुख्य थीम यानी एक कमिंग-ऑफ-एज कहानी को संगीत के बेहद खूबसूरत और ऊर्जावान माध्यम से आगे बढ़ाता है। गाने की शुरुआत ही हाई-एनERGY बीट्स और मस्ती भरे संगीत के साथ होती है, जो सुनते ही दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देती है। गाने का विजुअल प्रजेंटेशन बेहद आकर्षक, रंगीन और जीवंत है। इसमें इस्तेमाल किया गया रेट्रो फैशन, वाइब्रेंट कलर्स और शानदार सेट डिज़ाइन इसे एक बेहद कूल और ट्रेंडी लुक देते हैं। पूरे गाने के जरिए जवानी के उस दौर, बेफिक्री और अनपेक्षित पलों को दिखाया गया है, जहां इंसान बिना किसी झिझक के खुलकर जीना चाहता है। 'झूमो' में दोस्तों के साथ बिताए जाने वाले उन अनमोल और मस्ती भरे पलों को केंद्र में रखा गया है। यह ट्रैक यह संदेश देता है कि जिंदगी की उलझनों को ज्यादा गंभीरता से लेने के बजाय, दोस्तों के साथ हर पल का खुलकर आनंद लेना चाहिए। गाने की कोरियोग्राफी और कलाकारों की ऊर्जा इतनी शानदार है कि यह हर उम्र के दर्शकों, खासकर युवाओं के दिल को तुरंत छू लेती है। फिल्म के इस पहले धमाकेदार ट्रैक 'झूमो' को भारत के दिग्गज संगीतकार राम संपत ने तैयार किया है। राम संपत हमेशा से अपने अलग, प्रयोगात्मक और ऊर्जावान संगीत शैली के लिए जाने जाते हैं। इस गाने में भी उन्होंने आधुनिक बीट्स के साथ देसी मस्ती का ऐसा तड़का लगाया है जो किसी को भी झुमाने के लिए काफी है।

गाने के बोल राम संपत और देवांश वैद्य ने मिलकर लिखे हैं। लिरिक्स बेहद आसान, कैची और मस्ती से भरे हैं, जो सीधे युवाओं के मूड से जुड़ते हैं। गाने की लय ऐसी रखी गई है कि यह तुरंत पब, क्लब, पार्टीज और डांस फ्लोर्स का नया एंथम बनता हुआ नजर आ रहा है। गाने के निर्माण और इसकी तैयारियों के बारे में बात करते हुए प्रसिद्ध संगीतकार राम संपत ने बताया कि 'झूमो' को तैयार करने का मुख्य मकसद जिंदगी के उन छोटे-छोटे पलों में मिलने वाली खुशी को सेलिब्रेट करना है, जिन्हें हम अक्सर भागदौड़ भरी जिंदगी में नजरअंदाज कर देते हैं। उनका मानना है कि जब इंसान अपनी सभी चिंताओं को छोड़कर सिर्फ वर्तमान में जीता है और संगीत की धुन पर थिरकता है, तो वही सच्ची खुशी होती है। यही सोच इस गाने के हर नोट और हर बीट में स्पष्ट रूप से महसूस की जा सकती है। आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट की इस फिल्म 'डोंट बी शाय' को लेकर इंडस्ट्री और दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म की कहानी आज की युवा पीढ़ी की मानसिकता, उनके रिश्तों, आत्म-खोज और समाज की बंदिशों को तोड़कर आगे बढ़ने की यात्रा को दर्शाती है। गाना 'झूमो' इस फिल्म की इसी युवा और बेफिक्र दुनिया की एक बेहद खूबसूरत झलक पेश करता है। जिस तरह से टी-सीरीज ने इस गाने को प्रमोट किया है और राम संपत के संगीत ने इसमें जान फूंकी है, उसने फिल्म को लेकर दर्शकों के उत्साह को दोगुना कर दिया है। कुल मिलाकर, 'डोंट बी शाय' का गाना 'झूमो' अपने नाम की ही तरह दर्शकों को झुमाने, खुशियां बांटने और बेफिक्र होकर जिंदगी जीने का एक खूबसूरत संदेश देता नजर आ रहा है। यह गाना आने वाले दिनों में म्यूजिक चार्टबस्टर्स पर राज करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तय समय पर ही रीलिज होगी रजनीकांत की जेलर 2

पि पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर ने धमाल मचाया था। इस फिल्म ने कमाई के भी नए रिकॉर्ड बनाए। रजनीकांत के फैंस अब इसके सीक्वल जेलर 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर पिछले कुछ समय से तरह-तरह की खबरें सामने आ रही थीं। हाल ही में अफवाहें फैल गई थीं कि जेलर 2 की रिलीज को टाल दिया गया है, जिससे फैंस में थोड़ी मायूसी छा गई थी। हालांकि, अब मेकर्स ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है और साफ कर दिया है कि जेलर 2 तय समय पर ही रिलीज होगी। दरअसल, फिल्म बड़े पैमाने पर बन रही है, लेकिन इसके प्रमोशन को लेकर मेकर्स ने काफी चुप्पी साध रखी थी, जिसकी वजह से ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि फिल्म की रिलीज में देरी हो सकती है। लेकिन अब प्रोडक्शन कंपनी सिने पिक्चर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा करते हुए बताया है कि जेलर 2 दुनिया भर में 15 अक्टूबर, 2026 को ही रिलीज होगी। इस बहुप्रतीक्षित रिलीज डेट की पुष्टि के लिए एक शानदार नया पोस्टर भी जारी किया गया है। सिने पिक्चर्स ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर जेलर 2 का यह पोस्टर साझा किया, जिसमें रजनीकांत एक बेहद इंटेंस और दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में एक पिस्टल दिख रही है, जो उनके किरदार की गंभीरता और एक्शन से भरपूर भूमिका का संकेत दे रही है। पोस्टर पर फिल्म की रिलीज डेट 15 अक्टूबर साफ तौर पर मेंशन है। पोस्टर के साथ तमिल में 15 अक्टूबर अलप्पारा केलाप्पुरम कैप्शन लिखा गया है, जिसका हिंदी में अर्थ है 15 अक्टूबर को हंगामा मचाना। यह कैप्शन बताता है कि सुपरस्टार की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर बड़ा धमाल करने को तैयार है। मेकर्स धीरे-धीरे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। हाल ही में, फिल्म से पूर्णा और रजनीकांत पर फिल्माया गया अला बोलेलो गाना भी रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। रिलीज की तारीख कंफर्म होने के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है और अब वे फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रजनीकांत की पिछली फिल्म की सफलता को देखते हुए, जेलर 2 से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं, और माना जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

सूटकेस का चयन करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

सू सूटकेस एक अहम यात्रा से जुड़ी वस्तु है। सही सूटकेस चुनना आपकी यात्रा को आरामदायक और सुविधाजनक बना सकता है। आजकल बाजार में कई तरह के सूटकेस उपलब्ध हैं, जिनमें से सही का चयन करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही सूटकेस चुन सकते हैं। ये सुझाव न केवल आपके सामान को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि यात्रा को भी आरामदायक बनाएंगे।

आकार और वजन पर ध्यान दें: सूटकेस का आकार और वजन बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हवाई यात्रा करते हैं तो हल्का और मध्यम आकार का सूटकेस सबसे अच्छा होता है, क्योंकि एयरलाइन कंपनियां अक्सर वजन सीमा निर्धारित करती हैं। इसके अलावा मध्यम आकार का सूटकेस आसानी से कैरी ऑन या चेक-इन किया जा सकता है। अगर आप सड़क यात्रा पर जा रहे हैं तो बड़ा सूटकेस चुन सकते हैं, जिसमें ज्यादा सामान आ सकता है।

सामग्री की गुणवत्ता जांचें: सूटकेस की सामग्री भी बहुत जरूरी होती है। प्लास्टिक, कपड़ा या चमड़ा, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है। प्लास्टिक सूटकेस हल्के होते हैं, लेकिन जल्दी टूट सकते हैं। कपड़े वाले सूटकेस मजबूत होते हैं, लेकिन गंदे हो सकते हैं। चमड़े वाले सूटकेस आकर्षक होते हैं, लेकिन महंगे भी होते हैं। इसलिए, अपनी जरूरत के हिसाब से सामग्री का चुनाव करें, ताकि आपका सामान सुरक्षित रहे और यात्रा भी आरामदायक हो सके।

पहियों की गुणवत्ता देखें: सही पहिये वाला सूटकेस चुनना बेहद जरूरी है, ताकि आप उसे आसानी से घुमा सकें। दोहरे या तिहरे पहियों वाले सूटकेस सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये हर दिशा में आसानी से चल सकते हैं। इसके अलावा पहियों की गुणवत्ता भी देखें, ताकि वे जल्दी खराब न हों और लंबे समय तक चल सकें। अच्छे पहिये वाला सूटकेस आपकी यात्रा को आरामदायक बना सकता है और आपको किसी भी स्थान पर पहुंचाने में मदद करेगा। सुरक्षित ताले वाला सूटकेस चुनना बहुत अहम है, ताकि आपका सामान चोरी होने से बचा रहे। तिहरा सुरक्षा ताला या कोड लॉक सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इन्हें खोलना मुश्किल होता है। इसके अलावा ताले की गुणवत्ता भी जांचें, ताकि यह लंबे समय तक टिक सके और आपके सामान को सुरक्षित रख सके। एक अच्छा ताला आपके यात्रा अनुभव को और भी सुरक्षित बना सकता है और आपको मानसिक शांति प्रदान करता है। अतिरिक्त विशेषताओं पर गौर फरमाएं: कुछ सूटकेस में अतिरिक्त विशेषताएं, जैसे कि चार्जिंग पोर्ट और बढने वाला हैंडल आदि शामिल होते हैं, जो यात्रा को और भी सुविधाजनक बना सकते हैं। अगर आप लंबे समय तक यात्रा करते हैं तो ये विशेषताएं आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए सबसे अच्छा और सही सूटकेस चुन सकते हैं, जो आपकी यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाएगा।

डूरंड कप चैंपियन ईस्ट बंगाल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सौंपी प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में डूरंड कप-2026 की विजेता टीम ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को प्रेसिडेंट्स कप की ट्रॉफी सौंपी। ईस्ट बंगाल ने अगस्त में खेले गए 135वें डूरंड कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह ईस्ट बंगाल का डूरंड कप में 17वां खिताब था। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने सबसे ज्यादा डूरंड कप खिताब जीतने के मामले में मोहन बागान की बराबरी कर ली।

विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए फाइनल में ईस्ट बंगाल की ओर से थ्लिबाम बिपिन सिंह ने 10वें मिनट में, जबकि एडमंड लालरिंदिका ने 12वें, 22वें और 44वें मिनट में गोल किए। एडमंड ने हैट्रिक पूरी की। मोहन बागान की ओर से एकमात्र गोल मनवीर सिंह ने 33वें मिनट में किया था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मू ने डूरंड कप टूर्नामेंट-2026 की प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी विजेता ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को सौंपी। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी के अध्यक्ष और थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन सहित सोसाइटी के पदाधिकारी और ईस्ट बंगाल के खिलाड़ी मौजूद रहे। तीनों सेनाओं की ओर से आयोजित डूरंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी जीवित फुटबॉल प्रतियोगिता है। वर्ष 1888 में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट भारत की सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिताओं में शामिल है और स्थापित खिलाड़ियों, उभरती प्रतिभाओं तथा सर्विसेज टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। डूरंड कप के 135वें संस्करण में कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया था। इनमें श्रीलंका की सशस्त्र सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली एक विदेशी टीम भी शामिल थी। इसके साथ ही टूर्नामेंट ने भारतीय क्लबों, सर्विसेज टीमों और अंतरराष्ट्रीय टीमों को एक मंच पर लाने की अपनी परंपरा को जारी रखा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित, लाबुशेन पर फिर जताया भरोसा

एजेंसी, सिडनी

बांग्लादेश के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 अक्टूबर से शुरू होगी। यह 2018 के विवादित दौरे के बाद पहली बार होगा जब ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी। लाबुशेन को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में केवल 1, 31 और 4 रन बनाने के बावजूद टीम में जगह मिली है। उनका आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में आया था। ऑस्ट्रेलिया ने

उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन पर भरोसा बरकरार रखा है। ऑस्ट्रेलिया ने टीम में युवा ऑलराउंडर कूपर कोनोली को भी शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था और उनके नाम अभी सिर्फ एक टेस्ट मैच है। मैथ्यू कुह्नेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में जगह मिली है। कुह्नेमैन बाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को अतिरिक्त स्पिन विकल्प प्रदान करेंगे। वहीं, नेसर अपनी ऑलराउंड क्षमताओं के कारण दक्षिण अफ्रीका में उपयोगी साबित हो सकते हैं। पिंडली की चोट के कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। 2025-26 की एशेज श्रृंखला में तीन मैचों में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले नेसर के अपने जन्म के देश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के सलामी जोड़ीदार के रूप में मैथ्यू रेनशॉ को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद रेनशॉ ने जेक वेदराल्ड की जगह ली थी। पिछले घरेलू सत्र में शेफील्ड शील्ड के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज रहे रेनशॉ ने 10 पारियों में तीन शतक लगाए थे। मैके टेस्ट की एकमात्र पारी में वह आठ रन पर आउट हुए, लेकिन चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें फिर मौका दिया है।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने मार्क कोल्स

एजेंसी, हरारे

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से कोल्स अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दोनों देशों की महिला टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी। न्यूजीलैंड के कोल्स इससे पहले पाकिस्तान और स्कॉटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने

स्कॉटलैंड की पुरुष टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा वह क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में उच्च प्रदर्शन प्रबंधक रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में कोचिंग सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा, "मार्क कोल्स अंतरराष्ट्रीय कोचिंग और उच्च प्रदर्शन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उन्हें महिला क्रिकेट की जरूरतों और चुनौतियों की भी अच्छी समझ है। हमें विश्वास है कि वरिष्ठ और अंडर-19 स्तर पर नियुक्त तकनीकी और सहयोगी स्टाफ के साथ मिलकर वह एक प्रतिस्पर्धी टीम तैयार करने और लंबे समय तक सफलता के लिए स्पष्ट मार्ग बनाने में मदद करेंगे।" उन्होंने कहा, "हमें पूरा विश्वास है कि यह समूह जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा।"

ओडिशा टी-20 लीग सीएम ट्रॉफी के लिए छह टीमों के 16-16 खिलाड़ियों वाले दस्ते तय

एजेंसी, भुवनेश्वर । ओडिशा क्रिकेट संघ ने रविवार को ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट पूरा कर लिया। इसके साथ ही आगामी सत्र के लिए छहों फ्रेंचाइजी के दस्ते तय हो गए हैं। प्रत्येक टीम ने ड्राफ्ट के दौरान 16 खिलाड़ियों का चयन किया। लीग के नए सत्र में राज्य के उभरते क्रिकेटरों को पेशेवर मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने और करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्रॉफी में भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटंस, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वॉरियर्स और कटक पैंथर्स की टीमें हिस्सा लेंगी। ओडिशा क्रिकेट संघ के मानद सचिव संजय बेहरा ने कहा, "ओडिशा टी-20 लीग के दूसरे सत्र की ओर बढ़ते हुए मैं सभी टीम मालिकों, कोच, टीम प्रबंधकों और ओडिशा क्रिकेट संघ के सदस्यों के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। फ्रेंचाइजी मालिकों और निवेशकों की उत्साहजनक रुचि लीग के व्यावसायिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को मजबूत मंच देने और उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने का रास्ता तैयार करने के बारे में है।

यूएस ओपनः कार्लोस अल्कराज ने टॉमी पॉल को हराया, लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है। टॉमी पॉल पर जीत

के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। जीत के बाद अल्कराज ने पत्रकारों से कहा, "मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टॉमी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं। आज मैंने जो कुछ किया, उससे मैं बहुत खुश हूं।" उन्होंने कहा, "मैं खेल को बहुत अच्छी तरह समझ पा रहा था। मुझे पता था कि हर समय क्या करना है और किस मौके पर किन चीजों का इस्तेमाल करना है। उम्मीद है कि मैं इसी लय को बनाए रखूंगा।" मुकाबले के तीसरे सर्विस गेम में अल्कराज को टॉमी पॉल की ओर से कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने करीब 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगाए गए शानदार फोरहैंड विनर से इसका जवाब दिया।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में फाइकेम टेक की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, बाद में हुई लिवाली से अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

रोटेशनल मोल्डिंग कंपाउंड्स और स्पेशलिटी पॉलिमर सॉल्यूशंस तैयार करने वाली कंपनी फाइकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई खरीदारी से कंपनी के आईपीओ निवेशक खुश हो गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 56 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद कुछ देर के लिए हुई बिकवाली के कारण कंपनी के शेयर गिर कर 54.50 रुपये के स्तर तक आये। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो गई, जिससे इस शेयर के भाव में तेजी का रुख बन गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के करीब कंपनी के शेयर 58.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि दोपहर एक बजे के करीब मुनाफा वसूली होने के कारण कुछ देर के लिए अपर सर्किट ब्रेक भी हुआ लेकिन शाम तीन बजे के थोड़ा पहले एक बार फिर लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर पर अपर सर्किट लग गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 4.80 रुपये यानी 8.89 प्रतिशत के फायदे में रहे।

कंपनी का 14.58 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अगस्त से दो सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 20.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 42.41 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 20.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और नई मशीनरी खरीदने, कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

फाइकेम टेक्नोलॉजीज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 4.09 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 47.59 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 51.11 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 57.48 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 5.61 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 4.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 5.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी इस अवधि में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 6.57 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 9.41 करोड़ रुपये के स्तर पर और 2025-26 में घट कर 6.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.86 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 9.70 करोड़ रुपये के स्तर पर और पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 13.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

पर्पल स्टाइल लैब्स की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्नियाज पॉप अप शॉप की पैरेंट कंपनी पर्पल स्टाइल लैब्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोरी के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 575 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.26 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 539 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 6.96 प्रतिशत डिस्काउंडट के साथ 535 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर गिर कर 515.85 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 588.90 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 569 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर छह रुपये यानी 1.04 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 680 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अगस्त से दो सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.89 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,18,26,086 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी पूर्ण मालिकाना हक वाली सब्सिडरी पीएसएल रिटेल में निवेश करने, सेल्स और मार्केटिंग करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। पर्पल स्टाइल लैब्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार डांवाडोल बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 47.71 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 188.38 करोड़ रुपये स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध घाटा उछल कर 285.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 510.03 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 494 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को कुल 567.07 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 116.33 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 112.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एयर इंडिया में सुरक्षा और लागत नियंत्रण पर ध्यान देने की जरूरत : चंद्रशेखरन

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एयरलाइन के बदलाव के अगले चरण में सुरक्षा, ग्राहकों के भरोसे, कामकाज में बेहतरीन प्रदर्शन और आर्थिक रूप से टिकाऊ बने रहने पर ध्यान देने की बात दोहराई है। एयर इंडिया के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेवोल्डे गेबरियाम और निवर्तमान प्रमुख कैंपबेल विल्सन भी बैठक में मौजूद थे। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार बताया कि टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एक इंटरनल मीटिंग में एयर इंडिया के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सुरक्षा पर ध्यान देने और लागत नियंत्रण की मजबूत संस्कृति बनाने की जरूरत पर जोर दिया। इस बैठक में चंद्रशेखरन ने औपचारिक रूप से गेबरियाम का कर्मचारियों से परिचय कराया। चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया में भरोसा बहाल करना एयरलाइन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इसके लिए पूरी कंपनी में विश्वस्तरीय प्रक्रिया, नियमों का सख्ती से पालन और व्यक्तिगत जवाबदेही की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, ''एयर इंडिया एयरलाइन को सबसे महत्वपूर्ण चीज जो हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, वह लोगों का भरोसा है।'' चंद्रशेखरन ने कहा कि विमानन कंपनी का सुरक्षा रिकॉर्ड सबसे बेहतर से बेहतर होना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से लागत नियंत्रण की मजबूत संस्कृति बनाने में मदद करने का आग्रह किया।

बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति में सुधार, रैक लोडिंग बढ़कर हुई 444 रैक प्रतिदिन

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों में कोयला लोडिंग में 74 रैक प्रतिदिन की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो बढ़कर अब 444 रैक प्रतिदिन हो गई है। यह देश में बिजली उत्पादन की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि अब तक बिजली क्षेत्र के लिए 370 रैक प्रतिदिन भेजे जा रहे थे, जो 3 सितंबर को बढ़कर 444 रैक प्रतिदिन हो गई है। इस प्रकार चार दिनों में कुल 74 रैक प्रतिदिन की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो करीब 20 फीसदी की वृद्धि है। अकेले छह सितंबर को ही 31 रैक की सुधार इसमें शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह विद्युत क्षेत्र को कोयले की सप्लाई को बढ़ाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), उसकी सहायक कंपनियों, एससीसीएल और कैप्टिव माइन ऑपरेटरों द्वारा निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 97 डॉलर के पार पहुंची ब्रेंट क्रूड की कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड आज 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 96.90 डॉलर

प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि ट्रेडिंग शुरू होते ही ये फिसल कर 96.34 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:30 बजे तक ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 97.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 0.71 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 92.19 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।